जन-जन की वाणी...
हिन्दी दैनिक

सोन वर्षा वाणी

औरंगाबाद, पटना, आरा एवं दुमका से प्रकाशित

Page 11

खेल

14 साल के वैभव सूर्यवंशी ने रचा इतिहास पाकिस्तानी क्रिकेटर का बड़ा रकॉर्ड तोड़ा

Page 09

देश

कांग्रेस 'मिया मुस्लिम 'बहुल सीट की उम्मीदवारी के लिए तीन-चार करोड़ रुपये...

शुक्ल पक्ष,पुनर्वसु,विक्रम संवत् 2082 • औरंगाबाद • रविवार • 04 जनवरी 2026 • वर्ष 27 • अंक 34 • पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 2.00

हमारी सभ्यता की जीवंत धरोहर हैं भगवान बुद्ध के अवशेषः मोदी

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष भारत के लिए मात्र ऐतिहासिक वस्तुएं या संग्रहालय की कलाकृतियां नहीं, बल्कि हमारी सभ्यता की जीवंत, पवित्र और अटूट धरोहर हैं। बुद्ध का ज्ञान और मार्ग केवल भारत का नहीं, बल्कि पूरी मानवता का साझा प्रकाश है। प्रधानमंत्री ने शनिवार को यहां राय पिथौरा सांस्कृतिक परिसर में भगवान बुद्ध से जुड़े पवित्र पिपराहवा अवशेषों की भव्य अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। प्रदर्शनी का शीर्षक 'द लाइट एंड द लोटसः रेलिक्स ऑफ द अवेकन्ड वन' रखा गया है, जिसमें 1898 में खोजे गए बुद्धकालीन अवशेषों और कलाकृतियों को एक सदी से अधिक समय बाद पहली बार वैश्विक मंच पर इतने विस्तृत और भव्य स्वरूप में प्रदर्शित किया गया। प्रधानमंत्री ने संबोधन की शुरुआत में थाईलैंड, वियतनाम, मंगोलिया, रूस, लंका, नेपाल, जापान और अन्य देशों से आए प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए कहा कि 125 वर्षों के लंबे इंतजार के बाद बुद्ध की पवित्र निशानियां भारत की धरती पर लौट आई हैं।

इन अवशेषों की वापसी भारत की सांस्कृतिक संप्रभुता की पुनर्स्थापना का प्रतीक है, जो यह दर्शाती है कि औपनिवेशिक काल में भारत से बाहर ले जाई गई हमारी विरासत को अब संरक्षित सम्मान के साथ वापस लाया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने राय पिथौरा को देश के गौरवशाली अतीत और आध्यात्मिक पुनर्जागरण का संगम स्थल बताते हुए कहा कि बुद्ध के अवशेषों की उपस्थिति किसी भी स्थल और वहां उपस्थित प्रत्येक व्यक्ति को धन्य कर देती है। उन्होंने गोदरेज समूह का विशेष आभार व्यक्त किया, जिन्होंने इन अवशेषों की सार्वजनिक नीलामी को रोकने और भारत में उनकी वापसी सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रधानमंत्री ने कहा कि गुलामी केवल राजनीतिक या आर्थिक परतों में नहीं होती, बल्कि वह सभ्यताओं की स्मृतियों और विरासत को भी मिटा देती है। औपनिवेशिक काल में पिपराहवा के अवशेषों को यह समझकर देश से बाहर ले जाया गया कि वे पुरानी, निष्प्राण वस्तुएं हैं, जबकि भारत के लिए वे पूज्य हैं, पवित्र हैं, और बुद्ध के जीवन-दर्शन का साक्षात प्रतीक हैं। जिन लोगों ने इन्हें भारत से बाहर ले जाया और उनके वंशजों ने इन्हें अंतरराष्ट्रीय बाजार में बेचने और नीलाम करने का प्रयास किया, उनके लिए ये केवल संग्रह की वस्तुएं थीं लेकिन भारत ने यह स्पष्ट किया कि इनकी सार्वजनिक नीलामी की अनुमति नहीं दी जाएगी। भारत इन अवशेषों का संरक्षक भी है और बुद्ध परंपरा का जीवंत संवाहक भी हैं। मोदी ने कहा थाईलैंड में एक महीने से भी कम समय में 40 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने इन अवशेषों के दर्शन किए।

वियतनाम में प्रदर्शनी का समय श्रद्धालुओं की मांग पर बढ़ाना पड़ा, जहां नौ शहरों में लगभग 1.75 करोड़ लोगों ने इन्हें श्रद्धांजलि दी। मंगोलिया में हजारों लोग गंडन मठ के बाहर घंटों कतार में खड़े रहे और अनेक श्रद्धालु भारतीय प्रतिनिधियों को छूना चाहते थे, क्योंकि वे बुद्ध की भूमि से आए थे। रूस के काल्मिकिया क्षेत्र में एक सप्ताह में 1.5 लाख से अधिक लोगों ने दर्शन किए, जो वहां की आधी से अधिक आबादी के बराबर है। इन आयोजनों में आम नागरिकों से लेकर राष्ट्राध्यक्षों तक की एक जैसी श्रद्धा दिखाती है कि भगवान बुद्ध सबके हैं और सभी को जोड़ते हैं।

पीएम मोदी ने भगवान बुद्ध के पिपरावा अवशेषों की अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी का किया उद्घाटन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को नई दिल्ली स्थित राय पिथोरा सांस्कृतिक परिसर में भगवान बुद्ध के पवित्र पिपरावा अवशेषों की अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। प्रदर्शनी संस्कृति मंत्रालय द्वारा आयोजित की गई है। इस प्रदर्शनी का शीर्षक "प्रकाश और कमलः प्रबुद्ध व्यक्ति के अवशेष" है। इसमें उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर जिले के गांव पिपरावा से प्राप्त भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों, अस्थि-कलशों और रत्न अवशेषों को प्रदर्शित किया गया है। प्रदर्शनी में छठी शताब्दी ईसा पूर्व से लेकर वर्तमान तक की 80 से अधिक मूर्तियां, पांडुलिपियां, थांगका और अनुष्ठानिक वस्तुएं शामिल हैं। यह प्रदर्शनी भारत की आध्यात्मिक आत्मा और वैश्विक विरासत की रक्षा के संकल्प को दर्शाती है। इन अवशेषों को 127 वर्षों के बाद पिछले साल जुलाई में मंत्रालय की ओर से स्वदेश वापस लाया गया है। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री, राजदूत और राजनयिक कोर के सदस्य, पूजनीय बौद्ध भिक्षु, वरिष्ठ सरकारी अधिकारी, विद्वान, विरासत विशेषज्ञ, कला जगत के सम्मानित सदस्य, कला प्रेमी, बौद्ध धर्म के अनुयायी और छात्र उपस्थित रहे।

संक्षिप्त सामाचार

बांग्लादेशः खोकन दास की मौत से उपजे गंभीर सवाल, कट्टरपंथियों ने जिंदा जलाकर मार डाला

ढाका। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक समुदाय के खिलाफ हिंसा का दौर थमने का नाम नहीं ले रहा है। ताजा मामला शरियतपुर जिले का है, जहाँ एक हिंदू दुकानदार खोकन दास ने बर्बर हमले के दो दिन बाद अस्पताल में दम तोड़ दिया। 50 वर्षीय खोकन दास अपने गांव में एक मेडिकल स्टोर और मोबाइल बैंकिंग का छोटा व्यवसाय चलाते थे। उन पर 31 दिसंबर की रात को एक हिंसक भीड़ ने उस वक्त हमला किया जब वे अपनी दुकान बंद कर घर लौट रहे थे। गंभीर रूप से झुलसे और जख्मी खोकन दास को ढाका मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन डॉक्टरों की तमाम कोशिशों के बावजूद उन्हें बचाया नहीं जा सका। घटना का विवरण दिल दहला देने वाला है। जानकारी के अनुसार, हमलावरों ने पहले खोकन दास को रास्ते में घेरकर उनके पेट और सिर पर घातक वार किए। इसके बाद क्रूरता की सारी हदें पार करते हुए उन पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी गई। अपनी जान बचाने के लिए वह पास के एक तालाब में कूद गए, जिससे आग तो बुझ गई, लेकिन तब तक उनका शरीर बुरी तरह झुलस चुका था। हमलावर मौके से फरार होने में सफल रहे। यह घटना पिछले दो हफ्तों में किसी हिंदू नागरिक पर हुआ चौथा बड़ा हमला है, जो देश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाता है। खोकन दास की पत्नी ने इस घटना पर गहरा दुख और आक्रोश व्यक्त किया है। उन्होंने बताया कि उनके पति एक बेहद साधारण व्यक्ति थे और उनकी किसी से कोई निजी दुश्मनी नहीं थी।

भारत ने पाकिस्तान की एयरलाइनों के लिए बंद किया क्षेत्र, उधर पाकिस्तान ने ढाका के लिए खोला

नई दिल्ली। भारत द्वारा पाकिस्तान की एयरलाइनों के लिए अपने हवाई क्षेत्र को बंद करने के बाद क्षेत्रीय विमानन और कूटनीति में नए समीकरण बन रहे हैं। इसी कड़ी में पाकिस्तान ने अहम कदम उठाकर बांग्लादेश की राष्ट्रीय एयरलाइन 'बिमान एयरवेज' को ढाका और कराची के बीच सीधी उड़ानें संचालित करने की परमिशन दे दी है। यह मंजूरी ट्रायल आधार पर तीन महीनों के लिए दी गई है, जो मार्च 2026 के अंत तक वैध रहेगी। आवश्यकता और अनुभव के आधार पर इसकी अवधि आगे बढ़ाई जा सकती है। पाकिस्तान के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण (पीसीएए) के अनुसार, यह फैसला केंद्र की स्वीकृति के बाद लिया गया है। बिमान एयरवेज को पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र में तय किए रूट्स का सख्ती से पालन करना होगा। साथ ही, ढाका से उड़ान भरने से पहले कराची एयरपोर्ट प्राधिकरण को पूरी फ्लाइट डिटेल्स उपलब्ध करानी होंगी। उड़ानों का शेड्यूल और अन्य परिचालन संबंधी विवरण जल्द ही अंतिम रूप ले लिए जाएंगे। सभी उड़ानें पाकिस्तान के सिविल एविएशन नियमों के तहत संचालित की जाएंगी। हाल ही में पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान की एयरलाइनों के लिए अपने एयरस्पेस को बंद किया था, इसकारण पाकिस्तानी विमान भारत के हवाई क्षेत्र से होकर उड़ान नहीं भर सकते। वहीं, बांग्लादेशी एयरलाइनों पर ऐसी कोई पाबंदी नहीं है। पाकिस्तान और बांग्लादेश के रिश्तों में अगस्त 2024 के बाद से तेजी से सुधार देखा गया है।

महाराष्ट्र निकाय चुनावः मतदान से पहले महायुति की बड़ी बढ़त, 68 उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित

मुंबई । महाराष्ट्र में 15 जनवरी को होने वाले नगर निकाय और बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के चुनावों से पहले राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। मतदान की प्रक्रिया शुरू होने से पहले ही भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन ने मनोवैज्ञानिक और रणनीतिक बढ़त हासिल कर ली है। नामांकन वापसी की समय सीमा समाप्त होने के बाद राज्य के विभिन्न नगर निकायों में महायुति के कुल 68 उम्मीदवारों को निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया गया है। इन परिणामों ने चुनावी मैदान में उतरे अन्य दलों के लिए बड़ी चुनौती पेश कर दी है। निर्विरोध जीती गई इन 68 सीटों के विश्लेषण से पता चलता है कि इसमें भाजपा का वर्चस्व सबसे अधिक रहा है। कुल सीटों में से 44 पर भाजपा ने जीत दर्ज की है, जबकि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना को 22 सीटें मिली हैं। वहीं, अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के खाते में 2 सीटें आई हैं। निर्विरोध जीत का सबसे बड़ा आंकड़ा ठाणे जिले की कल्याण-डोंबिवली नगर निगम में देखने को मिला है। इसके अलावा पुणे, पिंपरी-चिंचवाड, पनवेल, भिवंडी, धुले, जलगांव और अहिल्यानगर जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में भी महायुति के उम्मीदवारों ने बिना किसी मुकाबले के जीत हासिल की है। पुणे के वार्ड नंबर 35 से भाजपा की मंजूषा नागपुरे और श्रीकांत जगताप को आधिकारिक रूप से विजयी घोषित किया गया है।

'सबका सम्मान-जीवन आसान' के उद्देश्य से सात निश्चय-3 कार्यक्रमों को लागू कियाः मुख्यमंत्री

हम से संपर्क करें !
क्यू०आर० कोड स्कैन कर
पत्र के माध्यम से निम्न पते पर
अपर सचिव, 4 देशरत्न मार्ग,
मुख्यमंत्री सचिवालय, पटना– 800001
ई०मेल आई०डी० के माध्यम से

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार नेकहा कि राज्य में समाज के हर वर्ग के लोग सम्मान के साथ आसानी से जीवन व्यतीत कर सकें इसे लेकर हमलोगों ने गंभीरता से कार्य प्रारंभ कर दिया है। इसी कड़ी में वर्ष 2025 से 2030 के लिए राज्य को देश के सर्वाधिक विकसित राज्यों की श्रेणी में शामिल करने के लिए सात निश्चय-3 के कार्यक्रमों को लागू किया है। मुख्यमंत्री ने शनिवार सुबह सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि सात निश्चय-3 के सातवें निश्चय 'सबका सम्मान-जीवन आसान' का उद्देश्य राज्य के सभी नागरिकों के जीवन में आने वाली कठिनाइयों को कम करना तथा उनके जीवन को और भी आसान बनाना है। सबसे पहले हमलोगों की कोशिश है कि राज्य के जरूरतमंद वरिष्ठ नागरिकों को जरूरत के समय उनके घर पर ही अत्यावश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो सकें। इसमें नर्सिंग सहायता की सुविधा, घर पर ही पैथोलॉजी जांच की सुविधा, ब्लड प्रेशर जांच और ईसीजी जांच की सुविधा, फिजियोथेरेपी की सुविधा और आपातकालीन स्थिति में सभी प्रकार की चिकित्सकीय सहायता मिल सके।

छत्तीसगढ़ में सुरक्षाबलों की बड़ी कार्रवाईः दो मुठभेड़ों में 14 नक्सली ढेर

बीजापुर। छत्तीसगढ़ में नक्सल विरोधी अभियान को शनिवार को बड़ी सफलता मिली है। राज्य के सुकमा और बीजापुर जिलों में हुई दो अलग-अलग मुठभेड़ों में सुरक्षाबलों ने कुल 14 नक्सलियों को मार गिराया है। सुकमा जिले के किस्टाराम इलाके में 12 नक्सली ढेर किए गए, जबकि बीजापुर में हुई मुठभेड़ में 2 नक्सलियों को मार गिराया गया। दोनों जगहों से नक्सलियों के शवों के साथ हथियार भी बरामद किए गए हैं। पूरे इलाके में सर्च ऑपरेशन जारी है और रुक-रुककर फायरिंग की खबरें सामने आ रही हैं।

मोस्ट वांटेड देवा बारसे ने किया सरेंडर

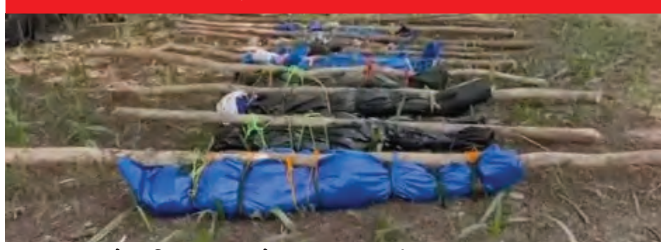

सुकमा के किस्टाराम में 12 नक्सली ढेर : सुकमा जिले के किस्टाराम क्षेत्र में नक्सलियों की मौजूदगी की गुप्त सूचना के आधार पर डीआरजी (डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड) की टीम को अभियान पर भेजा गया था। शनिवार सुबह करीब 8 बजे नक्सलियों ने सुरक्षाबलों पर अचानक फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद हुई जवाबी कार्रवाई में सुरक्षाबलों ने 12 नक्सलियों को मार गिराया। मुठभेड़ के बाद इलाके की घेराबंदी कर तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार, मारे गए नक्सलियों के पास से स्वचालित हथियार और विस्फोटक सामग्री बरामद हुई है।

बीजापुर में भी मुठभेड़, 2 इनामी नक्सली मारे गए : इधर, बीजापुर जिले में भी नक्सलियों की गतिविधियों की सूचना पर डीआरजी की टीम नक्सल विरोधी अभियान पर निकली थी। शनिवार तड़के करीब 5 बजे नक्सलियों ने फायरिंग शुरू कर दी, जिसके बाद दोनों ओर से रुक-रुककर मुठभेड़ होती रही। सर्च ऑपरेशन के दौरान अब तक दो नक्सलियों के शव बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार, मारे गए दोनों नक्सली इनामी थे। एक नक्सली एरिया कमेटी मेंबर था, जिस पर 5 लाख का इनाम घोषित था, जबकि दूसरे पर 8 लाख का इनाम था। मुठभेड़ की पुष्टि बीजापुर एसपी जितेंद्र यादव ने की है।

मोस्ट वांटेड देवा बारसे ने किया आत्मसमर्पण : इसी बीच नक्सल मोर्चे पर सुरक्षाबलों को एक और बड़ी सफलता मिली है। छत्तीसगढ़ का मोस्ट वांटेड नक्सली और स्पेशल जोनल कमेटी मेंबर देवा बारसे ने हैदराबाद में आत्मसमर्पण कर दिया है। देवा के साथ 20 अन्य नक्सलियों ने भी हथियार डाल दिए हैं। गौरतलब है कि इससे पहले 25 दिसंबर को ओडिशा के कंधमाल जिले में सुरक्षाबलों ने एनकाउंटर में 6 नक्सलियों को मार गिराया था। इनमें सेंट्रल कमेटी मेंबर गणेश उईके भी शामिल था, जिस पर 1 करोड़ से अधिक का इनाम घोषित था। उस कार्रवाई में दो महिला नक्सली भी मारी गई थीं।

चुनाव आयोग ने नागरिकों से मांगे 'इसीआईनेट' को बेहतर बनाने के सुझाव

एजेंसी। नई दिल्ली

चुनाव आयोग ने नागरिकों से 'इसीआईनेट' को बेहतर बनाने के लिए सुझाव मांगे हैं। ऐप डाउनलोड कर 'सुझाव सबमिट करें' टैब पर 10 जनवरी तक सुझाव दिए जा सकते हैं। आयोग ने कहा है कि यूज़र के सुझावों की जांच की जाएगी और इसे और ज़्यादा यूज़र-फ्रेंडली बनाने के लिए प्लेटफॉर्म को और अपडेट किया जाएगा। 'इसीआईनेट' प्लेटफॉर्म इस महीने आधिकारिक तौर पर लॉन्च किया जाएगा। 'इसीआईनेट' ऐप के ट्रायल वर्जन में बेहतर वोटर सेवाएं उपलब्ध हैं। इस ऐप का बिहार विधानसभा

चुनाव 2025 और उपचुनावों के दौरान सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया था। चुनाव अधिकारियों के फीडबैक के आधार पर इस प्लेटफॉर्म में लगातार सुधार और बदलाव किए जा रहे हैं। 'इसीआईनेट' मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी के साथ आयोग की प्रमुख पहलों में से एक है। 'इसीआईनेट' ऐप के डेवलपमेंट पर काम 4 मई को इसकी घोषणा के बाद शुरू हुआ। 'इसीआईनेट' ऐप नागरिकों के लिए एक सिंगल, एकीकृत ऐप है जो पहले के 40 अलग-अलग चुनाव संबंधी एप्लिकेशन/वेबसाइट जैसे वोटर हेल्पलाइन ऐप, सीविजिल, सक्षम, पोलिंग ट्रेंड्स (वोटर टर्नआउट ऐप), अपने उम्मीदवार को जानें (केवाईसी) ऐप, को एक ही इंटरफ़ेस में इंटीग्रेट करता है। यह ऐप गूगल प्ले स्टोर और एप्पल एप स्टोर दोनों से डाउनलोड किए जा सकते हैं।

माघ मेलाः संगम तट पर श्रद्धा का सैलाब, पहले दिन सुबह 8 बजे तक ही 6.5 लाख ने लगाई डुबकी

एजेंसी। प्रयागराज

यहां हुए महाकुंभ के भव्य आयोजन के पश्चात पहले माघ मेले का औपचारिक शुभारंभ हो गया है। आस्था और श्रद्धा के इस पावन पर्व पर देश के विभिन्न कोनों से श्रद्धालु त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाने के लिए उमड़ पड़े हैं। मेले के पहले ही दिन जनसैलाब का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि सुबह आठ बजे तक ही लगभग 6.5 लाख श्रद्धालुओं ने गंगा में पवित्र स्नान कर लिया था। विभिन्न अखाड़ों के संत-महात्मा और प्रमुख आध्यात्मिक गुरु अपने अनुयायियों के साथ संगम तट पर पहुंच रहे हैं। इसी क्रम में किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर कल्याणी नंद गिरी ने भी अपने शिष्यों के साथ स्नान किया। संगम की रेती पर लाखों कल्पवासी और संन्यासी पहले ही डेरा डाल चुके हैं, जहाँ वे एक माह तक कठिन जप-तप और साधना में लीन रहेंगे। प्रशासनिक अनुमानों के अनुसार,

मेले के शुरुआती चरण में ही करीब 15 लाख लोग क्षेत्र में पहुँच चुके हैं। इस वर्ष माघ मेले को महाकुंभ की तर्ज पर ही आधुनिक और सुविधाजनक बनाया गया है। पहली बार इस मेले का अपना एक विशिष्ट लोगो जारी किया गया है, जो इसकी अलग पहचान को दर्शाता है। श्रद्धालुओं की सुगम आवाजाही के लिए प्रशासन ने निजी कंपनियों के सहयोग से बाइक सेवा की शुरुआत की है, जिससे लोग संगम के निकटतम बिंदु तक आसानी से पहुँच सकेंगे। तकनीक का लाभ उठाते हुए बिजली के खंभों पर क्यूआर कोड लगाए गए हैं। यदि किसी श्रद्धालु को कोई समस्या होती है, तो वे इसे स्कैन कर तुरंत शिकायत दर्ज करा सकते हैं, जिस पर त्वरित कार्रवाई का दावा किया गया है। साथ ही, मेले में डिजिटल कनेक्टिविटी को मजबूत करने के लिए मोबाइल कंपनियों के साथ समन्वय किया गया है ताकि डिजिटल मेले की संकल्पना साकार हो सके। पर्यटन और रोमांच को बढ़ावा देने के लिए इस बार हेलीकॉप्टर सेवा और पैराग्लाइडिंग जैसी गतिविधियाँ भी आकर्षण का केंद्र रहेंगी। इसके अलावा, सांस्कृतिक संध्याओं के लिए विख्यात कलाकारों को आमंत्रित किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

ठंड को देखते हुए विद्यालयों के संचालन समय में प्रतिबंध जारी

नवादा। नवादा जिला अंतर्गत सभी प्रखंडों में ठंड का मौसम एवं विशेष रूप से सुबह एवं शाम के समय तापमान में हो रही गिरावट को देखते हुए इस कार्यालय के ज्ञापांक-3760/विधि, दिनांक-20.12.2025 एवं ज्ञापांक-3848/विधि, दिनांक-27.12.2025 के माध्यम से भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा-163 के तहत नवादा जिला के सभी निजी/सरकारी विद्यालयों (प्री-स्कूल एवं आंगनबाड़ी केंद्रों सहित) की सभी कक्षाओं की शैक्षणिक गतिविधियों पर पूर्वाह्न 10:00 बजे से पहले एवं अपराह्न 03:00 बजे के पश्चात् प्रतिबंध लगाया गया था।वर्तमान में भी विशेष रूप से सुबह एवं शाम के समय तापमान में गिरावट लगातार जारी है। ऐसी स्थिति में उक्त आदेश को पुनः विस्तारित किए जाने की आवश्यकता प्रतीत होती है। अतः मैं रवि प्रकाश, भा०प्र०से०, जिला पदाधिकारी, नवादा, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा-163 के तहत पूर्व में निर्गत आदेश को विस्तारित करते हुए नवादा जिला के सभी निजी/सरकारी विद्यालयों (प्री-स्कूल एवं आंगनबाड़ी केंद्रों सहित) की सभी कक्षाओं की शैक्षणिक गतिविधियों पर पूर्वाह्न 10:00 बजे से पहले एवं अपराह्न 03:00 बजे के पश्चात् प्रतिबंध लगाता हूँ।जिले के सभी संबंधित विद्यालय प्रबंधन को निर्देश दिया जाता है कि उपर्युक्त आदेश के आलोक में शैक्षणिक गतिविधियों का पुनर्निर्धारण सुनिश्चित करें।साथ ही प्री-बोर्ड/बोर्ड परीक्षा हेतु संचालित की जाने वाली विशेष कक्षाओं/परीक्षाओं को पर्याप्त सावधानी के साथ संचालित करें। उपर्युक्त आदेश दिनांक-05.01.2026 से लागू होगा एवं दिनांक-10.01.2026 तक प्रभावी रहेगा। यह आदेश दिनांक-03.01.2026 को निर्गत किया गया।

छोटा शेख़पुरा में ख्वाजा साहब का चिराग़ां- मेला आज

रौशनी की रौनक और चमक -दमक ने बनाया उल्लास का समां

फ़ोटो - ख्वाजा साहब का मजार, बच्चों के लिए विभिन्न प्रकार का लगा झूला

नरहट (नवादा)। प्रत्येक वर्ष की भाँति इस वर्ष भी रविवार को ख़्वाजा साहब का उर्स मुबारक मनाया जाएगा।इस अवसर पर आयोजित होने वाले चिराग़ां-मेला (रौशनी) के आयोजन से नरहट प्रखंड के छोटा शेख़पुरा में उल्लास का माहौल है। झूले,मीना बाज़ार तथा अन्य मनोरंजन साधनों से यहां का कर्बला मैदान सज-धज कर तैयार है। सीमावर्ती मेसकौर प्रखंड के ऐतिहासिक सीतामढ़ी मेला के सम्पन्न होने के बाद मेला-ठेला लगाकर जीविकोपार्जन करने वाले कारीगर, दुकानदार और झूला संचालक अब शेख़पुरा पहुँच चुके हैं और चिराग़ां-मेला में जुट गए हैं। उल्लेखनीय है कि ग्राम शेख़पुरा में चिश्तिया सिलसिले के सुप्रसिद्ध संत हज़रत ख़्वाजा अब्दुल्लाह चिश्ती की लगभग 500 वर्ष पुरानी दरगाह शरीफ़ स्थित है। वे 15वीं शताब्दी में सूफी आंदोलन के दौरान शेख़पुरा तशरीफ़ लाए थे।अजमेर शरीफ़ के ख़्वाजा मोइन उद्दीन चिश्ती के विचारों से प्रेरित होकर मानव मूल्यों,सद्भाव तथा भाईचारगी के प्रचार-प्रसार के लिए वे शेख़पुरा तशरीफ लाये थे और जीवनपर्यंत भेदभाव-रहित समाज की स्थापना,समानता,आपसी प्रेम और भाईचारगी के लिए कार्य करते रहे।आज भी उनकी दरगाह शरीफ़ श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र बनी हुई है जहां सभी समुदाय के लोग चादर चढ़ाकर अपनी श्रद्धा के सुमन अर्पित करते हैं।उनके वंशज आज भी इस दरगाह शरीफ के गद्दीनशीं हैं और उनकी सूफी परम्परा तथा सद्भाव और भाईचारगी के मिशन को बढ़ाने में लगे हुए हैं। दरगाह शरीफ़ के वर्तमान गद्दीनशीं एवं मोतवल्ली मौलाना ऐनउद्दीन चिश्ती ने बताया कि प्राचीन परंपरा के अनुसार इस दरगाह शरीफ़ पर अरबी माह रज्जब की 14वीं और 15 वीं तारीख़ को उर्स मुबारक का आयोजन किया जाता है जिसमें बिहार और झारखंड सहित विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में ज़ायरीन (श्रद्धालु) शामिल हो कर मिन्नतें माँगते हैं और ऐसी मान्यता है कि ख़्वाजा साहब की दुआ से उनकी मुरादें पूरी होती हैं।

रोजगार आजीविका मिशन से सशक्त होगी ग्राम पंचायतें

जनप्रतिनिधियों को दी गई भीवी जी राम जी विधेयक की जानकारी

कौआकोल। प्रखण्ड के सोखोदेवरा जेपी आश्रम परिसर अवस्थित राजेन्द्र भवन में शनिवार को कृषि विज्ञान केंद्र,ग्राम निर्माण मण्डल के बैनर तले विकसित भारत रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण) "जी राम जी" विधेयक पर एक दिवसीय जागरूकता अभियान सह पंचायत जन प्रतिनिधि सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में लोगों को भीवी जी राम जी विधेयक के बारे में जागरूक किया गया। प्रखण्ड कार्यक्रम पदाधिकारी असलम हुसैन ने लोगों को बताया कि यह अधिनियम ग्रामीण परिवारों के लिए प्रतिवर्ष 125 दिनों के रोजगार की गारंटी देता है। यह अधिनियम महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम 2005 (मनरेगा) की जगह लाया गया है। उन्होंने विस्तार से जनप्रतिनिधियों को नए अधिनियम के प्रावधान से अवगत कराया। इस अवसर पर ग्राम निर्माण मंडल के प्रधानमंत्री अरविंद कुमार,कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक रौशन कुमार,रविकांत चौबे,अनिल कुमार,सुमितापि रंजन,प्रखण्ड तकनीकी सहायक प्रवीण कुमार आदि मौजूद थे।

नए साल के जश्न में डूबे लोगों ने घर जा रही महिला और उसके भाई पर जानलेवा हमला

रजौली। थाना क्षेत्र के बौद्धी कला गांव के मुसहरी टोला में बीते 1 जनवरी को शाम 6:30 बजे घर जा रही एक महिला और भाई के साथ असामाजिक तत्व के लोगों ने जमकर मारपीट किया।साथ ही महिला के पास रहे जेवरातों की छिनतई भी कर ली।वहीं गम्भीर युवक का इलाज पटना के एक निजी अस्पताल में चल रहा है।इधर पुलिस बलों ने कुल 6 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेज दी है।

- युवक गम्भीर रूप से घायल एवं महिला के साथ मारपीट व छिनतई,6 आरोपी गिरफ्तार

डीजे द्वारा जबरन रास्ता रोकने के विवाद में जानलेवा हमला :- पीड़िता बौद्धी कला गांव निवासी ईश्वर राय की पुत्री खुशबू कुमारी ने बताई कि वह बीते 1 जनवरी को लगभग शाम 6:30 बजे शाम को पटना से वापस अपने भाई सन्नी कुमार के साथ घर लौट रही थी।इसी बीच बौद्धी कला के मुसहरी टोला पर कुछ लोगों द्वारा रास्ता पर डीजे लगाकर नाच-गान किया जा रहा था।सन्नी कुमार द्वारा रास्ता देने को कहा गया,तो उक्त लोगों ने 10 से 15 मिनट रुकने को कहा।किंतु 15 मिनट के बाद भी रास्ता को अवरुद्ध रखा गया।सन्नी कुमार ने जब दुबारा उनलोगों को रास्ता देने की बात कही,तो वे उग्र होकर वाहन के शीशे पर पत्थर मारकर तोड़ दिया गया।साथ ही कुछ लोगों द्वारा ट्रैक्टर में रहे एक लोहे के रॉड से सन्नी कुमार के सिर पर प्रहार कर बेहोश कर दिया गया और उसे गाड़ी से बाहर घसीटकर खेत में लेजाकर लाठी डंडे से बेरहमी से मारपीट कर गम्भीर रूप से घायल कर दिया गया।साथ ही खुशबू कुमारी के गले में रहे सोने के लॉकेट व नगदी को भी छिन लिया गया।

घायल युवक पटना में इलाजरत :- पीड़िता खुशबू कुमारी ने बताई कि फोन करके उन्होंने अपने परिजनों को बुलाया,तो मामला शांत होने के बाद घायल सन्नी कुमार को इलाज हेतु अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया।अनुमंडलीय अस्पताल में प्राथमिक इलाज के बाद चिकित्सक ने नवादा सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया एवं नवादा से पटना रेफर किया गया है।पीड़िता ने बताई कि सन्नी कुमार को लगभग 10 लोगों ने बड़ी ही बेहरमी से पिटा है और उसके सिर में गम्भीर चोट लगने से नाजुक स्थिति अभी भी बनी हुई है।फिलहाल सन्नी कुमार का इलाज पटना के एक निजी अस्पताल में चल रहा है।

पुलिस ने 6 लोगों को किया गिरफ्तार :- इस संबंध में थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर रंजीत कुमार ने बताया कि मारपीट को लेकर पीड़िता खुशबू कुमारी द्वारा प्राप्त लिखित आवेदन के आलोक में प्राथमिकी दर्ज की गई है।साथ ही नामजद 9 लोगों में से 6 लोगों को पीएसआई सचिन कुमार ने सशस्त्र पुलिस बलों के सहयोग से गिरफ्तार भी किया है।गिरफ्तार लोगों में बौद्धी कला गांव निवासी बाबूलाल भुइयां के पुत्र राजू भुइयां,राजू भुइयां के पुत्र रौशन कुमार,रामविलास उर्फ रामवृक्ष के पुत्र बैहरा उर्फ निशु भुइयां व प्रमोद कुमार और गणेश मिस्त्री के पुत्र विष्णु कुमार के अलावे हरदिया निवासी गणेश मिस्त्री के पुत्र निरंजन कुमार उर्फ छोटू मिस्त्री शामिल है।थानाध्यक्ष ने बताया कि सभी गिरफ्तार लोगों को शनिवार को स्वास्थ्य जांच के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

समाज कल्याण विभाग की योजनाओं की जिला स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित

निज संवाददाता। नवादा

नवादा जिला पदाधिकारी, नवादा रवि प्रकाश की अध्यक्षता में उनके कार्यालय प्रकोष्ठ में समाज कल्याण विभाग से संबंधित विभिन्न योजनाओं की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की शुरुआत जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (आईसीडीएस) श्रीमती निरुपमा शंकर द्वारा आईसीडीएस योजनाओं की अद्यतन स्थिति प्रस्तुत करने के साथ हुई। समीक्षा के दौरान जिला पदाधिकारी द्वारा सभी आंगनवाड़ी केंद्रों पर मूलभूत आवश्यकताओं की शत-प्रतिशत उपलब्धता सुनिश्चित करने का सख्त निर्देश दिया गया।समीक्षा क्रम में डीपीओ, आईसीडीएस द्वारा बताया गया कि कुल 75 प्रतिशत लाभुकों को टीएचआर का वितरण पोषण ट्रैकर के FRS के माध्यम से किया गया है। कम उपलब्धि के संबंध में पूछताछ किए जाने पर बताया गया कि चावल उठाव में विलंब के कारण केंद्रों पर टीएचआर का वितरण दिनांक 29 दिसंबर 2025 को किया गया, जिससे उपलब्धि प्रभावित हुई। इस पर डीएम, एसएफसी द्वारा अवगत कराया गया कि अक्टूबर–दिसंबर तिमाही के लिए आरओ नवंबर माह में विभाग से प्राप्त हुआ था, वहीं कुछ ट्रांसपोर्टर संबंधी समस्याओं के कारण भी विलंब हुआ। आंगनवाड़ी केंद्रों के भवन निर्माण की स्थिति की समीक्षा में बताया गया कि कुल 60 केंद्रों के लिए निर्माण की स्वीकृति विभाग से प्राप्त है। जिला पदाधिकारी ने इन केंद्रों का निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ कराने हेतु जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (मनरेगा) को अविलंब आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।जिला पदाधिकारी ने कहा कि सभी संबंधित पदाधिकारी लक्ष्य प्राप्ति हेतु समयबद्ध एवं समन्वित प्रयास करना सुनिश्चित करें। इसके पश्चात सामाजिक सुरक्षा से संबंधित योजनाओं की समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान पाया गया कि विगत समीक्षा के पश्चात पेंशन एवं गैर-पेंशन योजनाओं की प्रगति में सुधार हुआ है,

किंतु बीपीएल परिवारों से संबंधित योजनाओं में लक्ष्य प्राप्ति हेतु और अधिक तीव्र गति से कार्य करने की आवश्यकता है। इस क्रम में जिला पदाधिकारी ने प्रभारी सहायक निदेशक, सामाजिक सुरक्षा को निर्देश दिया कि सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर योजनाओं की प्रगति सुनिश्चित कराएं तथा लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन हेतु आवश्यक कार्रवाई करें। बैठक में जिला बाल संरक्षण इकाई एवं जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण कोषांग अंतर्गत संचालित परवरिश योजना, स्पॉन्सरशिप योजना, मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना, संबल योजना एवं यूडीआईडी परियोजना आदि की भी विस्तृत समीक्षा की गई।परवरिश योजना के अंतर्गत लाभुकों की संख्या बढ़ाने हेतु सहायक निदेशक, दिव्यांगजन सशक्तीकरण कोषांग को निर्देशित किया गया कि वे प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं बाल विकास परियोजना पदाधिकारियों के माध्यम से पंचायत एवं ग्राम स्तर पर कर्मियों द्वारा अनाथ एवं पात्र बच्चों का सर्वेक्षण कराते हुए पात्रता के अनुसार आवेदन सृजित कराएं।साथ ही, वृहद आश्रय गृह में होमगार्ड की प्रतिनियुक्ति सुनिश्चित करने हेतु जिला पदाधिकारी द्वारा आवश्यक निर्देश दिए गए। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त निलिमा साहु, प्रभारी सहायक निदेशक, सामाजिक सुरक्षा कोषांग, श्री अमरनाथ कुमार, सहायक निदेशक, दिव्यांगजन सशक्तीकरण कोषांग श्री रितेश कुमार, डीपीओ (मनरेगा) श्री विकेस कुमार सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

नेत्र जांच शिविर : 157 मरीजों में से 38 मोतियाबिंद के मरीज चिह्नित

- सभी की करायी गयी नि:शुल्क जांच, नि:शुल्क ही कराया जाएगा ऑपरेशन
- 35 सामान्य दृष्टि दोष वाले मरीज भी किए गए शिविर में चिह्नित

निज संवाददाता। नवादा

जिले के काशीचक प्रखंड के मधेपुर गांव में शनिवार को लगाए गए नेत्र जांच शिविर में 157 मरीजों की जांच की गयी, जिसमें से 38 मोतियाबिंद के मरीज चिह्नित हुए। जबकि 35 सामान्य दृष्टि दोष वाले मरीज भी चिह्नित किए गए। खखरी पंचायत के मधेपुर गांव स्थित शिव मंदिर में गैर सरकारी संस्था प्रयोगशाला द्वारा सरकारी स्वास्थ्य केंद्र के साथ मिलकर नेत्र जांच शिविर का सघन अभियान चलाया गया। सामान्य दृष्टि दोष के मरीजों को चश्मा प्रदान किया जाएगा। इनके अलावा अन्य जो मरीज थे और जिन्हें उन्हें सामान्य समस्या थी, उन्हें ड्रॉप उपलब्ध कराई गई। मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चिह्नित किए गए मरीजों को बहुत जल्द पटना एवं गया के स्पेशलाइज्ड हेल्थ सेंटर पर ऑपरेशन के लिए संस्था के द्वारा भेजा जाएगा। उन्हें सारी सुविधा मुहैया कराई जाएगी। जांच की तरह यह ऑपरेशन भी बिल्कुल निःशुल्क होगा। इसमें किसी भी तरह का कोई खर्च मरीजों से नहीं लिया जाएगा एवं चश्मा भी उन्हें मुफ्त प्रदान किया जाएगा। जांच शिविर में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र काशीचक प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी जीवेश कुमार, स्वास्थ्य प्रबंधक धनपत प्रसाद एवं स्वास्थ्य केंद्र नियंत्रक सोनू कुमार उपस्थित रहे। संस्था की तरफ से प्रयोगशाला के सचिव शंभू कुमार, शिविर समन्वयक गोपाल कुमार एवं नीलम कुमारी आदि समन्वय स्थापित कर शिविर का सफल आयोजन कराया। सभी आशा कार्यकर्ताओं का काफी सहयोग रहा। मेडिकल टीम से शिविर के जिला समन्वय राहुल सिंह समेत डॉक्टर गुंजन आनंद और डॉक्टर रोशन कुमार एवं टेक्नीशियन के रूप में गौरव कुमार एवं दिवाकर कुमार ने बड़ी भूमिका निभाई। मधेपुर के ग्रामीणों की विशेष भूमिका रही, जिनका प्रयोगशाला संस्था ने आभार जताया। सचिव शम्भू कुमार ने बताया कि आगे भी इस तरह के शिविर लगातार आयोजित की जाएगी।

कौआकोल में कड़ाके की ठंढ से जनजीवन अस्त-व्यस्त

निज संवाददाता। कौआकोल

क्षेत्र में लगातार बदलते मौसम के बीच घने कोहरे एवं शीतलहर का प्रकोप दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। कपकपाती ठंड से जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हो गया है। तापमान में भारी गिरावट के कारण लोग अपने घरों से निकलने में असमर्थ हो रहे हैं तथा हाथ-पांव ठिठुरने लगे हैं। कड़ाके की ठंड के चलते शाम ढलने से पहले ही लोग अपने-अपने घरों में शरण लेने को मजबूर हैं। शनिवार से अचानक ठंड में इतना इजाफा हो गया कि लोगों का सामान्य जीवन दूभर हो गया है। इस भीषण ठंड में लोगों के लिए अलाव ही एकमात्र सहारा बन गया है। तेज गति से चल रही ठंडी हवाओं ने आम जनजीवन को और अधिक झकझोर दिया है। क्षेत्र के चौक-चौराहों पर एवं बाजरों में भी सन्नाटा पसरा हुआ है। वहीं स्थानीय लोगों का आरोप है कि इस कड़ाके की ठंड में भी प्रशासन एवं जनप्रतिनिधि पूरी तरह उदासीन बना हुआ है। न तो गरीब एवं जरूरतमंदों के बीच कंबल का वितरण किया जा रहा है और न ही सार्वजनिक स्थलों पर अलाव की व्यवस्था की गयी है। मजबूरी में लोग अपने स्तर से अलाव जलाकर ठंड से बचाव कर रहे हैं। ग्रामीणों एवं स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से मांग किया है कि शीघ्र सार्वजनिक स्थलों पर अलाव की व्यवस्था की जाये तथा गरीब एवं असहाय लोगों के बीच कंबल वितरण सुनिश्चित किया जाये, ताकि इस भीषण ठंड से लोगों को राहत मिल सके।

रजौली में गणतंत्र दिवस की तैयारी को लेकर मीटिंग:एसडीएम ने दिए आवश्यक निर्देश

पब्लिक-प्रशासन के बीच फैंसी क्रिकेट,तो छात्राओं के बीच फुटबॉल मैच का आयोजन

निज संवाददाता। रजौली

फोटो :- अनुमंडल सभागार में बैठक करते एसडीएम व एसडीपीओ

अनुमंडल कार्यालय परिसर में अवस्थित सभागार में शनिवार की शाम 4 बजे एसडीएम स्वतंत्र कुमार सुमन के नेतृत्व में गणतंत्र दिवस की तैयारियों को लेकर पदाधिकारियों और समाजसेवियों के साथ एक बैठक आयोजित की गई।इस बैठक में एसडीपीओ गुलशन कुमार,अवर निबंधन पदाधिकारी हीरालाल पाल,प्रखंड विकास पदाधिकारी संजीव झा और बाल विकास परियोजना पदाधिकारी सीता कुजूर के अलावे नगर पंचायत मुख्य पार्षद प्रतिनिधि प्रमोद चंद्रवंशी मौजूद रहे।एसडीएम ने बैठक के दौरान राजकीय झंडोत्तोलन का स्थल पूर्ववत की भांति रजौली इंटर विद्यालय के मैदान में ही रखा गया।साथ ही राजकीय झंडोत्तोलन के बाद अनुमंडल कार्यालय,अधिवक्ता कार्यालय,प्रखंड सह अंचल कार्यालय समेत विभिन्न कार्यालयों में झंडोत्तोलन का समय में कोई परिवर्तन नहीं रहेगा।बैठक में मुख्य समारोह, परेड, झांकी, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, अतिथियों के स्वागत, मंच व्यवस्था, सुरक्षा, यातायात प्रबंधन, स्वच्छता, पेयजल, विद्युत आपूर्ति, चिकित्सा सुविधा, अग्निशमन व्यवस्था और मीडिया कवरेज सहित सभी आवश्यक तैयारियों की बिंदुवार समीक्षा की गई। सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए एसडीपीओ ने पुलिस प्रशासन को अलर्ट रहने का निर्देश दिया।

उन्होंने भीड़ नियंत्रण, सुचारु यातायात और आपात स्थिति से निपटने के लिए पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित करने को कहा। वहीं चिकित्सा विभाग को प्राथमिक चिकित्सा और एम्बुलेंस की व्यवस्था रखने, जबकि नगर निकाय को स्वच्छता और साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए। बैठक के अंत में सभी विभागों को सौंपे गए दायित्वों की समीक्षा करने एवं अधिकारियों को नियमित रूप से प्रगति की समीक्षा करने और आवश्यक सुधारात्मक उपाय करने के निर्देश दिए गए। साथ ही गणतंत्र दिवस के दिन दोपहर में प्रशासन और पब्लिक के बीच फैंसी क्रिकेट मैच का आयोजन किया जाएगा। साथ ही छात्राओं के बीच फुटबॉल मैच का भी आयोजन किया जाएगा। इस मौके पर समाजसेवी गौरव शांडिल्य गगन,पश्चिमी पंचायत मुखिया प्रतिनिधि विनय सिंह,सरपंच संघ के अध्यक्ष मनीष देव,इंटर विद्यालय के शिक्षक रंजन कुमार,बिजली जेई भुवनेश्वर कुमार,थाना से एसआई नूर आलम,साउथ सिटी इंटरनेशनल स्कूल प्रधानाध्यापक रविन्द्र कुमार पप्पू,कन्या मध्य विद्यालय के प्रधानाध्यापक सत्येंद्र पांडे, प्रोजेक्ट विद्यालय प्रधानाध्यापक के प्रभारी प्राचार्य सुबोध कुमार,कस्तूरबा गांधी विद्यालय के वार्डन रेखा कुमारी समेत दर्जनों गणमान्य लोग मौजूद रहे।

रजौली में टीएलएम 3.0 मेला का आयोजन,बच्चों की प्रतिभा का हुआ प्रदर्शन

निज संवाददाता। रजौली

फोटोः- प्रशस्ति पत्र के साथ शिक्षकगण व अन्य

प्रखंड के ग्राम पंचायत रजौली पूर्वी में अवस्थित माध्यमिक विद्यालय में शनिवार की दोपहर को टीएलएम 3.0 मेला का आयोजन किया गया। इस मेले का मुख्य उद्देश्य बच्चों को टीचिंग लर्निंग मटेरियल (टीएलएम) के द्वारा बच्चों को शिक्षण अधिगम सामग्री से अध्ययन क्षमता में वृद्धि, नवाचार को बढ़ावा देना, बौद्धिक क्षमता का विकास करना था। मेले की शुरुआत विद्यालय के प्रधानाध्यापक मुनी लाल एवं सुनील कुमार के करकमलों द्वारा किया गया। मंच का संचालन समन्वयक राजेश कुमार ने किया। इस मेले में संकुल के 6 विद्यालयों ने अपना-अपना सामग्री का बहुत सुंदर प्रस्तुतीकरण किया।

उत्क्रमित मध्य विद्यालय दत्तीटिलहा के पूनम यादव व माला सिन्हा ने विज्ञान एवं पर्यावरण विषय में, उत्क्रमित मध्य विद्यालय निमाटांड की मंजू कुमारी, निखत बानो, अनुज कुमार व अंजू कुमारी ने पर्यावरण, गणित, हिंदी और अंगलेजी विषय में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। उत्क्रमित मध्य विद्यालय नावाडीह से अखिलेश कुमार ने हिंदी विषय में, प्राथमिक विद्यालय धुरगांव से अनामिका कुमारी ने सामाजिक एवं अंगलेजी विषय में और प्राथमिक विद्यालय सरमसपुर से सचिन कुमार ने अपनी सहभागिता सुनिश्चित किया। मेले के निर्णायक मंडली के रूप में सुनील कुमार, मुनी लाल एवं सतेंद्र कुमार रहे हैं जिन्होंने मेला का भरपूर अवलोकन किया और सूक्ष्मता का आकलन किया। इस दौरान प्रथम स्थान मध्य विद्यालय दत्तीटिलहा के पूनम यादव, द्वितीय स्थान पर मध्य विद्यालय नीमाटांड के आनोज कुमार और तृतीय स्थान पर प्राथमिक विद्यालय धुरगांव के अनामिका कुमारी को घोषित किया गया। इन्हें संकुल की ओर से प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में मंच का संचालन संकुल समन्वयक राजेश कुमार ने करते हुए उपस्थित सभी ग्रामीण शिक्षक, शिक्षिका, छात्र-छात्राओं को आभार व्यक्त किया।

पूर्व जिला शिक्षा पदाधिकारी सह साहित्यकार के निधन पर साहित्य जगत में शोक

निज संवाददाता। वारिसलीगंज

फाइल फोटो

प्रखंड के बाली गावं निवासी साहित्यकार डॉ कैलाश प्रसाद सिंह पूर्व जिला शिक्षा पदाधिकारी, संस्कृत, हिन्दी और मैथिली भाषाओं के विद्वान तथा कवि जी का 95 वर्ष की आयु में निधन हो गया वे अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़ गए हैं।उनको जानने और सुनने वालो मे शोक का लहर दौड़ पड़ा। सभी परिवार शोक मे जुटकर पटना के गुल्बी घाट पर दाह संस्कार किए। वो अपने जीवन मे बहुत सारे किताबों का लेखन भी किये अनुभवामि दिने दिने, उत्तम सर्व धर्माणाम, जिला शिक्षा पदाधिकारी के साथ साथ गोल्ड मेडलिस्ट, हिन्दू धर्म संरक्षक भी थे।स्व सिँह जदयू नेता छोटू सिँह के दादा जी थे। उनके निधन पर क्षेत्रवासियों ने उन्हें श्रद्धांजलि दिया। मौके पर दर्जनों बुद्धिजीवी सहित मित्र नोनी पंचायत मुखिया भी मौजूद रहे,ई गौतम सिंह,मधुरेंद , मनोज,अमरेश, अशोक, त्रिपुरारी आदि ने शोक प्रकट करते हुए श्रद्धा सुमन समर्पित किया।

चितरकोली में पशु स्वास्थ्य रक्षा का महाभियान,बांझपन निवारण शिविर में उमड़ी पशुपालकों की भीड़, 119 मवेशियों की हुई मुफ्त जांच

निज संवाददाता। रजौली

फीता काटकर उद्घाटन करते प्रमुख,चिकित्सक व अन्य

- चपशुपालकों की समृद्धि के लिए सपही चिकित्सालय की पहल,विशेषज्ञों ने दिए बांझपन से बचाव के टिप्स

ग्रामीण भारत की अर्थव्यवस्था में पशुधन की महत्ता को रेखांकित करते हुए शनिवार को रजौली प्रखंड के चितरकोली पंचायत में एक विशाल पशु बांझपन निवारण शिविर का आयोजन किया गया। प्रथम वर्गीय पशु चिकित्सालय सपही के तत्वावधान में आयोजित इस एक दिवसीय विशेष शिविर ने न केवल पशुओं के स्वास्थ्य की रक्षा का संदेश दिया, बल्कि आधुनिक पशुपालन के वैज्ञानिक तौर-तरीकों से भी ग्रामीणों को रूबरू कराया। कड़ाके की ठंड के बावजूद सुबह से ही चितरकोली और आसपास के क्षेत्रों से पशुपालक अपने गाय और भैंसों को लेकर शिविर स्थल पर पहुंचने लगे थे, जिससे इस कार्यक्रम के प्रति ग्रामीणों के भारी उत्साह का अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता था।शिविर की औपचारिक शुरुआत प्रमुख प्रतिनिधि सह पैक्स अध्यक्ष रबिंद्र कुमार उर्फ बबलू यादव की अध्यक्षता में हुई। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि पशुपालकों की आय को दोगुना करने के लिए पशुओं का स्वस्थ और प्रजननक्षम होना अनिवार्य है। उन्होंने विभाग की इस पहल को सराहनीय बताते हुए कहा कि जब पशु चिकित्सक सीधे किसानों के द्वार तक पहुंचते हैं, तभी सरकारी योजनाओं का वास्तविक लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचता है। इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित मुखिया प्रतिनिधि मनोज कुमार ने भी पशुपालकों को जागरूक करते हुए कहा कि पशुओं में बांझपन की समस्या अक्सर पोषण की कमी और अज्ञानता के कारण होती है, जिसे सही समय पर डॉक्टरी सलाह लेकर दूर किया जा सकता है। उन्होंने ग्रामीणों से आग्रह किया कि वे पशु चिकित्सा के लिए झोलाछाप डॉक्टरों के बजाय सरकारी विशेषज्ञों पर भरोसा करें। इस चिकित्सा महाकुंभ की कमान रजौली प्रखंड के प्रख्यात पशु चिकित्सा दल के हाथों में थी। दल का नेतृत्व कर रहे डॉ. नीरज कुमार सिंह, डॉ. रेषु कुमार और डॉ. अभय कुमार ने प्रत्येक पशु की बारीकी से जांच की। इस टीम को तकनीकी सहायता प्रदान करने के लिए उमेश चौधरी, धीरज कपूर और सोनू कुमार जैसे अनुभवी कर्मी तत्पर दिखे। शिविर का एक मुख्य आकर्षण मोबाइल पशु चिकित्सा इकाई (एमवीयू) की मौजूदगी रही, जिसने अत्याधुनिक संसाधनों के जरिए जटिल मामलों के निदान में मदद की। एमवीयू टीम के डॉ. बिपिन बिहारी प्रसाद, पप्पू कुमार और विद्यासागर कुमार ने अपनी विशेषज्ञता से पशुपालकों को संतुष्ट किया। इसके साथ ही, जमीनी स्तर पर पशुपालकों और चिकित्सकों के बीच सेतु का कार्य करने वाले मैत्री कर्मी संजय कुमार, अशोक कुमार और सिद्धेश्वर यादव की सक्रियता ने शिविर के सफल क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। दिन भर चले इस सघन अभियान के दौरान कुल 64 पशुपालकों ने अपना पंजीकरण कराया, जिनके कुल 119 पशुओं का निःशुल्क उपचार किया गया। चिकित्सकों ने जांच के दौरान पाया कि अधिकांश पशुओं में बांझपन का मुख्य कारण खनिज लवणों की कमी और गर्भाशय का उचित विकास न होना है। उपचार के साथ-साथ पशुपालकों को निःशुल्क दवाएं, कृमिनाशक दवाइयां और विटामिन सप्लीमेंट्स वितरित किए गए। डॉक्टरों ने पशुपालकों को परामर्श देते हुए बताया कि पशुओं के आहार में केवल घास या पुआल पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें संतुलित मात्रा में दाना और मिनरल मिक्सचर देना भी आवश्यक है।उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि यदि पशु समय पर गर्मी में न आए या बार-बार गर्भधारण में विफल रहे, तो उसे तुरंत निकटतम चिकित्सा केंद्र पर दिखाना चाहिए। शिविर के समापन सत्र में पशुपालकों के बीच एक परिचर्चा भी आयोजित की गई, जिसमें बांझपन के लक्षणों और उसकी रोकथाम के घरेलू व वैज्ञानिक उपायों पर विस्तार से चर्चा हुई। ग्रामीणों ने एक स्वर में इस आयोजन की सराहना की और कहा कि इस तरह के शिविरों से उनकी आर्थिक स्थिति सुधरती है क्योंकि पशुओं के स्वस्थ रहने से दूध का उत्पादन बढ़ता है।विभाग के अधिकारियों ने आश्वस्त किया कि भविष्य में भी पंचायत स्तर पर ऐसे तकनीकी सत्र और चिकित्सा शिविर आयोजित किए जाते रहेंगे ताकि रजौली प्रखंड को दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में अग्रणी बनाया जा सके। अंत में, कार्यक्रम का समापन सफल आयोजन के लिए स्थानीय प्रतिनिधियों और चिकित्सा दल के प्रति आभार प्रकट करते हुए किया गया।

संक्षिप्त समाचार

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र ने आंख ऑपरेशन हेतु सात लोगों को भेजा पटना

राजपुर। प्रखंड मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की ओर से शुक्रवार को क्षेत्र के सात लोगों को आंख का ऑपरेशन के लिए पटना अस्पताल भेजा गया. जानकारी देते हुए स्वास्थ्य प्रबंधक संदीप कुमार एवं कोआर्डिनेटर विकास कुमार ने बताया कि एक दिन बीच करके प्रतिदिन अस्पताल द्वारा अपनी मुफ्त एम्बुलेंस सेवा से आँखों के ऑपरेशन के लिए लोगों को भेज रही है.शुक्रवार को पकड़ी गांव निवासी मनोज कुमार तिवारी,महुअरी गाव निवासी महेन्द्र पासवान,श्रीपति राम,मथुरापुर निवासी धीरेन्द्र चौधरी,सबेया निवासी शिवमुनी देवी,राजपुर की जुबैदा खातुन,बरईचा निवासी रामदेव गिरी को आँखों के ऑपरेशन हेतु भेजा गया.एसजी आई अस्पताल पटना के इस सेवा से अब तक काफी लोग लाभान्वित हुए हैं.

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में बैठ ऑख ऑपरेशन के लिए रजिस्टर कर रहे अस्पताल के वीटी अंकित कुमार ने बताया कि नेत्र सहायक मनीष कुमार व उनके टीम द्वारा अति आधुनिक मशीन से जांच करके फेको विधि मशीन द्वारा ऑपरेशन कार्य को अंजाम दिया जाता है.जिससे ऑपरेशन कराने वाले मरीजों को काला चश्मा एवं ऑखों पर पट्टी बांधने की जरूरत नहीं पड़ती.ऑपरेशन के तुरंत बाद हीं मरीज बिल्कुल नार्मल तरीके से अपने आप को कम्प्लीट पाता है. मौके पर सीएचओ एकाउंटेंट बिनोद द्विवेदी,कर्मी नवीन गौतम,बडा बाबु मनोज कुमार,सुनिता कुमारी,धीरज कुमार,सुरक्षा कर्मी मुन्ना पाण्डेय,प्रकाश तिवारी,बिनोद यादव समेत अन्य मौजूद रहे.

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मे 10 महिलाओ का हुआ बंध्याकरण

कोचस (रोहतास) कोचस प्राथमिक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में शनिवार को 10 महिलाओ का सफलतापूर्वक बंध्याकरण ऑपरेशन किया गया। यह ऑपरेशन जिले से आए सूर्या क्लिनिक के डॉक्टर तथा पीएचसी चिकित्सको के द्वारा सावधानी और मानकों के अनुसार किया गया। पीएससी प्रभारी तुषार कुमार ने बताया कि सोमवार को पीएससी में बंध्याकरण के लिए 10 महिलाओ को चयनित किया गया। जहां जिले से आए सूर्या क्लिनिक के चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों की देखरेख में 10 महिलाओ का सफलता पूर्वक बंध्याकरण ऑपरेशन किया गया। पीएचसी प्रभारी ने बताया बंध्याकरण एक सुरक्षित और स्थाई परिवार नियोजन उपाय है, इससे जनसंख्या नियंत्रण में मदद मिलती है साथ ही परिवार की आर्थिक स्थिति और मातृत्व शिशु स्वास्थ्य में भी सुधार होता है। उन्होंने कहा पीएससी में बंध्याकरण कराने वाले लाभार्थियों को बिहार सरकार मुख्यमंत्री परिवार नियोजन प्रोत्साहन योजना के तहत दो हजार रुपए की आर्थिक सहायता लाभार्थियों के खाते में राशि डाल प्रदान करती है। स्वास्थ्य विभाग ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर परिवार नियोजन के स्थाई उपायों को अपनाने के लिए अपील कर रही है। जागरूकता के दौरान अभिभावकों से मिल नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में जा सलाह ले बंध्याकरण के लिए प्रेरित किया जाता है। फिलहाल सभी महिलाओं को पीएससी में रखा गया है चिकित्सकों के द्वारा स्वास्थ्य की देखे की जा रही है, स्थिति में सुधार आने के बाद एंबुलेंस से अगले दिन घर छोड़ा जाएगा। मौके पर पीएचसी प्रभारी डॉक्टर तुषार कुमार, चिकित्सक, एएनएम सहित अन्य स्वास्थ्य कर्मी मौजूद रहे।

जीवन जीने का 7 सूत्र जानना चाहिए : जीयर स्वामी जी महाराज

बिक्रमगंज / रोहतास। सूर्यपूरा प्रखंड के अगरेड़ खुर्द गांव में चल रहे लक्ष्मी नारायण महायज्ञ में भारत के महान मनीषी संत श्री लक्ष्मी प्रपन्न जीयर स्वामी जी महाराज ने कथा कहते हुए कहा कि जीवन में सात सूत्र को अपनाना चाहिए। वह शास्त्र सूत्र इस प्रकार है। जीत आसनों यह जीवन का पहला सूत्र है। हम जिस आसन पर बैठते हैं वह आसन पवित्र होना चाहिए। दूसरा जीत स्वासो हमें अपने श्वास पर भी नियंत्रण करना चाहिए। व्यक्ति को हर दिन प्राणायाम करके श्वास के माध्यम से स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए प्रयास करना चाहिए।तीसरा जीवन जीने का सूत्र जीत संगों है। हमें अपना संगत भी सुधारना चाहिए। हमें उन लोगों के साथ ही अपना उठन बैठन रखना चाहिए जो संस्कारी हो जिनका आचरण मर्यादित हो। चौथा जीत आहारो हैं। बेहतर और सुंदर जीवन के लिए आहार भी पवित्र और सुंदर होना चाहिए। मानव जीवन में हमारा शरीर मन रूपी एक मंदिर है जिस मंदिर में हमें अच्छे भोजन को डालना चाहिए। जीवन जीने का पांचवा सूत्र जीत व्यवहारों है। हमें दूसरों के साथ भी मर्यादित व्यवहार करना चाहिए। वैसा व्यवहार जिससे किसी का अहित नहीं होता हो वैसा व्यवहार होना चाहिए। बेहतर जीवन के लिए छठवां सूत्र क्रोध पर विजय होना चाहिए। जीत क्रोधों हमें अपने क्रोध गुस्सा पर भी नियंत्रण होना चाहिए। जीवन जीने का सातवां सूत्र जीत इंद्रियों है। हमें अपने इंद्रियों पर भी विजय प्राप्त करना चाहिए। शरीर में पांच कर्मेंद्रियां और पांच ज्ञानेंद्रीयां है और उनके मालिक मन है। हर व्यक्ति को इन 11 इंद्रियों पर निग्रह होना चाहिए। जो व्यक्ति अपने इंद्रियों को वश में कर लेता है इंद्रियों पर विजय प्राप्त कर लेता है उसका जीवन मंगलमय होता है। यह सात सूत्र हमारे जीवन के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। जिससे हमें अपने जीवन में अच्छे परिणाम हासिल करने में मदद करते हैं। वहीं शनिवार के दिन श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ की पूर्णाहुति भी हुई। जिस अवसर पर भोज भंडारे की भी विशेष तैयारी की गई थी। इस अवसर पर यज्ञ मंडप में नारियल डालकर यज्ञ की पूर्णाहुति की गई। वहीं लगातार सुबह से शाम तक भंडारे का भी आयोजन हुआ।

गया में आपदाओं से मृत 13 लोगों के परिजनों को मिला मुआवजा

निज संवाददाता। गयाजी

प्रति परिवार 4 लाख की सहायता

गया जिले में विभिन्न आपदाओं के कारण जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों को जिला प्रशासन की ओर से आर्थिक सहायता प्रदान की गई है। जिलाधिकारी शशांक शुभंकर के निर्देश पर कुल 13 मृतकों के आश्रितों को प्रति परिवार 4 लाख रुपये की अनुग्रह राशि का भुगतान किया गया है। यह राशि संबंधित अंचल अधिकारियों के माध्यम से सीधे लाभार्थियों तक पहुंचाई गई है। जिला प्रशासन के अनुसार इन मौतों के मामले अलग-अलग प्रखंडों में वज्रपात, नदी-तालाब व आहार में डूबने, आंधी-तूफान तथा सड़क दुर्घटनाओं से जुड़े हैं। सभी मामलों की जांच के बाद सरकारी प्रावधानों के तहत मुआवजा स्वीकृत किया गया।

वज्रपात, डूबने और आंधी-तूफान से गई कई जानें: डुमरिया अंचल के पिपरा मांडर गांव की रहने वाली विपति देवी की मृत्यु वज्रपात की चपेट में आने से हुई थी। वहीं खिजरसराय अंचल के हेमारा गांव निवासी सन्नी कुमार और अतरी अंचल के तेतर राजबीघा गांव के आशीष कुमार की जान नदी-तालाब में डूबने से चली गई थी। वजीरगंज अंचल के जमुआवा गांव निवासी तासवर मियां की मौत आंधी-तूफान के दौरान पेड़ गिरने से हुई थी। इन सभी मामलों में परिजनों को चार-चार लाख रुपये की सहायता राशि दी गई है।

नदी और आहार में डूबने से कई युवाओं की मौत: टिकारी अंचल के केसपा गांव निवासी अंकित कुमार की मृत्यु पइन में डूबने से हुई थी, जबकि पिपरा मांडर गांव के मनीष राज और परैया अंचल के युगलपुर गांव की सपना कुमारी की मौत मोरहर नदी में डूबने से हुई थी। मानपुर अंचल के बंधुआ गांव निवासी सिकंदर कुमार यादव की मृत्यु सड़क दुर्घटना में हुई थी। इन सभी मृतकों के निकटतम आश्रितों को नियमानुसार अनुग्रह अनुदान प्रदान किया गया।

मोहनपुर, बोधगया और टनकुप्पा के मामले भी शामिल: मोहनपुर अंचल के मोहनपुर गांव निवासी नागेश्वर चौधरी की मृत्यु आहार में डूबने से हुई थी। उनके परिजनों को भी चार लाख रुपये की सहायता राशि दी गई है। इसके अलावा परैया अंचल क्षेत्र के उपरहुली गांव में नदी में डूबने से हुई मौत के मामले, नगर अंचल के बड़की डेल्हा निवासी अभिनाश कुमार की आहर में डूबने से हुई मृत्यु, बोधगया अंचल के मस्तपुरा गांव निवासी बालदेव मांझी की सड़क दुर्घटना में मौत और टनकुप्पा अंचल के डुमरी गांव की गौरी देवी की बांध में डूबने से हुई मृत्यु के मामलों में भी मुआवजा भुगतान किया गया है।

प्रशासन का संदेश: आपदा पीड़ितों को हर संभव सहायता: जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि आपदा से संबंधित सभी मामलों में त्वरित जांच कर पात्र लाभार्थियों को समय पर सहायता दी जा रही है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि प्राकृतिक आपदाओं के दौरान सतर्कता बरतें और नदी, तालाब व आहार के आसपास विशेष सावधानी रखें।

गुरुआ में शराबबंदी के खिलाफ पुलिस की बड़ी कार्रवाई, दो आरोपी गिरफ्तार

निज संवाददाता। गुरुआ, गयाजी

गयाजी जिले के गुरुआ थाना क्षेत्र में शराबबंदी कानून को सख्ती से लागू करते हुए पुलिस ने शुक्रवार देर रात बड़ी कार्रवाई की है। गुप्त सूचना के आधार पर चलाए गए विशेष अभियान में शराबबंदी से जुड़े दो अलग-अलग मामलों में वांछित आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। दोनों की गिरफ्तारी के बाद थाना लाकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की जा रही है। थाना प्रभारी मनेश कुमार ने बताया कि बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत दर्ज कांड संख्या 361/25 में नामजद आरोपी किशोर मल्लाह को बैजू बीघा मल्लाह टोली से गिरफ्तार किया गया है। आरोपी पर धारा 30ए के तहत मामला दर्ज है। वहीं, कांड संख्या 440/25 में धारा 30ए के तहत नामजद अभियुक्त सुरेश मंडल को थाना क्षेत्र के राजन गांव से पुलिस ने दबोच लिया। थाना प्रभारी ने स्पष्ट किया कि दोनों आरोपियों के खिलाफ कानून के अनुसार आगे की कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि गुरुआ थाना क्षेत्र को पूरी तरह शराब मुक्त बनाने के उद्देश्य से लगातार छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। अवैध शराब के कारोबार से जुड़े लोगों और शराब के नशे में कानून व्यवस्था बिगाड़ने वालों पर पुलिस की कड़ी नजर है। पुलिस ने आम नागरिकों से सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि यदि कहीं शराब का अवैध कारोबार, नशे में हंगामा, गाली-गलौज या शांति भंग करने की सूचना मिले तो तुरंत पुलिस को जानकारी दें। सूचना मिलने पर संबंधित व्यक्ति के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

गयाजी में पहली बार लगेगा दो दिवसीय शिक्षा मेला, देश के नामचीन कॉलेज-विश्वविद्यालय होंगे शामिल

निज संवाददाता। गयाजी

शिक्षा के क्षेत्र में एक नई पहल करते हुए गयाजी में पहली बार दो दिवसीय शिक्षा मेले का आयोजन किया जा रहा है। यह मेला 10 और 11 जनवरी 2026 को नगमतिया रोड स्थित एक निजी होटल में आयोजित होगा। कार्यक्रम का आयोजन कॉलेज आप्तक, गया और डेस्टिनी एजुकेशन ज़ोन एंड सोशल वेलफेयर फाउंडेशन, पटना के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। इस शिक्षा मेले में देश के विभिन्न राज्यों से 30 से 35 प्रतिष्ठित कॉलेजों और विश्वविद्यालयों की सहभागिता सुनिश्चित की गई है।

आयोजन का उद्देश्य छात्रों को उच्च शिक्षा से जुड़े बेहतर विकल्पों की जानकारी देना और उन्हें सही शैक्षणिक दिशा में मार्गदर्शन प्रदान करना है। मेले में भाग लेने वाले शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधि और वरिष्ठ अधिकारी विद्यार्थियों को विभिन्न पाठ्यक्रमों, प्रवेश प्रक्रिया, छात्रवृत्ति योजनाओं, तकनीकी शिक्षा तथा करियर संभावनाओं से अवगत कराएंगे। छात्र सीधे संस्थानों से संवाद कर अपने भविष्य से जुड़े सवालों के जवाब प्राप्त कर सकेंगे। आयोजकों ने बताया कि सरकारी और निजी विद्यालयों से मैट्रिक, इंटरमीडिएट और स्नातक उत्तीर्ण अथवा अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए शिक्षा मेले में प्रवेश पूरी तरह निशुल्क रहेगा। इससे ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के छात्रों को समान रूप से लाभ मिलने की उम्मीद है। कार्यक्रम में कॉलेज आप्तक, गया की ओर से विकास कुमार सिन्हा और डेस्टिनी एजुकेशन ज़ोन एंड सोशल वेलफेयर फाउंडेशन की ओर से शम्स तबरेज अख्तर प्रमुख भूमिका निभाएंगे। साथ ही सेवियर एजुकेशन के अनिल कुमार सिन्हा, धनबाद के शिक्षाविद जावेद अंसारी, आरा के शिक्षा सलाहकार संदीप कुमार और सामाजिक कार्यकर्ता टिंकू गोस्वामी की भी सहभागिता रहेगी। आयोजकों के अनुसार गया जिले के मुखिया, सरपंच और अन्य गणमान्य लोगों को भी आमंत्रित किया गया है। शिक्षा के क्षेत्र में यह आयोजन गया के विद्यार्थियों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर माना जा रहा है, जो उनके भविष्य को नई दिशा देने में सहायक साबित हो सकता है।

नल-जल योजना को लेकर हिंसक झड़प, दो महिलाएं गंभीर रूप से घायल

निज संवाददाता। गयाजी

कोंच थाना क्षेत्र के डीह गांव में नल-जल योजना से जुड़े विवाद ने उग्र रूप ले लिया। योजना से संबंधित मामले को सुलझाने के दौरान दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई, जिसमें एक पक्ष की दो महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं, जबकि दूसरे पक्ष की एक बच्ची बेहोश हो गई। घटना के बाद गांव में अफरातफरी का माहौल बन गया। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, नल-जल योजना से जुड़े कार्य और आपसी जिम्मेदारी को लेकर एक प्रतिनिधि और निजी व्यक्ति के बीच विवाद शुरू हुआ था। ग्रामीणों और संवेदक द्वारा मामले को शांतिपूर्वक सुलझाने का प्रयास किया जा रहा था, लेकिन इसी दौरान बात बिगड़ गई और विवाद हिंसक झड़प में तब्दील हो गया। आरोप है कि मारपीट के दौरान लोहे की रॉड और पिस्टल का भी प्रदर्शन किया गया, जिससे इलाके में दहशत फैल गई। मारपीट में सुषमा कुमारी के सिर में गंभीर चोट आई, जिससे उनका सिर फट गया। वहीं उनकी 17 वर्षीय पुत्री अंजलि कुमारी का दाहिना हाथ बुरी तरह घायल हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को तत्काल सीएचसी कोंच में भर्ती कराया गया। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उनकी हालत को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। पुलिस ने सुषमा कुमारी के बयान के आधार पर कुंदन कुमार, उज्ज्वल कुमार, नीतीश कुमार, राजेश कुमार और अंकित कुमार सहित पांच नामजद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। वहीं, दूसरे पक्ष की शिकायत पर भी चार लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। थाना प्रभारी सोहराब अली और सुदेह कुमार ने बताया कि नल-जल योजना से जुड़े विवाद में मारपीट की सूचना मिली थी। दोनों पक्षों की शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर लिया गया है।

अब तीन नए फ्लेवर में मिलेगा सिलाव का फेमस खाजा

निज संवाददाता। नालंदा

बिहार के सिलाव की पारंपरिक मिठाई खाजा, जो अपनी 52 परतों और अनूठे स्वाद के लिए प्रसिद्ध है, अब तीन नए आधुनिक फ्लेवर में उपलब्ध होगी। ग्रामीण विकास सह परिवहन मंत्री श्रवण कुमार शनिवार को प्रतिष्ठित मिठाई दुकान श्री काली शाह खाजा पहुंचे। चॉकलेट, मैंगो और पाइन एप्पल फ्लेवर में खाजा का विधिवत शुभारंभ किया।

मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि सिलाव का नाम खाजा के लिए पूरे देश और दुनिया में प्रसिद्ध है। काली शाह के नाम से यह ब्रांड और भी अधिक जाना जाता है। देश-विदेश से लोग यहां आते हैं, खाजा खरीदते हैं और अपने परिवार के लिए ले जाते हैं। दुकान के मालिक संजीव और संदीप लगातार नए-नए प्रयोग कर रहे हैं। पहले गुड़, चीनी और नमकीन खाजा था। अब नए फ्लेवर में स्वाद मिलेगा।

यह खाजा केवल नालंदा या बिहार तक सीमित नहीं है, बल्कि देश के अनेक हिस्सों और विदेशों में भी इसकी बड़ी प्रसिद्धि है। इस खाजा को जीआई टैग भी मिला हुआ है। मेरा मानना है कि इस मिठाई का पूरे देश और दुनिया में कोई जोड़ नहीं है।

वहीं, संचालक संजीव और संदीप कुमार ने बताया कि परंपरा को बनाए रखते हुए आधुनिक स्वाद के साथ प्रयोग करना उनका उद्देश्य है। नए फ्लेवर की शुरुआत से युवा वर्ग में भी खाजा की लोकप्रियता बढ़ने की उम्मीद है। सिलाव का खाजा भारतीय मिठाइयों की समृद्ध परंपरा का एक अहम हिस्सा है। जीआई टैग मिलने के बाद इसकी प्रामाणिकता और गुणवत्ता को और मान्यता मिली है। नए फ्लेवर के साथ यह परंपरागत मिठाई अब वैश्विक बाजार में अपनी नई पहचान बनाने के लिए तैयार है।

नालंदा में राजमिस्त्रियों को आपदा प्रबंधन की ट्रेनिंग

मंत्री श्रवण कुमार ने बांटे प्रमाण पत्र-औजार मॉर्डन- सुरक्षित तकनीकों के बारे में बताया

निज संवाददाता। नालंदा

ग्रामीण विकास एवं परिवहन मंत्री श्रवण कुमार आज नालंदा के सिलाव प्रखंड मुख्यालय में दस दिवसीय क्षमता संवर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम में पहुंचे। इसके समापन पर 25 राज मिस्त्रियों को प्रमाण पत्र और औजारों का किट वितरित किया। यह प्रशिक्षण केंद्र और राज्य सरकार की संयुक्त पहल के तहत आपदा प्रबंधन योजना के अंतर्गत आयोजित किया गया था।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में राज मिस्त्रियों को भूकम्प, बाढ़ और आग जैसी आपदाओं को ध्यान में रखते हुए भवन निर्माण की आधुनिक और सुरक्षित तकनीकों का व्यापक प्रशिक्षण दिया गया। मंत्री श्रवण कुमार ने इस अवसर पर कहा कि यह प्रशिक्षण केवल कौशल विकास नहीं, बल्कि रोजगार सृजन का माध्यम है। उन्होंने प्रशिक्षुओं से आग्रह किया कि इसे सरकारी नौकरी न समझें, बल्कि स्वरोजगार के अवसर के रूप में देखें।

बिहार को टॉप फाइव राज्यों में लाने का संकल्प: मंत्री ने कहा कि आम जनता के सहयोग से बिहार को देश के शीर्ष पांच राज्यों की श्रेणी में लाना सरकार का लक्ष्य है। उन्होंने 2005 में नीतीश कुमार सरकार के गठन के बाद से हुए विकास कार्यों का जिक्र करते हुए कहा कि तब विश्व बैंक से लिए गए ऋण से विकास की शुरुआत हुई थी, लेकिन आज केंद्र और राज्य सरकार मिलकर व्यापक विकास काम कर रही हैं।

जीविका से जुड़ी महिलाओं को आर्थिक सहायता: मंत्री ने जीविका कार्यक्रम की सराहना करते हुए बताया कि 1 करोड़ 56 लाख महिलाओं के खातों में 10,000 रुपए की राशि भेजी गई है। उन्होंने कहा कि जीविका के माध्यम से गरीब परिवारों, विशेषकर महिलाओं में जागरूकता बढ़ रही है। अब अन्य लोग भी इस योजना से जुड़ने के लिए उत्सुक हैं।

समावेशी विकास पर जोर: श्रवण कुमार ने कहा कि विकास में केवल शिक्षित लोगों की नहीं, बल्कि सभी वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित करनी होगी। हर क्षेत्र में काम करते हुए आगे बढ़ना है। उन्होंने यह भी बताया कि प्रशिक्षित राज मिस्त्रियों को दुर्घटना की स्थिति में भी सहायता प्रदान की जाएगी।

आपदा पीड़ित को आर्थिक सहायता: इस अवसर पर आंधी-तूफान से क्षतिग्रस्त एक मुर्गी फॉर्म के मालिक को आपदा राहत के तहत 10,000 रुपए की सहायता राशि का चेक भी सौंपा गया।

एक सप्ताह में निपटाए सभी लंबित आवेदन, 32,798 आवेदनों को मिली स्वीकृति

निज संवाददाता। नालंदा

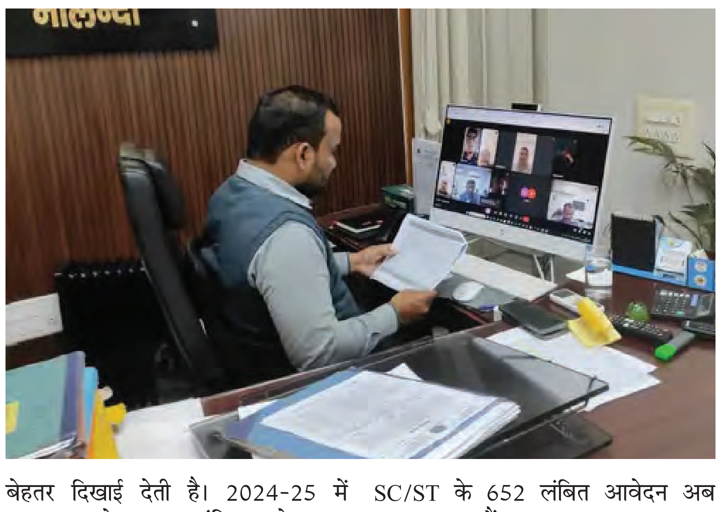

नालंदा में पिछड़ा वर्ग, अति पिछड़ा वर्ग और अनुसूचित जाति-जनजाति के छात्रों की छात्रवृत्ति योजना के लिए मीटिंग हुई। क्रियान्वयन में तेजी लाने के लिए शनिवार को उप विकास आयुक्त श्रीकांत कुंडलिक खांडेकर ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विस्तृत समीक्षा बैठक की। इस दौरान उन्होंने प्रखंड स्तरीय अधिकारियों को एक सप्ताह के अंदर सभी लंबित आवेदनों का सत्यापन पूरा करने के सख्त निर्देश दिए। बैठक में वित्तीय वर्ष 2024-25 और 2025-26 में प्राप्त छात्रवृत्ति आवेदनों की विस्तृत समीक्षा की गई। आंकड़ों से पता चलता है कि वित्तीय साल 2024-25 में BC/EBC श्रेणी के लिए कुल 69,986 आवेदन हासिल हुए, जबकि चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 में यह संख्या घटकर 54,791 रह गई है। इसी तरह SC/ST श्रेणी में पिछले वित्तीय वर्ष में 15,680 आवेदन आए थे, जो इस साल घटकर 12,121 रह गए हैं।

लंबित आवेदनों की स्थिति चिंताजनक: समीक्षा में सामने आया कि विभिन्न स्तरों पर बड़ी संख्या में आवेदन लंबित पड़े हैं। संस्थान स्तर पर 2024-25 में BC/EBC के 19,916 और 2025-26 में 21,085 आवेदन अभी भी लंबित हैं। वहीं SC/ST श्रेणी में क्रमशः 3,786 और 4,307 आवेदन लंबित हैं। भौतिक सत्यापन समिति के स्तर पर भी स्थिति संतोषजनक नहीं है। 2024-25 में BC/EBC के 15,546 और 2025-26 में 13,586 आवेदन अभी भी लंबित पड़े हैं। SC/ST वर्ग में यह आंकड़ा क्रमशः 3,973 और 3,612 है। जिला स्तरीय समिति के स्तर पर हालांकि स्थिति कुछ बेहतर दिखाई देती है। 2024-25 में BC/EBC के 3,549 लंबित आवेदन इस साल घटकर 1,507 रह गए हैं। इसी तरह SC/ST के 652 लंबित आवेदन अब 259 रह गए हैं।

32,798 आवेदनों को मिली स्वीकृति: बैठक में एक सकारात्मक पहल करते हुए जिला स्तरीय समिति ने कुल 32,798 आवेदनों को अंतिम स्वीकृति दी। यह कदम हजारों छात्र-छात्राओं के लिए राहत की खबर है, जो लंबे समय से अपनी छात्रवृत्ति का इंतजार कर रहे थे। उप विकास आयुक्त ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में प्रखंड शिक्षा अधिकारी (BEO) और प्रखंड कल्याण अधिकारी (BWO) सहित भौतिक सत्यापन समिति के सभी सदस्यों से सीधे संवाद किया।

उन्होंने निर्देश दिया कि सभी अधिकारी संबंधित शैक्षणिक संस्थानों से संपर्क स्थापित कर एक सप्ताह के भीतर लंबित आवेदनों का सत्यापन काम अनिवार्य रूप से पूरा करें। इस महत्वपूर्ण बैठक में छात्रवृत्ति समिति के सभी प्रमुख सदस्य उपस्थित रहे और आने वाले कार्ययोजना पर सहमति बनी।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

युवती अपहरण का आरोपी गिरफ्तार, गया जेल

कोचस (रोहतास)। स्थानीय पुलिस ने थाना क्षेत्र के खैरी गांव से लड़की अपहरण मामले में एक युवक को शनिवार को गिरफ्तार किया है। इसकी पुष्टि करते हुए थाना अध्यक्ष नीतीश कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र के एक गांव के पीड़ित पिता ने अपनी पुत्री की अपहरण की एक युवक के विरुद्ध स्थानीय थाने मे नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई थी, जिसमे पुलिस को युवक की बहुत दिनों से तलाश थी, वही प्राप्त सूचना के आधार पर पुलिस उक्त गांव में छापेमारी कर आरोपी खैरी गांव निवासी सिपाही सिंह के पुत्र विमलेश कुमार को गिरफ्तार कर लिया है गिरफ्तारी बाद कानूनी प्रक्रिया पूरी कर अग्रतर कार्रवाई के बाद न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया है।

19.5 ग्राम हिरोइन के साथ एक तस्कर गिरफ्तार गया जेल

बिक्रमगंज/ रोहतास। वार्ड संख्या 11 बिक्रमगंज निवासी अब्दुल रहमान उर्फ शमशुद्दीन फारूकी के पुत्र गुड्डू फारूकी उर्फ इरशाद फारूकी को बिक्रमगंज पुलिस ने करीब 19.5 ग्राम हिरोइन के साथ गिरफ्तार किया है । इसकी जानकारी थानाध्यक्ष ललन कुमार ने दी । थानाध्यक्ष ने बताया कि पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई के दौरान आरोपी को हिरोइन के साथ पकड़ा गया । बरामदगी के आधार पर गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध स्थानीय थाना में कांड संख्या 02/26 के आलोक में संबंधित मामला दर्ज किया गया है । उन्होंने आगे बताया कि आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है ।

सफर-ए-उमराह के लिए रवाना हुए जायरीन, लोगों ने अमन-चैन और अपने हक में मांगी दुआ

काराकाट (रोहतास)। स्थानीय नगर से जायरीन का एक दल उमराह के पवित्र सफर पर मक्का-मदीना के लिए रवाना हुआ। रवाना होने वालों में मो० मुख्तार हुसैन साजिद अंसारी महताब आलम गयासुद्दीन अंसारी वहीदन खातून, वलिहन खातून सकीना खातून एवं शबनम खातून शामिल हैं। सभी जायरीन गोड़ारी से डेहरी पहुंचे, जहां से वे महाबोधि एक्सप्रेस ट्रेन द्वारा दिल्ली के लिए रवाना हुए। दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से वे शनिवार को सऊदी एयरलाइंस की फ्लाइट से मक्का शरीफ के लिए उड़ान भरेंगे। कार्यक्रम के अनुसार, वे उमराह अदा करने के बाद 16वां दिन वतन वापस लौटेंगे। रवानगी से पूर्व सभी जायरीन ने गोडारी स्थित मदीना मस्जिद में जुमे की नमाज अदा की और सफर की कामयाबी के लिए सामूहिक दुआ की गई। स्थानीय लोगों ने फूल-मालाएं पहनाकर जायरीनों को विदा किया। इस मौके पर मदीना मस्जिद के इमाम एजाज अहमद, मौलाना युसूफ साहब, मोहम्मद जान अंसारी, शराफत अंसारी, सलीम अंसारी, सुल्तान अंसारी, नूर आलम, नजरे आलम, जलालुद्दीन, अरशद कदीर अंसारी मुन्ना अंसारी, जैनुलआबेदीन, रहमत अली और मुजाहिद हुसैन सहित कई स्थानीय लोग मौजूद रहें।

डेहरी जामा मस्जिद में वक्फ रजिस्ट्रेशन को लेकर तरबियती कार्यक्रम आयोजित

डेहरी / रोहतास । जामा मस्जिद, 12 पत्थर में आज दिनांक 3 जनवरी 2026 को सुबह 10:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक वक्फ संपत्तियों के पंजीकरण एवं संरक्षण को लेकर एक महत्वपूर्ण तरबियती (प्रशिक्षणात्मक) कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम क़ाज़ी-ए-शरीअत मौलाना एहसानुल्लाह क़ासमी के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बताया गया कि जिन वक्फ संपत्तियों की विधिवत रजिस्ट्री है, उन्हें अनिवार्य रूप से "उम्मीद पोर्टल" पर अपलोड किया जाना चाहिए, ताकि वक्फ संपत्तियों का डिजिटल रिकॉर्ड सुरक्षित किया जा सके। वक्ताओं ने यह भी स्पष्ट किया कि जिन संपत्तियों का अब तक रजिस्ट्रेशन नहीं हुआ है, उनके लिए सरकार की ओर से अभी कोई स्पष्ट गाइडलाइन जारी नहीं हुई है, इसलिए ऐसे मामलों में मार्गदर्शन आने तक प्रतीक्षा करने की सलाह दी गई। कार्यक्रम में यह भी बताया गया कि भारत सरकार द्वारा वक्फ संपत्तियों को लेकर एक व्यापक योजना बनाई गई है, जिसके तहत धीरे-धीरे देशभर में, विशेषकर राज्यों के सभी जिलों में वक्फ की जमीनों से संबंधित दस्तावेजों की जांच एवं कागजी प्रक्रिया को सुव्यवस्थित किया जाएगा। इसलिए सभी मुतवल्ली और जिम्मेदार व्यक्तियों से अपील की गई कि वे अपनी-अपनी वक्फ संपत्तियों का विवरण समय रहते पोर्टल पर अपलोड करें।यह कार्यक्रम इमारत-ए-शरीया बिहार, ओडिशा एवं झारखंड (फुलवारी शरीफ, पटना) के एहतमाम से आयोजित किया गया।कार्यक्रम में मौलाना अहमद अली, फैसल रहमान, मौलाना मुफ्ती मोहम्मद सोहराब नदवी कासमी, मुफ्ती कयामुद्दीन कासमी ने मार्गदर्शन दिया।इस अवसर पर जामा मस्जिद कमेटी के अध्यक्ष अब्दुल रशीद कुरैशी, डॉ. हसनैन गयासुद्दीन अंसारी, कलीम खान, इक़बाल अहमद, निसार अहमद, रियाज़ अंसारी, आरिफ इक़बाल, इस्लाम सिद्दीकी, इरफान कुरैशी सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

शादी के नाम पर ठगी करने वाला गिरोह बेनकाब

तीन महिलाओं सहित पांच आरोपी जेल भेजे गए

निज संवाददाता। डेहरी (रोहतास)

शादी का झांसा देकर राज्य से बाहर के युवकों से नकद रुपये और आभूषण ठगने वाले गिरोह का डेहरी नगर थाना पुलिस ने खुलासा किया है। इस मामले में तीन महिलाओं समेत कुल पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से 1 लाख 32 हजार 850 रुपये नकद, सोने के जेवरात और मोबाइल फोन बरामद किए हैं। अपर पुलिस अधीक्षक अतुलेश झा ने शनिवार को डेहरी नगर थाना में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान बताया कि 2 जनवरी को पुलिस को सूचना मिली थी कि राज्य से बाहर के एक पुरुष से फर्जी शादी कराकर करीब 1 लाख 40 हजार रुपये और आभूषण की ठगी की गई है। इस वारदात को अंजाम देने के बाद तीन महिलाएं और दो पुरुष फरार हो गए थे।

उम्रदराज और अविवाहित पुरुषों को बनाते थे शिकार: एएसपी ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए थानाध्यक्ष डेहरी नगर शिवेंद्र कुमार के नेतृत्व में विशेष पुलिस टीम गठित की गई, जिसमें डीआईयू की टीम भी शामिल थी। छापेमारी के दौरान करगहर थाना क्षेत्र के गोरी गांव से जया कुमारी पटेल को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के बाद उसकी निशानदेही पर काराकाट से रागिनी देवी उर्फ झुनी देवी को पकड़ा गया। पूछताछ में दोनों महिलाओं ने गिरोह के नेटवर्क का खुलासा किया। बताया गया कि इस गिरोह में धर्मशीला देवी, अभिषेक पटेल और श्रवण कुमार भी शामिल हैं। गिरोह के सदस्य राज्य से बाहर के ऐसे पुरुषों को निशाना बनाते थे, जिनकी उम्र अधिक हो चुकी थी और विवाह नहीं हो पा रहा था।

फर्जी विवाह के बाद रकम लेकर हो जाते थे फरार: पुलिस के अनुसार गिरोह की महिलाएं फर्जी तरीके से शादी कराती थीं और शादी के नाम पर मोटी रकम व जेवरात लेने के बाद मौके से फरार हो जाती थीं। रागिनी देवी उर्फ झुनी देवी की निशानदेही पर आयरकोठा निवासी धर्मशीला देवी, गोरी गांव निवासी अभिषेक पटेल और डेहरी नगर थाना क्षेत्र के एनिकट निवासी श्रवण कुमार को भी गिरफ्तार कर लिया गया।

नकदी, जेवरात और मोबाइल बरामद: पुलिस ने आरोपियों के पास से पायल, बिछिया, सोने का मंगलसूत्र, नथुनी, 1 लाख 32 हजार 850 रुपये नकद और दो मोबाइल फोन बरामद किए हैं। छापेमारी दल में एसआई चंद्रहास कुमार, एसआई अलका सोनी समेत अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे।

राजस्थान के दो युवक बने शिकार: पुलिस ने बताया कि बीते एक सप्ताह में डेहरी अनुमंडल क्षेत्र में राजस्थान के दो युवक शादी के नाम पर ठगी का शिकार हुए हैं। इस मामले में राजस्थान के भीलवाड़ा जिले के पुराना बापू नगर निवासी मनोज सोनी ने डेहरी नगर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। पुलिस गिरोह से जुड़े अन्य मामलों की भी जांच कर रही है।

सावित्रीबाई फुले का जयंती समारोह धूमधाम से मनाया गया

निज संवाददाता। सासाराम / रोहतास

सावित्रीबाई फुले का जयंती समारोह संत शिवानंद अकादमी प्लस टू विद्यालय सासाराम में प्रभारी प्रधानाध्यापक अरविंद कुमार के अध्यक्षता एवं नवनियुक्त माध्यमिक शिक्षक संघ के महामंत्री संजय कुमार सिंह कुशवाहा के संचालन में धूमधाम से मनाया गया एवं उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला गया। संजय कुमार सिंह ने बताया कि सावित्रीबाई फुले का जन्म 3 जनवरी 1831 ई को महाराष्ट्र के सतारा जिले के नायगांव गांव में हुआ था। वह भारत की पहली महिला शिक्षिका, समाज सुधारक और कवयित्री थीं, जिन्होंने पति ज्योतिराव फुले के साथ मिलकर भारत में महिला शिक्षा और सामाजिक समानता के लिए अभूतपूर्व कार्य किया, 1848 में प्रथम बालिका विद्यालय खोला, सत्यशोधक समाज की स्थापना में मदद की और विधवा विवाह व अस्पृश्यता उन्मूलन के लिए संघर्ष किया, जिनका निधन प्लेग पीड़ितों की सेवा करते हुए 10 मार्च 1897 ई. में हुआ।

इस अवसर पर उपस्थित थे – जाह्नवी कुमारी, रुबी कुमारी, रेणु कुमारी, आरती कुमारी, मधुमिता कुमारी, अंजू कुमारी ,मधु कुमारी संध्या कुमारी,आफरीन बानो,समरीन जेब, साजिदा, कल्पना कुमारी, आयुषी वर्मा, सुहैल खातून,ऋचाली पीयूष, सपना कुमारी, सुधा कुमारी, श्वेता सिंह, सुजाता कुमारी, सबीना नाज, रिजवाना सलीम, अंजुला देवी, सुनीता कुमारी,सोनाली कुमारी, निक्की कुमारी,नरेंद्र कुमार,अरविंद कुमार, सत्येंद्र शाह, संजय कुमार सिंह, जयनाथ शर्मा, प्रभात कुमार,सचिन कुमार, अवनीश कुमार, विनोद कुमार ,अमित कुमार सिंह ,अमित पटेल, आलोक कुमार मिश्रा विद्यालय के छात्र एवं छात्राएं आनवी कुमारी, मंजू कुमारी, सुमन कुमारी, लक्ष्मीना कुमारी, प्रमिला कुशवाहा, आंचल कुमारी, सुंदरी कुमारी , संजीत कुमार,गुंजन कुमार, राजहंस कुमार, शिवम कुमार तथा अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

बिक्रमगंज में ठंड से राहत पाने के लिए अलाव का सहारा लेते लोग

निज संवाददाता। बिक्रमगंज/ रोहतास

बिक्रमगंज अनुमंडल क्षेत्र में शनिवार को शीतलहर और सर्द हवा के कारण गलन बढ़ गई है । हाड कंपा देने वाली ठंड से मनुष्य के साथ-साथ पशु पक्षी भी प्रभावित हुए हैं। न्यूनतम और अधिकतम दोनों तापमानों में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है।

शनिवार को आसमान में बादल छाए रहने और धुंध के कारण लोगों की दिन चर्चा प्रभावित हुई है। मौसम विभाग ने तापमान में गिरावट की चेतावनी जारी की है न्यूनतम तापमान 9 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है जबकि अधिकतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी का असर मैदानी इलाकों में स्पष्ट दिख रहा है पिछले एक सप्ताह से अनुमंडल क्षेत्र में बादलों की आवाजाही बनी हुई थी बदल छंटने के साथ शीत लहर का प्रकोप बढ़ गया है । जिससे तापमान में लगातार गिरावट आ रही है पिछले चार दिनों से दोपहर बाद निकलने वाली धूप भी सर्द हवा के आगे बेअसर साबित हो रही है । शुक्रवार देर शाम से आसमान में बादल छाए रहने के कारण शनिवार को धूप नहीं निकला।

कृषि विज्ञान बिक्रमगंज के प्रधान सह वरीय वैज्ञानिक आर .के . जलज ने बताया कि तापमान में गिरावट गेहूं की फसल के लिए फायदेमंद है हालांकि आलू ,दलहन और तिलहन की फसलों को नुकसान पहुंचाने की आशंका है। पिछले एक सप्ताह से बादलों के छाए रहने से लाही का प्रकोप बढ़ गया है, जिससे सरसों और अलसी की फसले प्रभावित हो रही है। ठंड से बचाव के लिए गरीब और कमजोर वर्ग के लोग अलाव का सहारा लेने को मजबूर है पर्याप्त अलाव की व्यवस्था न होने से लोगों में नाराजगी है । इस संबंध में बिक्रमगंज के एसडीएम प्रभात कुमार ने बताया कि सभी प्रखंडों में अलाव की व्यवस्था की गई है और गरीबों के बीच कंबल भी वितरित की जा रही है।

काराकाट नगर पंचायत: बोर्ड बैठक फिर रद्द, पार्षदों ने उठाए मुख्य पार्षद पर सवाल

निज संवाददाता। काराकाट / रोहतास

नगर पंचायत काराकाट में आज शनिवार को निर्धारित सामान्य बोर्ड बैठक फिर स्थगित हो गई। दिसंबर माह में दो बार बुलाई गई बैठकें अपरिहार्य कारणों से रद्द हो चुकी थीं, और आज भी कोरम पूरा न होने से यह बैठक नहीं हो सकी। कार्यपालक पदाधिकारी सीमाब मतीन ने बताया कि बैठक अध्यक्ष राधिका कुमारी द्वारा बुलाई गई थी, लेकिन उनके अलावा केवल दो सदस्य—वार्ड पार्षद 12 अजय कुमार सिंह और वार्ड पार्षद 5 मालती देवी—समय पर पहुंचे।

अन्य पार्षदों ने बैठक में अनुपस्थिति का अलग-अलग कारण बताए। वार्ड 11 के पार्षद प्रतिनिधि वीनेश कांत त्रिपाठी ने कहा कि उन्हें कोई सूचना नहीं दी गई। वार्ड 8 के पार्षद प्रतिनिधि संतोष कुमार यादव ने बताया कि कोई आधिकारिक चिट्ठी नहीं मिली, इसलिए जानकारी नहीं हुई। उप मुख्य पार्षद रविश रंजन ने निजी कारणों का हवाला दिया, जबकि वार्ड 9 के दिलीप कुमार ने कहा कि लगातार रद्दीकरण से लगा कि यह भी कैंसल हो जाएगी। वार्ड पार्षद विपिन कुमार निजी काम से सासाराम थे।

सबसे तीखी प्रतिक्रिया वार्ड 2 के पार्षद संतोष कुमार तिवारी उर्फ पिंटू तिवारी की आई, जिन्होंने मुख्य पार्षद राधिका कुमारी पर आरोप लगाया कि वह बार-बार बैठक बुलाती हैं और एक घंटे पहले रद्द कर देती हैं। उन्होंने छठ-दीपावली में पास लाइट खरीदारी समेत अन्य खदारियों में मुख्य पार्षद द्वारा जानबूझकर लेटलतीफी का भी आरोप लगाया। मुख्य पार्षद से संपर्क की कोशिश की गई, लेकिन वे प्रतिक्रिया देने नहीं पहुंचीं। नगर पंचायत में लगातार बैठकें रद्द होने से स्थानीय लोगों में सवाल उठ रहे हैं—क्या यह शासनिक लापरवाही है या राजनीतिक साजिश? राजनीतिक गलियारों में भी इस मुद्दे पर चर्चा तेज हो रही है।

ट्रेलर–कंटेनर की भीषण टक्कर, ट्रेलर गहरी खाई में पलटा, चालक समेत तीन घायल, एक की हालत गंभीर

निज संवाददाता। करगहर (रोहतास)।

सासाराम–चौसा पथ पर बेलासपुर के तीखा मोड़ के समीप शनिवार की सुबह ट्रक ट्रेलर और कंटेनर की आमने-सामने हुई भीषण टक्कर में ट्रेलर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गहरी खाई में पलट गया। इस दुर्घटना में ट्रेलर चालक सहित तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार ट्रक ट्रेलर चौसा स्थित सड़क निर्माण कंपनी में गिट्टी अनलोड कर झारखंड की ओर जा रहा था। इसी दौरान बेलासपुर तीखा मोड़ के पास विपरीत दिशा से तेज गति से आ रहे एक कंटेनर ने ट्रेलर में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रेलर के परखच्चे उड़ गए और वाहन खाई में जा गिरा।

हादसे में ट्रेलर चालक उत्तर प्रदेश के बलिया निवासी हैदर आलम, खलासी शाहिद अंसारी तथा राहुल कुमार घायल हो गए। सभी घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल सासाराम में भर्ती कराया गया, जहां खलासी की हालत नाजुक बताई जा रही है और उसे बेहतर इलाज के लिए ट्रामा सेंटर रेफर किया गया है।

घटना के बाद कंटेनर चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर करगहर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। इस संबंध में करगहर थानाध्यक्ष कमल नयन पांडेय ने बताया कि कंटेनर के मालिक एवं चालक के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है तथा फरार चालक की तलाश की जा रही है।

काराकाट जनता दरबार: भूमि विवाद में एक का त्वरित निपटारा, तीन तय अगली तिथि

निज संवाददाता। काराकाट /रोहतास

रोहतास जिले के काराकाट प्रखंड मुख्यालय स्थित अंचलाधिकारी कार्यालय पर आज शनिवार को जनता दरबार का आयोजन किया गया। अंचलाधिकारी डॉ. रितेश कुमार के नेतृत्व में चार भूमि संबंधी मामलों की सुनवाई हुई, जिसमें एक का ससमय निपटारा कर दिया गया।

अंचलाधिकारी डॉ. रितेश कुमार ने बताया कि कुल चार मामले जांच के लिए प्रस्तावित थे। इनमें देव मारकंडे क्षेत्र की चांदनी कुमारी से जुड़े विवाद का दोनों पक्षों के बीच समझौता कर तत्काल समाधान किया गया। शेष तीन मामले—बेन सागर, भोपतपुर तथा धनहरा क्षेत्रों के—की अगली सुनवाई 10 जनवरी 2026 को निर्धारित की गई है। इन तीन मामलों में दोनों पक्षों को नोटिस जारी कर तामील कराई जाएगी। जनता दरबार में थाना अध्यक्ष विवेक कुमार, कंच्छवा थाना प्रभारी एसआई तथा कर्मचारी मनोहर कुमार उपस्थित रहे। यह साप्ताहिक आयोजन आम जनता के विवादों के शीघ्र निपटारे के लिए हर शनिवार आयोजित होता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिया जन्मदिन शुभकामना

♦ गदगद हुए भाजपा नेता अखिलेश कुमार

निज संवाददाता। बिक्रमगंज / रोहतास

भाजपा नेता अखिलेश कुमार को उनके जन्मदिन के अवसर पर देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा भेजे गए शुभकामना पत्र से पूरे क्षेत्र में हर्ष और उत्साह का माहौल है। प्रधानमंत्री का यह स्नेहपूर्ण संदेश अखिलेश कुमार के लिए सम्मान और प्रेरणा का प्रतीक माना जा रहा है।

प्रधानमंत्री की ओर से प्राप्त शुभकामना पत्र पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए अखिलेश कुमार ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी का आत्मीय संदेश उनके जीवन का अविस्मरणीय क्षण है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का यह स्नेह उन्हें जनसेवा और संगठन के कार्यों में और अधिक समर्पण व निष्ठा के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। उन्होंने प्रधानमंत्री के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि देश के सर्वोच्च नेतृत्व से प्राप्त शुभेच्छा उनके लिए अत्यंत गौरव की बात है।

इस अवसर पर अखिलेश कुमार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं निरंतर राष्ट्रसेवा के लिए ईश्वर से कामना की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का नेतृत्व और मार्गदर्शन पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए ऊर्जा और प्रेरणा का स्रोत है।

प्रधानमंत्री की शुभकामना की जानकारी मिलते ही भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों में उत्साह देखा गया। कार्यकर्ताओं ने इसे संगठन के लिए सम्मानजनक बताते हुए कहा कि इससे पार्टी के प्रति विश्वास और सेवा भाव और मजबूत होगा। वहीं स्थानीय नागरिकों ने भी प्रधानमंत्री के इस स्नेहपूर्ण संदेश की सराहना करते हुए इसे अखिलेश कुमार के सामाजिक एवं राजनीतिक योगदान की पहचान बताया। जन्मदिन के अवसर पर प्राप्त प्रधानमंत्री का शुभकामना पत्र क्षेत्र में चर्चा का विषय बना रहा।

परिजनों को भय दिखाकर आशा ने गर्भवती का निजी क्लीनिक में कराया ऑपरेशन

निज संवाददाता। करगहर (रोहतास)।

- **सीएचसी में एएनएम–आशा की मिलीभगत उजागर, 20 हजार की वसूली का आरोप**
- **अस्पताल परिसर में हंगामा, जांच के आदेश**

ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के स्वास्थ्य विभाग के दावे एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गए हैं। करगहर सीएचसी में एएनएम और आशा की कथित मिलीभगत से परिजनों को जच्चा–बच्चा की जान का भय दिखाकर गर्भवती महिला को निजी क्लीनिक में ऑपरेशन कराने का मामला सामने आया है। घटना के बाद अस्पताल परिसर में जमकर हंगामा हुआ।

प्रसव के लिए सीएचसी में कराया गया था भर्ती: मामले का खुलासा शनिवार की सुबह उस समय हुआ जब थाना क्षेत्र के गोरी गांव निवासी कृष्ण रजक अपनी गर्भवती पत्नी सुमन कुमारी को प्रसव के लिए करगहर सीएचसी में भर्ती कराया। ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक नूतन कुमार ने महिला की जांच की और एएनएम सुमिता कुमारी तथा आशा बेबी देवी को टहलने के लिए कहा, जबकि वे अन्य मरीजों को देखने चले गए।

जच्चा-बच्चा की जान का भय दिखाने का आरोप: इसी दौरान आरोप है कि एएनएम और आशा ने मौके का फायदा उठाते हुए परिजनों को यह कहकर डरा दिया कि गर्भ में बच्चा उल्टा है और तत्काल ऑपरेशन नहीं कराया गया तो जच्चा–बच्चा दोनों की जान को खतरा हो सकता है। इससे परिजन घबरा गए और आनन-फानन में गर्भवती महिला को एक निजी क्लीनिक में ले जाकर ऑपरेशन करा दिया गया।

अप्रशिक्षित महिला चिकित्सक द्वारा ऑपरेशन: परिजनों का आरोप है कि निजी क्लीनिक में मौजूद एक अप्रशिक्षित महिला चिकित्सक द्वारा ऑपरेशन कर बच्चे को बाहर निकाला गया। इसके बाद जब क्लीनिक संचालक की ओर से 20 हजार रुपये ऑपरेशन शुल्क की मांग की गई तो परिजन सन्न रह गए। तब उन्हें ठगे जाने का एहसास हुआ।

अस्पताल परिसर में हंगामा: घटना से आक्रोशित परिजनों ने अस्पताल परिसर में जमकर हंगामा किया। परिजनों का कहना था कि एएनएम और आशा ने जान का डर दिखाकर उन्हें निजी क्लीनिक में फंसा दिया, जहां से प्रति गर्भवती महिला कमीशन तय था।

जांच के आदेश, स्पष्टीकरण तलब: इस संबंध में चिकित्सा प्रभारी डॉ. चंदन कुमार ने बताया कि मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित एएनएम और आशा से स्पष्टीकरण मांगा गया है। जांच रिपोर्ट के आधार पर दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने स्वीकार किया कि अस्पताल परिसर के आसपास कई निजी क्लीनिक संचालित हो रहे हैं, जहां गर्भवती महिलाओं के परिजनों को बहला-फुसलाकर ऑपरेशन कराया जा रहा है। इसकी सूचना कई बार सिविल सर्जन कार्यालय को दी जा चुकी है।

स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल: घटना ने एक बार फिर ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था और सीएचसी में कार्यरत कर्मियों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई, तो ऐसे मामलों की पुनरावृत्ति से इनकार नहीं किया जा सकता।

संक्षिप्त समाचार

प्रैक्टिकल परीक्षा को लेकर नहीं बनाए गए दूसरे स्कूलों में केंद्र

भागलपुर। बिहार विद्यालय परीक्षा समिति ने इंटर की प्रैक्टिकल परीक्षा 10 से 20 जनवरी तक कराने की घोषणा की है। परीक्षा संबंधित स्कूलों में ही होगी। इंटर परीक्षार्थी 9 जनवरी तक एडमिट कार्ड डाउनलोड कर सकेंगे। इंटर की सैद्धांतिक परीक्षा का एडमिट कार्ड 16 जनवरी को जारी होगा, जिसे 31 जनवरी तक डाउनलोड किया जा सकेगा। वहीं, मैट्रिक परीक्षार्थियों की इंटरनल असेसमेंट व प्रैक्टिकल परीक्षा 20 से 22 जनवरी तक होगी। मैट्रिक का एडमिट कार्ड 8 जनवरी को जारी होगा और 15 जनवरी तक डाउनलोड किया जा सकेगा। दृष्टिबाधित छात्रों के लिए विशेष विषयों की परीक्षा ली जाएगी। सीबीएसई की 10वीं व 12वीं बोर्ड की प्रैक्टिकल परीक्षा शुरू हो गई है। यह 14 फरवरी तक चलेगी। बोर्ड ने जिले के 43 स्कूलों को निर्देश दिया है कि जिस तिथि पर परीक्षा होगी, उसी दिन छात्रों के अंक पोर्टल पर अपलोड किए जाएं। अंकों में बाद में कोई सुधार नहीं होगा, इसलिए प्रधानाचार्य को अंकों की शत-प्रतिशत जांच करनी होगी। बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि अंक केवल छात्र के वास्तविक प्रदर्शन के आधार पर ही दिए जाएं। स्कूलों को पर्याप्त प्रैक्टिकल पुस्तिकाएं, प्रयोगशालाओं में जरूरी बुनियादी सुविधाएं व सामग्री की व्यवस्था करने को कहा गया है। विशेष आवश्यकता वाले छात्रों (सीडब्ल्यूएसएन) के लिए भी उचित इंतजाम करने के निर्देश दिए गए हैं।

5 जनवरी से शुरू होगा श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान महायज्ञ

भागलपुर। बाबा बूढ़ानाथ मंदिर स्थित मशानी काली मंदिर के पास 5 से 11 जनवरी तक श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान महायज्ञ होगा। 5 जनवरी को सुबह 10 बजे आरके लेन स्थित कमला मंदिर से कलश शोभायात्रा निकलेगी। सदस्य ओमप्रकाश मंडल ने बताया कि वृंदावन के कथावाचक पं. रविशंकर शास्त्री कथा सुनाएंगे। हर दिन दोपहर 3 बजे से कथा होगी। आयोजन को सफल बनाने में सदस्य संजय सिन्हा, मुकेश यादव, अवध बाबू, मुकेश सिंह, आलोक सिंह, मोहित सिंह समेत अन्य सदस्य लगे है।

जन सहयोग से पोखरिया के युवा शहर में बांट रहे कंबल

बेगूसराय। 28 दिसंबर से शहर के पोखरिया मुहल्ले के युवा रात में घुम-घुमकर कंबल बांट रहे हैं। इसके लिए दुबई में काम कर रहे पोखरिया निवासी सद्दाम हुसैन सहित मुहल्ले के एक दर्जन से ज्यादा लोग आर्थिक सहयोग कर रहे हैं। कंबल वितरण अभियान का संयोजन कर रहे युवा समाजसेवी इबरार आलम ने बताया कि कड़ाके की ठंड को देखते हुए शहर में कंबल वितरण अभियान 10 जनवरी तक चलाया जाएगा। कंबल का वितरण बेगूसराय स्टेशन, ट्रैफिक चौक, स्टेशन चौक, काली स्थान, थाना चौक, सदर अस्पताल सहित अन्य जगहों पर घूम-घूमकर ठंड से परेशान लोगों के बीच किया जा रहा है। इस अभियान में मुहल्ले के नसीफ आरजू, प्रशांत कश्यप, अंजारूल हक, अब्दुल रहमान आदि युवा सहयोग कर रहे हैं।

नोनपुर हत्या के मामले में माले का आरोप, यह मुठभेड़ नहीं, बल्कि साजिशन हत्या है

बेगूसराय। नोनपुर गांव में दयानंद मालाकार की मौत को भाकपा (माले) ने सुनियोजित फर्जी मुठभेड़ करार देते हुए पुलिस की भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। पार्टी द्वारा गठित पांच सदस्यीय जांच दल ने गांव पहुंचकर परिजनों, ग्रामीणों और घटनास्थल की पड़ताल के बाद दावा किया कि यह मुठभेड़ नहीं, बल्कि पूर्व नियोजित हत्या थी। जांच दल के सदस्यों ने बताया कि दयानंद मालाकार अपने घर पर आग ताप रहे थे, उसी समय एसटीएफ और पुलिस बल ने घर को घेर लिया। आरोप है कि पुलिसकर्मियों ने उन्हें घर से पकड़कर निर्माणाधीन मकान में ले जाकर गोली मार दी। इसके बाद हवाई फायरिंग कर मुठभेड़ का रूप देने की कोशिश की गई। जांच दल का कहना है कि घटनास्थल या आसपास किसी भी दीवार पर गोली के निशान नहीं मिले, जिससे मुठभेड़ की कहानी संदिग्ध हो जाती है। ग्रामीणों ने भी एक स्वर में किसी तरह की मुठभेड़ से इनकार किया है। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि हत्या के बाद पुलिस एक वाहन से हथियार लाकर शव के पास रखकर तस्वीरें खिंचवाती रही। इस दौरान मृतक की पत्नी, बेटे और एक मजदूर को हिरासत में लिया गया। बाद में ग्रामीणों के दबाव में बेटे को छोड़ दिया गया, लेकिन पत्नी और मजदूर को जेल भेज दिया गया।

बरौनी रिफाइनरी ने बालिका गृह की बच्चियों से साझा किए अनुभव

बेगूसराय। बालिका गृह में नववर्ष के अवसर पर शुक्रवार को बरौनी रिफाइनरी की ओर से एक स्नेहपूर्ण और भावनात्मक आयोजन किया गया। इस दौरान बालिकाओं के साथ समय बिताया गया, उनसे संवाद किया गया और नववर्ष की खुशियां साझा की गईं। कार्यक्रम का स्वरूप औपचारिक न होकर पूरी तरह आत्मीय और पारिवारिक रहा। बरौनी रिफाइनरी के कार्यपालक निदेशक एवं रिफाइनरी प्रमुख सत्य प्रकाश अपनी धर्मपत्नी डॉ. सुष्मिता प्रकाश के साथ बालिका गृह पहुंचे। उनके साथ रिफाइनरी के वरिष्ठ अधिकारी और उनके परिजन भी मौजूद थे। सभी ने बालिकाओं के साथ मिलकर केक काटा और नववर्ष की शुभकामनाएं दीं। बालिकाओं ने भी खुलकर बातचीत की और अपने अनुभव साझा किए। लंबे समय बाद मिले इस अपनत्व से बालिकाओं के चेहरे पर उत्साह और आत्मविश्वास साफ दिखाई दिया। कॉरपोरेट संचार प्रबंधक मीनाक्षी ठाकुर ने बताया कि बालिका गृह में छह माह से अठारह वर्ष आयु वर्ग की लगभग 80 बालिकाएं रह रही हैं, जिन्हें यहां आश्रय, देखभाल और पुनर्वास की सुविधा दी जाती है। इन जरूरतों को ध्यान में रखते हुए बरौनी रिफाइनरी की ओर से कंबल, पढ़ाई से जुड़ी सामग्री, दैनिक उपयोग की वस्तुएं और स्वच्छता से संबंधित सामग्री उपलब्ध कराई गई। यह सहयोग बालिकाओं की दैनिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर किया गया। रिफाइनरी प्रबंधन ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य केवल सामग्री देना नहीं है, बल्कि बालिकाओं को यह एहसास कराना है कि समाज उनके साथ है और उनके भविष्य को लेकर संवेदनशील है। बातचीत के दौरान बालिकाओं को पढ़ाई, आत्मनिर्भरता और जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया। कई बालिकाओं ने अपनी रुचियों और सपनों के बारे में भी बताया। कार्यक्रम के दौरान बालिका गृह के कर्मचारियों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों के मनोबल को मजबूत करते हैं और उनमें विश्वास पैदा करते हैं। बरौनी रिफाइनरी की इस पहल को बालिकाओं के लिए नववर्ष की एक सकारात्मक और यादगार शुरुआत माना जा रहा है। आयोजन ने यह संदेश दिया कि देखभाल, संवेदना और साथ ही किसी भी बालिका के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव बन सकती है।

बरौनी ने बेगूसराय को 67 रनों से हराया

बेगूसराय। बेगूसराय प्रीमियर लीग में ग्रुप बी के पहले मुकाबले में बरौनी सुपर किंग्स ने बेगूसराय चैलेंजर्स को 67 रनों से हराया। गांधी स्टेडियम में खेले गए मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी बरौनी सुपरकिंग्स ने निर्धारित 19 ओवर के मुकाबले में 7 विकेट खोकर 169 रन का स्कोर खड़ा किया। बरौनी सुपरकिंग्स की ओर से राहुल रॉबिन ने 25 गेंद पर 46 रन, वही सुमन ने 29 रन का योगदान दिया। वहीं बेगूसराय चैलेंजर्स की ओर से गेंदबाजी करते हुए युवराज और आयुष ने 2-2 विकेट झटके। वहीं दूसरी पाली में बल्लेबाजी करने उतरी बेगूसराय चैलेंजर्स की टीम 16वें ओवर में सभी विकेट खोकर मात्र 102 रनों पर ऑल आउट हो गई। लक्ष्य का पीछा करने के दौरान बेगूसराय चैलेंजर्स की ओर से युवराज ने 18 और अभिनव ने सर्वाधिक 17 रन का योगदान दिया। बरौनी सुपर किंग्स की ओर से गेंदबाजी करते हुए राम ने सबसे अधिक 4 विकेट तथा प्रभात ने 3 विकेट झटके। शानदार गेंदबाजी करने के लिए राम को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार संयुक्त रूप से जिला खेल पदाधिकारी बिट्टू सिंह, सदर बीडीओ रवि शंकर कुमार, जिला क्रिकेट संघ के सचिव मृत्युंजय कुमार वीरेश, बीपीएल के चेयरमैन सुमित सन्नी, संरक्षक कृष्ण मोहन पप्पू, संयोजक निराला कुमार, मीडिया प्रभारी विवेक कुमार और राजीव कुमार के द्वारा दिया गया। संयोजक ने बताया कि कल का मुकाबला बलिया ब्लास्टर और बरौनी सुपर किंग्स के बीच खेला जाएगा।

पत्नी पर एसिड फेंका फिर खुद पिया, पति की मौत

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर में जमीन विवाद में पति ने अपनी पत्नी पर तेजाब डाल दिया। बाद में खुद भी तेजाब पी लिया। महिला गंभीर रूप से झुलस गई, जबकि पति की मौत हो गई। घायल का इलाज पटना एम्स में चल रहा है। डॉक्टरों के अनुसार उसकी एक आंख की रोशनी चली गई है। पीड़िता की पहचान पूनम देवी (40) के तौर पर हुई है। जो एक आवासीय विद्यालय की संचालिका और प्रिंसिपल है। वो अपने घर पर ही रेसिडेंसी स्कूल चलाती है। जिसमें आठवीं कक्षा तक के करीब 50 बच्चे पढ़ते हैं। घटना जीरोमाइल थाना क्षेत्र के रानी तालाब स्थित प्रेमनगर की है।

दोनों के बीच जमीन का विवाद था: घटना की सूचना मिलने के बाद शुक्रवार की शाम जीरोमाइल थाना प्रभारी इंस्पेक्टर नीरज कुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। कमरे में पति दुलाल पोद्दार (45) का शव मिला। जिसके बाद एफएसएल की टीम को बुलाया गया। शनिवार को शव का पोस्टमॉर्टम कराया जाएगा। मौके पर एसपी सिटी शुभांक मिश्रा भी पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि पति-पत्नी के बीच जमीन की खरीद-बिक्री को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। प्रथम दृष्टया यह मामला हत्या के प्रयास के बाद आत्महत्या का लग रहा है। मौके से पुलिस ने तेजाब भी बरामद किया है।

पापा-मम्मी में झगड़ा हुआ था: पूनम देवी के छोटे बेटे आयुष आनंद ने बताया कि 31 दिसंबर की रात करीब 12.30 बजे मम्मी-पापा में झगड़ा शुरू हुआ। उन्होंने बीच-बचाव भी किया। 1 जनवरी की सुबह करीब 4.30 बजे जब मां बाथरूम गईं, तभी पिता ने उन पर तेजाब डाल दिया। आनन-फानन में मायागंज लेकर गए। जहां से पटना रेफर कर दिया। पापा ने कब तेजाब पिया, इसका पता नहीं चल सका। स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों को दूसरी जगह शिफ्ट किया गया है। पुलिस के अनुसार दुलाल पोद्दार हाल ही में दिल्ली से लौटा था। आशंका जताई जा रही है कि वह पहले से वारदात को अंजाम देने की योजना बनाकर आए थे और दिल्ली से ही तेजाब लेकर लौटे थे। बाथरूम की सफाई में उपयोग होने वाला एसिड और अन्य तेजाब को मिलाकर घटना को अंजाम दिया गया है।

♦ भागलपुर में महिला प्रिंसिपल की आंखों की रौशनी गई, दिल्ली से लेकर आया था तेजाब

पूर्व मुखिया पर जानलेवा हमला

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर में पूर्व मुखिया और उनके परिवार पर लाठी-डंडे से हमला हुआ है। मारपीट में पूर्व मुखिया समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दो लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है। घायलों की पहचान पूर्व मुखिया शिवनारायण पासवान(62), पुत्र सूरज कुमार पासवान और किराना दुकान के कर्मचारी बिहारी मंडल के तौर पर हुई है। घटना कजरैली थाना क्षेत्र के गौरा चौकी पंचायत के बेलगछी गांव की है।

पुलिस ने अस्पताल पहुंचाया: अस्पताल में भर्ती शिवनारायण पासवान ने बताया कि गांव के तारणी यादव, कोको यादव, तन्वीर यादव, तामबीर यादव, रमन यादव और धंचन यादव से विवाद चल रहा था। इस विवाद को लेकर उन्होंने कजरैली थाने में मामला दर्ज कराया था। केस वापस लेने का दबाव बनाया जा रहा था। सभी आरोपी शुक्रवार को उनकी किराना दुकान पर आए। केस वापस लेने के लिए गाली-गलौज और धमकी देने लगे। विरोध करने पर लाठी-डंडे से हमला कर दिया। सिर में गंभीर चोटें आईं हैं। बचाव में आए स्टाफ बिहारी मंडल की भी पिटाई कर दी। सूचना मिलने पर डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और तीनों घायलों को अस्पताल पहुंचाया।

♦ केस नहीं उठाने पर दबंगों ने लाठी-डंडे से मारा, बेटा और दुकान के स्टाफ की भी पिटाई

आवेदन के आधार पर की जाएगी कार्रवाई: कजरैली थानाध्यक्ष गौतम कुमार ने बताया कि पीड़ित पक्ष पर केस वापस लेने का दबाव बनाने को लेकर मारपीट की यह घटना हुई है। सभी घायलों को इलाज के लिए भेजा गया है। लिखित आवेदन मिलने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

11 वीं के छात्र ने की खुदकुशी

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर में छात्र ने खुदकुशी कर ली। कमरे में फंदे से लटका हुआ शव मिला है। खुदकुशी के कारण का खुलासा नहीं हुआ है। पुलिस छानबीन कर ली है। मृतक की पहचान सुरेश सिंह के पुत्र प्रिंस कुमार(21) के तौर पर हुई है। घटना ततारपुर थाना क्षेत्र के रामसर की है।

घर के लोग श्राद्ध कर्म में गए थे: बड़े भाई सोनू सिंह ने बताया कि प्रिंस ने हाल ही में 11वीं कक्षा में दाखिला लिया था और पढ़ाई में व्यस्त रहता था। शुक्रवार को परिवार के सभी सदस्य बुआ के श्राद्ध कर्म में गोला घाट गढ़ैया गए थे। प्रिंस उनके साथ नहीं गया था। काफी देर तक उससे संपर्क नहीं होने पर घर पहुंचा। कमरे में गमछे से बने फंदे के सहारे झूलता हुआ मिला। बेड पर एक टेबल भी रखा था। तुरंत नीचे उतारकर मायागंज लेकर गए। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। आत्महत्या के कारणों की कोई जानकारी नहीं है।

मानसिक तनाव में रहता था: वहीं, मोहल्ले के लोगों का कहना है प्रिंस नशे का आदी था। इस कारण घर में उसे अक्सर समझाया जाता था, जिससे वह मानसिक तनाव में रहने लगा था। पुलिस इन बिंदुओं पर भी गहनता से जांच कर रही है।

जांच में जुटी पुलिस: ततारपुर थानाध्यक्ष ने बताया कि आत्महत्या के कारणों का अभी तक स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए एफएसएल टीम से भी घटनास्थल की जांच कराई जाएगी। परिजनों के बयान के आधार पर छानबीन की जा रही है।

शराब के खिलाफ 12 घंटे का इंकलाब जिंदाबाद कीर्तन

निज संवाददाता। बेगूसराय

बेगूसराय जिले में ग्रामीणों ने गांव में हो रहे अवैध शराब के निर्माण और बिक्री के खिलाफ अनोखा आंदोलन किया है। गांव के लोगों ने क्रांतिकारी चौक पर राम नाम अष्टयाम की तरह 12 घंटे का 'इंकलाब जिंदाबाद कीर्तन' किया। मामला बरौनी प्रखंड के सिमरिया पंचायत-दो स्थित बरियाही बिंदटोली की है। आधुनिक भारत निर्माण समिति के बैनर तले आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग जुटे और सीताराम नाम संकीर्तन के तर्ज पर इंकलाब जिंदाबाद का नारा लगाना शुरू कर दिया। इस दौरान लगातार ढोलक, झाल और हारमोनियम बजाते रहे। इसको लेकर क्रांतिकारी चौक को अष्टयाम की तरह ही मंडप बनाकर केला के पेड़ से सजाया गया।

लोगों को किया जा रहा है जागरूक: भगवान की जगह संविधान निर्माता डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की तस्वीर रखी गई थी। इसके बाद कीर्तन मंडली द्वारा इंकलाब जिंदाबाद और दारू बंद जिंदाबाद का नारा लगातार लगाया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व आधुनिक भारत निर्माण समिति के संयोजक केदारनाथ भास्कर कर रहे थे। उन्होंने बताया कि हमारे गांव में बड़े पैमाने पर अवैध तरीके से शराब का निर्माण और बिक्री हो रहा है। इसको लेकर हम लोग पिछले 1 महीने से आंदोलन चला रहे हैं। प्रशासन को भी शराब निर्माण और बिक्री की सूचना दी गई। लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। जिसके कारण लोगों को लगातार जागरूक करना पड़ रहा है। अष्टयाम की तर्ज पर इंकलाब जिंदाबाद कीर्तन किया है। जिससे प्रशासन एक्टिव हो, गांव के लोग भी जागरूक हों और हमारे गांव में अवैध रूप से हो रहे शराब के निर्माण और बिक्री पर रोक लगे। शराब निर्माण के खिलाफ ग्रामीण और जनप्रतिनिधियों ने कई बार बैठक कर कारोबारी से अपील किया। इसके बाद भी कोई फायदा नहीं हो रहा है।

आंदोलन आगे भी चलता रहेगा: संयोजक केदारनाथ भास्कर ने आगे कहा कि शराब पीने से कई लोगों की मौत हो चुकी है, महिलाओं की मांग उजड़ गई है। कई ने अपना बेटा खो दिया। शराब के कारण गांव तबाह हो रहा है, लोग बीमारी में उलझे हुए हैं। जीवन की गाढ़ी कमाई परिवार चलाने के बदले इलाज में खर्च हो रहा है, युवा पीढ़ी बर्बाद हो रहा है। नशेड़ियों के उत्पात से लोगों का घर से निकलना मुश्किल हो गया है। इसके बावजूद जब कोई कार्रवाई नहीं हुई तो हम लोगों ने नए तरीके से आंदोलन का शंखनाद किया। इस आंदोलन में गांव के सभ्य समाज का भरपूर सहयोग मिला है। शराब की निर्माण और बिक्री पर रोक लगने तक हम लोगों का ऐसा अनूठा आंदोलन अलग-अलग तरीके से लगातार चलता रहेगा।

नए सिविल सर्जन डॉ. जितेंद्र सिंह ने संभाला कार्यभार

निज संवाददाता। बांका

बांका जिले को नए सिविल सर्जन के रूप में डॉ. जितेंद्र सिंह मिले हैं। उन्होंने विधिवत रूप से अपना कार्यभार संभाला। प्रभारी सिविल सर्जन डॉ. लक्ष्मण पंडित ने उन्हें औपचारिक रूप से पदभार सौंपा। पदभार ग्रहण करने के तुरंत बाद नए सिविल सर्जन ने स्वास्थ्य विभाग के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था की समीक्षा की। इस बैठक में डीपीएम ब्रजेश कुमार, डैम अमरेन्द्र आर्य, जिला मूल्यांकन एवं अनुश्रवण पदाधिकारी मुकेश कुमार सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। डॉ. जितेंद्र सिंह ने सभी पदाधिकारियों से परिचय प्राप्त किया और जिले में संचालित स्वास्थ्य विभाग की विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को योजनाओं का क्रियान्वयन समय पर और प्रभावी ढंग से करने का निर्देश दिया। सिविल सर्जन ने आम जनता से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता देने और उन्हें जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिले के किसी भी अस्पताल में मरीजों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। इसके लिए उन्होंने आवश्यक दिशा-निर्देश भी जारी किए। नए सिविल सर्जन ने स्वास्थ्य संस्थानों में उपलब्ध सुविधाओं, संसाधनों की स्थिति, कमियों और आवश्यकताओं के बारे में भी जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि जिले में चल रही स्वास्थ्य योजनाओं को और गति दी जाएगी तथा मरीजों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। उनके समक्ष आने वाली शिकायतों का त्वरित समाधान किया जाएगा।

सिविल सर्जन ने अस्पताल का किया निरीक्षण: पदभार ग्रहण करने के साथ ही डॉ. जितेंद्र सिंह ने सदर अस्पताल का निरीक्षण भी किया। सदर अस्पताल पहुंचने पर अस्पताल प्रबंधक सुनील कुमार चौधरी ने उनका स्वागत किया। निरीक्षण के दौरान सिविल सर्जन ने इमरजेंसी वार्ड, ओपीडी वार्ड, प्रसव वार्ड सहित अन्य विभागों का जायजा लिया। उन्होंने मरीजों से सीधे संवाद कर उन्हें मिल रही सुविधाओं के बारे में जानकारी ली।

♦ बांका सदर अस्पताल का किया निरीक्षण, कमियों को दूर करने का दिया निर्देश

कमियों को दूर करने का दिया निर्देश: निरीक्षण के बाद सिविल सर्जन ने बताया कि अस्पताल में उपलब्ध सुविधाओं का अवलोकन किया गया है। जहां-जहां कमियां पाई गई हैं, उन्हें जल्द दूर करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन को यह सुनिश्चित करने को कहा कि मरीजों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। इस दौरान अस्पताल प्रबंधक सहित अन्य पदाधिकारियों से अस्पताल की कार्यप्रणाली को लेकर भी विस्तृत जानकारी प्राप्त की गई। मौके पर लिपिक रोहित कुमार,राजीव कुमार पांडेय, राजीव कुमार दास,जवाहर कुमार,राजेश कुमार सहित अन्य स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित रहे।

रेलवे स्टेशन पर पहुंचे जज करुणा निधि प्रसाद

निज संवाददाता। बेगूसराय

बेगूसराय में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। कोहरा और शीतलहर के चलते ठिठुरन बढ़ गई है। इस बीच जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव सह अवर न्यायाधीश करुणानिधि प्रसाद आर्य रात में घूम-घूमकर कर जरुरतमंदों की मदद कर रहे हैं। शुक्रवार की रात बेगूसराय और लखमिनिया रेलवे स्टेशन पहुंचे। जहां जरूरतमंदों के बीच कंबल का वितरण किया। जज करुणा निधि प्रसाद आर्य ने बताया कि रेलवे स्टेशन पर काफी संख्या में ऐसे लोग मिले जो ठंड से ठिठुरते नजर आए। सामाजिक कार्यकर्ता सोहन सिंह और जिला विधिक सेवा प्राधिकार की ओर से राहत पहुंचाने के लिए कंबल-चादर उपलब्ध कराया गया है। यह मुहिम करीब 15 दिनों से लगातार चल रही है और आगे भी चलती रहेगी। अपने आसपास जरूरतमंद लोगों को चिन्हित करें। सक्षम लोगों को समाज का हित करना चाहिए।

सहयोग की अपील: जज करुणानिधि प्रसाद आर्य ने अपील करते हुए कहा कि अपने आसपास जरूरतमंद लोगों को चिन्हित करें। सक्षम लोगों को समाज का हित करना चाहिए। ठंड से बचाव के लिए गर्म कपड़े और कंबल का वितरण करें। साथ ही उन्होंने रेल प्रशासन से अपील किया है कि जगह-जगह अलाव की व्यवस्था करें। जिससे लोगों की सेवा में जुटे कुली एवं रिक्शा चलाने वाले सहित ठंड से परेशान सभी लोगों को राहत मिले। मौके पर सोहन सिंह, जिला विधिक सेवा प्राधिकार से शैलेश कुमार एवं सामाजिक कार्यकर्ता कन्हैया कुमार उपस्थित थे।

सड़क हादसे में फाइनेंस कर्मी की मौत

निज संवाददाता। बेगूसराय

बेगूसराय में NH-31 फोरलेन पर शुक्रवार देर रात सड़क हादसे में निजी फाइनेंस कर्मी की मौत हो गई। घर लौटते समय हादसा हुआ है। पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिया है। मृतक की पहचान मटिहानी के रामदीरी लवहरचक निवासी पप्पू सिंह के पुत्र शुभम कुमार (25) के तौर पर हुई है। घटना नगर थाना क्षेत्र अलका सिनेमा हॉल के पास की है। जानकारी के मुताबिक रात करीब 11:00 बजे शुभम बुलेट से हर हर महादेव चौक की ओर से रॉन्ग साइड में अलका सिनेमा हॉल के पास पहुंचा। रोड क्रॉस करते समय जीरो माइल की ओर से आ रहे तेज रफ्तार हाइवा ने टक्कर मार दी। निर्माणाधीन फ्लाईओवर के नीचे डिवाइडर से टकराकर गंभीर रूप से घायल हो गया। गश्त कर रही टीम ने अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

♦ काम खत्म होने के बाद बुलेट से घर लौट रहा था, तेज रफ्तार हाइवा ने मारी टक्कर

परिवार में अकेला कमाने वाला था: परिजनों के मुताबिक काम खत्म होने के बाद रोज की तरह रात में बुलेट से घर लौट रहा था। इस बीच हादसे का शिकार हो गया। परिवार का एकलौता कमाने वाला सदस्य था। मिलनसार स्वभाव के शुभम की मौत गांव में शोक का माहौल है। पुलिस आरोपी ड्राइवर की तलाश कर रही है।

हिंदू लड़की ने मुस्लिम लड़के से की शादी

निज संवाददाता। मुंगेर

मुंगेर में हिंदू लड़की मंशा ने मुस्लिम युवक नियाजुल से शादी कर ली। लड़की ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर बताया कि उसने 30 दिसंबर को दिल्ली के तीस हजारी स्थित आर्य समाज वैदिक संस्कार ट्रस्ट में नियाजुल से अपनी मर्जी से शादी की है। वीडियो में लड़की बोल रही है कि मुझे कोई जबरदस्ती नहीं लाया है। मैं खुद नियाजुल के साथ घर से भागी थी। मैं पुलिस प्रशासन से अपील करती हूं कि मुझे और उनके परिवार को परेशान ना किया जाए। लड़की ने वीडियो में नियाजुल का चेहरा भी दिखाया और बताया कि वे दोनों ने गवाहों की मौजूदगी में शादी की है। लड़की सफियाबाद थाना की रहने वाली है।

पिता ने 7 लोगों पर दर्ज कराई FIR: इस मामले में युवती के पिता ने सफियासराय थाने में 7 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। पिता ने अपने आवेदन में बताया कि 29 दिसंबर की सुबह उनकी बेटी रोजाना की तरह प्रैक्टिकल क्लास के लिए घर से निकली थी, लेकिन वापस नहीं लौटी। काफी खोजबीन के बाद उन्हें पता चला कि गांव के पठानटोली निवासी नियाज उल हक उनकी बेटी को बहला-फुसलाकर भगा ले गया है। पिता ने आरोप लगाया कि जब उन्होंने नियाजुल के घरवालों से संपर्क किया, तो उन्होंने दो दिन का समय मांगा। दो दिन बाद जब वे फिर बेटी की बरामदगी के लिए उनके घर पहुंचे, तो उन्हें गाली-गलौज कर भगा दिया गया। पिता की शिकायत पर मोहम्मद नियाजुल हक, महफूज आलम उर्फ गुडलक, शमीना खातून, रानी खातून, शमशाद खान, निराली खातून और आफताब उर्फ अहिल खान के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

♦ मां बोली- वो बेटी को काटकर फ्रिज-कुकर में डाल देगा, प्रधानमंत्री जी बिटिया को बचा लीजिए

फ्रिज में नहीं बल्कि सही सलामत चाहिए बेटी: वहीं युवती की मां ने एक वीडियो जारी किया है, जिसमें उन्होंने बताया है कि मेरी बेटी को एक मुस्लिम लड़के ने माइंड वाश कर भाग ले गया है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी,सम्राट चौधरी,विजय सिन्हा और एसपी सैयद इमरान मसूद से अपील करते हुए कहा है कि हम लोग हिंदू धर्म को मानने वाले लोग हैं, किसी भी कीमत पर मुस्लिम समाज से आने वाले युवक को बर्दाश्त नहीं करेंगे। मुझे मेरी बेटी फ्रिज और कुकर में नहीं बल्कि सही सलामत चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

2967 प्रभेद गेहूं अंकुरण नहीं होने की शिकायतें

कोईलवर। रबी फसल में गेहूं के बीज बुवाई के बाद भी अंकुरण नहीं हुआ है। कोईलवर प्रखंड में बिहार राज्य बीज निगम के 9070 प्रभेद के गेहूं बीजों का खेतों में अंकुरण नहीं होने की शिकायतें आ रही है। इससे कोईलवर प्रखंड के किसानों के लिए इस रबी सीजन की शुरुआत परेशानी भरी साबित हो रही है। प्रखंड के कोसिहांन और लोदीपुर गांव में किसानों द्वारा कृषि विभाग से बिहार राज्य बीज निगम खरीदे गए 2967 प्रभेद गेहूं के बीज के अंकुरण नहीं होने से भारी नुकसान की आशंका जताई जा रही है। किसानों का कहना है कि समय पर बुआई करने के बावजूद बीज खेतों में नहीं उगे, जिससे उन्हें दोबारा बुआई करनी पड़ी। कोसिहांन और लोदीपुर गांव के किसान नंद जी चौधरी, टिंकू कुमार, अजय कुमार सिंह, बिपिन बिहारी एवं जलेंद्र पांडेय ने बताया कि उन्होंने 24 नवंबर को कोईलवर प्रखंड कृषि कार्यालय से गेहूं की बुआई के लिए बीज की खरीदारी की थी। बीज बोने के बाद खेतों में अपेक्षित अंकुरण नहीं हुआ। कई खेतों में तो बिल्कुल अंकुरण नहीं हुआ। जबकि कुछ जगहों पर बेहद कम पौधे उगे। किसानों की लागत खर्च हो गई दोगुनी किसान अजय कुमार सिंह ने बताया कि कम अंकुरण के कारण खेतों की सिंचाई के समय अलग से दूसरा बीज डालना पड़ रहा है। जिससे लागत दोगुनी हो गई है। किसानों का कहना है कि बीज, खाद, मजदूरी और सिंचाई पर पहले ही काफी खर्च हो चुका है, ऐसे में दोबारा बुआई से आर्थिक संकट और गहरा गया है। इस संबंध में कृषि समन्वयक रविंद्र कुमार राय ने बताया कि किसानों से मौखिक शिकायत प्राप्त हुई है। उन्हें लिखित आवेदन देने के लिए कहा गया है। जांच में सामने आया है कि किसानों द्वारा गेहूं का प्रभेद 2967 खरीदा गया था, जिसके लॉट नंबर 1113 को लेकर कम अंकुरण की शिकायतें मिल रही हैं। उन्होंने कहा कि किसानों से लिखित आवेदन मिलने के बाद नियमानुसार बीज की गुणवत्ता की जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। इधर किसानों ने जिला कृषि विभाग से खराब बीज की जांच कराने, दोषी आपूर्तिकर्ता पर कार्रवाई करने तथा प्रभावित किसानों को मुआवजा देने की मांग की है।

धान अधिप्राप्ति की रफ्तार सुस्त 48 दिनों में लक्ष्य का 20.9% ही हुआ पूरा

बक्सर। बक्सर जिला में चालू खरीफ विपणन मौसम के तहत धान अधिप्राप्ति की रफ्तार बेहद धीमी चल रही है। जिले के सभी 108 पैक्स एवं 8 व्यापार मंडलों के माध्यम से अब तक कुल 2 लाख 69 हजार 161 क्विंटल धान की खरीद की जा सकी है, जबकि पूरे जिले को 12 लाख 87 हजार क्विंटल धान अधिप्राप्ति का लक्ष्य मिला है। इस तरह 48 दिनों की अवधि में अब तक लक्ष्य का केवल 20.9 प्रतिशत ही पूरा हो सका है। धान की खरीद 28 फरवरी तक होनी है, ऐसे में शेष बचे दिनों में लक्ष्य पूरा होना एक बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। अब तक की अधिप्राप्ति में 3041 किसानों से ही धान की खरीद हो सकी है, जबकि आवेदन करने वाले किसानों की संख्या कहीं अधिक है। अधिप्राप्ति की धीमी गति का सीधा असर किसानों पर पड़ रहा है। सरकारी दर पर समय से धान की बिक्री नहीं हो पाने के कारण किसान अपनी उपज को मजबूरी में बिचौलियों के हाथ औने-पौने दामों पर बेचने को विवश हैं। कई पैक्स में तौल, उठाव और भुगतान की प्रक्रिया में देरी की शिकायतें भी सामने आ रही हैं, जिससे किसानों की परेशानी और बढ़ गई है। खरीदारी में तेजी लगाने के लिए डीएम ने भी सहकारिता पदाधिकारी को निर्देश भी दिया है। इस वर्ष धान अधिप्राप्ति व्यवस्था के तहत पैक्सों को 11 उसिना एवं 7 अरवा चावल मिलों के साथ टैग किया गया है। विभागीय जानकारी के अनुसार मिलों के पास शनिवार से सीएमआर गिरना शुरू हो जाएगा, जो 15 जून तक चलेगा। धान अधिप्राप्ति के लिए इस वर्ष कुल 20 हजार 255 किसानों ने आवेदन किया है। इनमें 7903 रैयत किसान तथा 12 हजार 372 गैर-रैयत किसान शामिल हैं। आवेदन के वितरण की बात करें तो पैक्सों को 18 हजार 754 आवेदन, जबकि व्यापार मंडलों को 1512 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इसके बावजूद खरीद की वास्तविक प्रगति बेहद कम रहना विभागीय कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करता है। कुल मिलाकर अब अधिप्राप्ति अवधि के मात्र 28 दिन शेष बचे हैं और लक्ष्य का लगभग 79 प्रतिशत धान अभी खरीदा जाना बाकी है। यदि खरीद की रफ्तार में जल्द तेजी नहीं लाई गई तो निर्धारित समय सीमा में लक्ष्य हासिल करना मुश्किल हो सकता है। इसका सबसे बड़ा नुकसान किसानों को उठाना पड़ेगा, जो पहले ही लागत बढ़ने और बाजार में कम कीमत मिलने की दोहरी मार झेल रहे हैं। किसानों का कहना है कि यदि पैक्सों पर समय से तौल, पर्याप्त बोरे, शीघ्र उठाव और भुगतान की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए तो सरकारी खरीद में तेजी आ सकती है। वहीं प्रशासन और विभाग के लिए यह जरूरी हो गया है कि अधिप्राप्ति प्रक्रिया की नियमित समीक्षा कर जमीनी अड़चनों को दूर किया जाए, ताकि किसानों को राहत मिल सके और जिले को मिला धान अधिप्राप्ति लक्ष्य समय पर पूरा हो सके।

नशा मुक्ति अभियान

बक्सर। समाज को नशे के दुष्प्रभावों से जागरूक करने और नशा-मुक्त वातावरण के निर्माण के उद्देश्य से बक्सर मेडिकल सिटी फाउंडेशन द्वारा संचालित नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत गुरुवार को किला मैदान में नशा मुक्ति रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस आयोजन में कला और रचनात्मकता के माध्यम से नशे के खिलाफ सशक्त संदेश दिया गया। युवा वर्ग सबसे अधिक प्रभावित होता : कार्यक्रम के दौरान फाउंडेशन के प्रतिनिधियों ने कहा कि नशा समाज की जड़ों को कमजोर करने वाला एक गंभीर संकट है। इस तरह के रचनात्मक और जनभागीदारी वाले कार्यक्रम समाज में सकारात्मक सोच को बढ़ावा देने के साथ-साथ नशा-मुक्त समाज के निर्माण की दिशा में मजबूत कदम साबित होते हैं।

अलाव सूची लंबी, जमीन पर सन्नाटा ही सन्नाटा

बक्सर। भीषण ठंड के बीच आमजन को राहत देने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा अलाव जलाने के लिए सैकड़ों स्थान चिन्हित किए जाने का दावा किया गया है, लेकिन जमीनी हकीकत इन दावों पर सीधा प्रहार करती नजर आ रही है। कलेक्ट्रेट बक्सर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में नगर परिषद, नगर पंचायत और विभिन्न अंचलों में अलाव जलाने के स्थानों की विस्तृत सूची तो जारी की गई, लेकिन हकीकत में अधिकांश चिन्हित स्थानों पर अलाव जलता हुआ दिखाई नहीं दे रहा। नतीजतन सड़कों, चौक-चौराहों और बाजारों में जरूरतमंद लोग ठंड में ठिठुरने को मजबूर हैं।

कार्यों को गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करें : मंत्री

बक्सर। शुक्रवार को बिहार के पर्यटन मंत्री अरुण शंकर प्रसाद ने बक्सर पहुंचे। उन्होंने जिले में पर्यटन विभाग द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न योजनाओं का स्थलीय निरीक्षण किया गया। इस दौरान जिले में पर्यटन विकास को लेकर विभाग द्वारा तैयार प्रस्तावों की भी गहन समीक्षा की गई। निरीक्षण के क्रम में मंत्री ने पर्यटन विभाग द्वारा संचालित रामरेखा घाट एक्सपीरियंस सेंटर, रेस्टोरेंट, संपर्क पथ सहित अन्य पर्यटकीय विकास योजनाओं का जायजा लिया। कार्यों की प्रगति का निरीक्षण करते हुए उन्होंने बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम, पटना के कार्यपालक अभियंता को सभी कार्यों को गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध ढंग से पूर्ण कराने का स्पष्ट निर्देश दिया। मंत्री द्वारा रामरेखा घाट पर नवनिर्मित लाईट एंड साउंड प्रोजेक्ट का भी निरीक्षण किया गया।

सरस्वती पूजा की तैयारी को लेकर गड़हनी में हुई बैठक

गड़हनी। स्थानीय नगर पंचायत गड़हनी के सहिला पुल के पास होने वाला मां सरस्वती पूजा के तैयारी को लेकर बैठक किया गया। बैठक की अध्यक्षता श्रीनिवास यादव व संचालन प्रमोद गुप्ता ने की। बैठक में नई कमिटी का गठन की गई जिसमें सर्वसम्मति से प्रमोद गुप्ता को कमिटी का अध्यक्ष व भोला चौधरी को सचिव बनाया गया। वहीं, कोषाध्यक्ष, संरक्षक सहित 20 सदस्यीय टीम का गठन हुआ। अध्यक्ष ने कहा कि नगर पंचायत के सहिला पुल के पास पहला बार सरस्वती पूजा किया जाएगा जो बहुत ही धूम - धाम से की जाएगी। भव्य पूजा के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होगा जिसमें कई लोग गायक शामिल होंगे। सचिव ने कहा कि पूजा 2026 से शुरू होगा और लगातार होते रहेगा। इस मौके पर रंजन चौधरी, धनंजय यादव, भीम यादव,मों निक्कू उर्फ सोनू, डॉ शेष कुमार, सुशील चौधरी, संतुलन कुमार, प्रमोद चौधरी, लाल जी चौधरी, सन्नी चौधरी गोलू चौधरी सहित कई लोग उपस्थित थे।

कुख्यात इनामी अपराधी रामगढ़ से गिरफ्तार

निज संवाददाता। आरा

भोजपुर जिले के कुख्यात वांटेड 50 हजार के इनामी कुख्यात अपराधी को एसटीएफ पटना की टीम ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधी ठाकुर यादव कृष्णागढ़ थाना क्षेत्र के सरैया गांव का रहने वाला है। उसकी गिरफ्तारी झारखंड के रामगढ़ जिले से की गई है। लंबे समय से फरार चल रहा था और करीब 14 महीने से पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई थी। ठाकुर यादव हत्या के प्रयास और फायरिंग के मामले में वांछित था। तीन अक्टूबर 2024 को दोपहर करीब तीन बजे बाइक सवार दो बदमाशों ने कृष्णागढ़ थाना क्षेत्र के सरैया बाजार स्थित वी-टू मॉल पर फायरिंग की थी। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल से एक पिस्टल का खोखा बरामद किया था। इस संबंध में एएसआई धनंजय चौधरी के बयान पर प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

दुकान बंद करने की धमकी दी गई थीः एफआईआर में कृष्णागढ़ थाना के सरैया गांव निवासी ठाकुर यादव और उसके रिश्तेदार मुफस्सिल थाना क्षेत्र के कौशिक दुलारपुर निवासी सुजीत यादव को नामजद आरोपी बनाया गया था, जबकि एक अन्य अज्ञात को भी आरोपित किया गया था। प्राथमिकी में आरोप लगाया गया था कि बाइक से आए दोनों बदमाशों ने मॉल के दरवाजे पर पहुंचकर कहा था कि ठाकुर यादव ने दुकान बंद करने के लिए बोला है। इसके बाद मॉल के सामने लगे साइन बोर्ड पर फायरिंग की गई। फायरिंग की आवाज सुनकर जब आसपास के लोग जुटने लगे तो दोनों बदमाश बाइक से सरैया की ओर फरार हो गए। बाद में स्थानीय लोगों से पूछताछ में ठाकुर यादव और सुजीत यादव का नाम सामने आया था। पुलिस ने इसे सरैया बाजार में दहशत और अशांति फैलाने की साजिश बताया था।

हत्या, लूट समेत कई केस दर्जः ठाकुर यादव पहले से ही लूट, डकैती, रंगदारी, हत्या, आर्म्स एक्ट और चोरी जैसे आधा दर्जन से अधिक मामलों में चार्जशीटेड रहा है। नट हत्याकांड में भी उसका नाम सामने आ चुका है। जून 2023 में पुलिस ने उसे एक देसी पिस्तौल, कारतूस और बाइक के साथ गिरफ्तार किया था। सात जून 2023 को एक आम कारोबारी से लूटपाट के मामले में भी उसकी संलिप्तता पाई गई थी। उसके खिलाफ कृष्णागढ़ और बड़हरा थाने में छह-छह तथा मुफस्सिल थाना में एक मामला दर्ज है। वह थाना के टॉप-10 अपराधियों की सूची में भी शामिल रहा है।

आपूर्ति व्यवस्था और धान अधिप्राप्ति में लापरवाही बर्दाश्त नहीं : एसडीओ

निज संवाददाता। आरा

जिलाधिकारी तनय सुल्तानिया के निर्देशानुसार अनुमंडल पदाधिकारी रश्मि सिन्हा की अध्यक्षता में सदर अनुमंडल क्षेत्र के सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी एवं बीसीओ के साथ आपूर्ति व्यवस्था एवं धान अधिप्राप्ति से संबंधित समीक्षा बैठक हुई। बैठक में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के सुचारु संचालन, लाभुकों को समय पर खाद्यान्न उपलब्ध कराने, धान अधिप्राप्ति की वर्तमान प्रगति, किसानों से निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप धान क्रय, भुगतान की स्थिति तथा क्रय केंद्रों पर पारदर्शिता सुनिश्चित करने जैसे बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। अनुमंडल पदाधिकारी ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि धान अधिप्राप्ति कार्य में तेजी लाई जाए, किसी भी प्रकार की अनियमितता न हो, तथा किसानों से जुड़ी समस्याओं का त्वरित निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ वास्तविक पात्र लाभुकों तक पहुंचे, इसके लिए सतत निगरानी आवश्यक है। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि आपूर्ति व्यवस्था और धान अधिप्राप्ति में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा सभी संबंधित अधिकारी पूर्ण जिम्मेदारी के साथ कार्य करें।

वेंडिंग जोन के चयन में नागरिकों और दुकानदारों की सहूलियत का रखे ध्यान

निज संवाददाता। आरा

शहर को सुव्यवस्थित एवं स्वच्छ बनाए रखने की दिशा में, नगर निगम द्वारा बनाए जा रहे अस्थायी वेंडिंग जोन का शुक्रवार को, मेयर इंदु देवी ने स्थल निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्टेशन रोड (नवादा थाना के बगल में), जगजीवन मार्केट, जिला स्कूल के सामने स्थित शौचालय परिसर सहित अन्य चिन्हित स्थानों का अवलोकन किया। निरीक्षण के क्रम में मेयर ने वेंडिंग जोन की व्यवस्था, स्थान चयन, फुटपाथ पर अतिक्रमण की स्थिति तथा आमजन और राहगीरों की सुविधा से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वेंडिंग जोन का उद्देश्य सड़क किनारे अव्यवस्थित ढंग से लगने वाली दुकानों को एक व्यवस्थित स्वरूप देना है, जिससे शहर की यातायात व्यवस्था सुचारु हो सके और स्वच्छता बनी रहे।

महादलितों के लिए सिलाई सह पढ़ाई केंद्र का शुभारंभ

निज संवाददाता। आरा

कसाप पंचायत सरकार भवन में नई आशा द्वारा मां करणी प्रसाद के सौजन्य से संचालित, मान कंवर सिलाई सह पढ़ाई केंद्र का शुभारंभ, उदवंत नगर प्रखंड के कसाब पंचायत सरकार भवन में हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि वन प्रमंडल पदाधिकारी प्रद्युम्न गौरव ने किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल नौकरी पाने का साधन नहीं है, बल्कि यह जीवन जीने की कला सिखाती है और आत्मविश्वास को मजबूत बनाती है। महादलित महिलाओं, युवतियों और अभिभावकों से कहा कि वे शिक्षा के साथ-साथ रोजगारपरक कौशल को भी अपनाएं। सिलाई सह पढ़ाई केंद्र के माध्यम से सिलाई-कढ़ाई सीखकर आत्मनिर्भर बनने और बेहतर जीवन की दिशा में आगे बढ़ने का संदेश दिया। पटना से आई समाजसेवी हिमानी सिंह ने कहा कि हुनर सीखने से जीवन में सहूलियत आती है। महादलित समुदाय में शिक्षा और स्वच्छता की जरूरत है। नई आशा का यह अभियान समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने वाला साबित होगा। जिला कल्याण पदाधिकारी नवीन कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा ऐसी चाबी है, जिससे किस्मत के हर ताले को खोला जा सकता है। कार्यक्रम में शामिल अधिकारी व अन्य शिक्षा, स्वच्छता और रोजगार से जुड़ रहा हैं महादलित परिवार कार्यक्रम की अध्यक्षता नई आशा के संरक्षक पद्मश्री डॉ. भीम सिंह भवेश ने की। उन्होंने बताया कि सिलाई सह पढ़ाई केंद्र के माध्यम से महादलित युवतियां न केवल सिलाई का प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं, बल्कि साक्षर भी बन रही हैं। संस्था का मुख्य उद्देश्य महादलित बच्चों और महिलाओं को शिक्षा, स्वच्छता और रोजगार से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाना है। सिलाई सह पढ़ाई केंद्र के उद्घाटन से महादलित टोला के लाभुकों में खासा उत्साह देखने को मिला। महिलाओं और युवतियों ने इसे अपने जीवन में बदलाव की नई शुरुआत बताया। मौके पर जीविका बीपीएम विनय सिन्हा, प्रखंड कल्याण पदाधिकारी, स्वच्छता पर्यवेक्षक उत्तम कुमार, संजीव कुमार वर्मा, लाल बिहारी राम, प्रमोद कुमार, अमीर राम, गोलू कुमार, सिद्धेश्वर राम सहित कई विकास मित्र एवं स्थानीय लोग उपस्थित थे। धन्यवाद ज्ञापन इंजीनियर बबन सिंह ने किया।

डुमरांव बाईपास जमीन अधिग्रहण अटका, मुआवजे पर किसान आक्रोशित

निज संवाददाता। बक्सर

बक्सर में डुमरांव बाईपास निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया एक बार फिर मुआवजे के विवाद में उलझ गई है। शनिवार को डुमरांव प्रखंड कार्यालय परिसर में मुआवजा आवेदन के लिए शिविर लगाया गया था, लेकिन सैकड़ों रैयतदारों में से केवल 10-15 किसान ही आवेदन लेने पहुंचे। किसानों का आरोप है कि सरकार बाजार मूल्य से काफी कम मुआवजा देकर उनकी जमीन हड़पना चाहती है। यह बाईपास पुराना भोजपुर से टेढ़की पुल तक प्रस्तावित है, जिसके लिए बनकट, पुरैनी, डुमरांव और भोजपुर कदीम मौजा की जमीन का अधिग्रहण किया जाना है। किसानों का कहना है कि सरकार 2014-15 के सर्किल रेट के आधार पर मुआवजा तय कर रही है, जबकि वर्तमान में इन जमीनों का बाजार मूल्य कहीं अधिक है। स्थानीय किसानों के अनुसार, जिस जमीन की मौजूदा कीमत लगभग 15 लाख रुपए प्रति कट्ठा है, उसके बदले सरकार केवल एक लाख रुपए प्रति कट्ठा के आसपास मुआवजा दे रही है।

49 लाख 5 हजार 972 रुपए की राशि निर्धारित कीः किसान बेंद्र तिवारी ने बताया कि उनकी लगभग 0.4942 हेक्टेयर (करीब दो बीघा) जमीन के लिए सरकार ने 49 लाख 5 हजार 972 रुपए की राशि निर्धारित की है। उनका कहना है कि यह राशि वर्तमान बाजार दरों के मुकाबले बेहद कम है। तिवारी ने आरोप लगाया कि सरकार जमीन की रजिस्ट्री के समय नए सर्किल रेट के अनुसार टैक्स वसूलती है, लेकिन मुआवजा पुराने रेट पर देती है, जो पूरी तरह अन्यायपूर्ण है।

पिछले चार वर्षों में केवल 78 प्रतिशत भूमि का ही अधिग्रहणः किसानों के अनुसार, इसी भेदभावपूर्ण नीति के कारण पिछले चार वर्षों में केवल 78 प्रतिशत भूमि का ही अधिग्रहण हो सका है। नतीजतन, चार साल बीत जाने के बावजूद बाईपास निर्माण का कार्य शुरू नहीं हो पाया है। इस बाईपास से क्षेत्र के यातायात दबाव को कम करने और विकास को गति मिलने की उम्मीद थी, लेकिन मुआवजा विवाद के चलते परियोजना ठप पड़ी है।

मुआवजे की दरें सरकार के आदेश के अनुसार तय की गईः इधर, जिला प्रशासन का कहना है कि मुआवजे की दरें सरकार के आदेश के अनुसार तय की गई हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यदि किसानों को आपत्ति है तो वे अपनी लड़ाई सरकार के स्तर पर लड़ें। आदेशानुसार भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। हालांकि किसानों का कहना है कि जब तक उन्हें वर्तमान सर्किल रेट के अनुसार उचित मुआवजा नहीं मिलेगा, तब तक वे किसी भी कीमत पर अपनी जमीन नहीं देंगे।

संदिग्ध हालत में रिटायर्ड इंजीनियर की मौत

निज संवाददाता। आरा

भोजपुर में संदिग्ध हालत में रिटायर्ड इंजीनियर की मौत हो गई। परिवार के सदस्यों ने ठंड लगने से मौत की आशंका जताई है। हालांकि इसकी पुष्टि नहीं है। मृतक की पहचान नरेश शर्मा(62) के तौर पर हुई है। पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर स्थित स्टील प्लांट में इंजीनियर थे घटना पीरो थाना क्षेत्र के इटिमहां गांव की है। परिजनों ने बताया कि शुक्रवार की शाम अपने कमरे में लेटे हुए थे। अचानक बेड से नीचे गिर गए और छटपटाने लगे। तुरंत प्राइवेट अस्पताल लेकर गए। वहां से रेफर कर दिया। सदर अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। इसके बाद डेड बॉडी लेकर घर आ गए।

घर में मचा कोहरामः परिवार में पत्नी शांति देवी और एक पुत्र शिव बसंत शर्मा है। शिव बसंत शर्मा झारखंड के धनबाद में डॉक्टर हैं। मौत की खबर सुनते ही घर में कोहराम मच गया। परिवार के सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

मजदूर की कर्मनाशा नदी में डूबने से मौत

♦ बक्सर में पैर फिसलने से गहरे पानी में गिरा, पुलिस जांच में जुटी

निज संवाददाता। बक्सर

बक्सर के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बनारपुर गांव में कर्मनाशा नदी में डूबने से एक मजदूर की मौत हो गई। मृतक की पहचान चुन्नी लाल चौधरी (पिता स्व. कवल चौधरी) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, शनिवार सुबह चुन्नी लाल चौधरी किसी काम से कर्मनाशा नदी के पास गए थे। वहां उनका पैर फिसल गया और वे असंतुलित होकर गहरे पानी में गिर गए। नदी में पानी अधिक होने के कारण वे बाहर नहीं निकल पाए और डूबने लगे।

लोगों ने डूबते देख शोर मचाया और बचाने का प्रयास कियाः मौके पर मौजूद लोगों ने उन्हें डूबते देख शोर मचाया और बचाने का प्रयास किया। स्थानीय लोगों ने काफी मशक्कत के बाद चुन्नी लाल चौधरी को नदी से बाहर निकाला। उन्हें तुरंत इलाज के लिए ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही मुफस्सिल थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर कानूनी प्रक्रिया पूरी की और पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

परिवार के मुख्य कमाऊ सदस्य थेः मृतक चुन्नी लाल चौधरी गांव में मजदूरी का काम करते थे और अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। परिजनों के अनुसार, वह परिवार के मुख्य कमाऊ सदस्य थे, जिससे उनके निधन के बाद परिवार की आर्थिक स्थिति गंभीर संकट में आ गई है। मुफस्सिल थाना अध्यक्ष शंभू भगत ने बताया कि शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस मामले की आगे की कार्रवाई और जांच में जुटी हुई है। इस बीच, स्थानीय ग्रामीणों ने पीड़ित परिवार के लिए मुआवजे की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि गरीब मजदूर परिवार को सरकार की ओर से आर्थिक सहायता मिलनी चाहिए।

बसपा ने 3 वरिष्ठ नेता को किया निष्कासित

निज संवाददाता। बक्सर

♦ पूर्व प्रत्याशी अभिमन्यु सिंह कुशवाहा समेत 2 शामिल, जेपी यादव बोले-वीडियो को आधार बनाकर हुई कार्रवाई

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने नववर्ष के अवसर पर संगठनात्मक अनुशासनहीनता के आरोप में तीन वरिष्ठ नेताओं को निष्कासित कर दिया है। प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर बसपा जिलाध्यक्ष महावीर यादव ने यह कार्रवाई की। निष्कासित नेताओं में सदर विधानसभा से पूर्व प्रत्याशी अभिमन्यु सिंह कुशवाहा, पूर्व प्रदेश महासचिव जे.पी. यादव और रमेश राजभर शामिल हैं। जिलाध्यक्ष द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इन तीनों नेताओं पर पार्टी में अनुशासनहीनता, गुटबाजी को बढ़ावा देने और अन्य राजनीतिक दलों से साठगांठ कर पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के गंभीर आरोप हैं। प्रदेश नेतृत्व ने इन गतिविधियों को पार्टी की विचारधारा और संगठनात्मक एकता के विरुद्ध मानते हुए कार्रवाई का निर्देश दिया था।

संगठन को कमजोर करने वालों के खिलाफ कार्रवाईः प्रेस विज्ञप्ति में यह भी स्पष्ट किया गया कि पार्टी की छवि को नुकसान पहुंचाने और संगठन को कमजोर करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। बसपा नेतृत्व ने कहा है कि पार्टी में अनुशासन सर्वोपरि है और पार्टी लाइन से हटकर काम करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। निष्कासित नेताओं में शामिल अभिमन्यु सिंह कुशवाहा बिहार बसपा के प्रदेश महासचिव रह चुके हैं। वे विधानसभा चुनाव 2025 में बक्सर विधानसभा सीट से बसपा के प्रत्याशी थे, जहां उन्होंने 29,118 मत प्राप्त कर तीसरा स्थान हासिल किया था। एक प्रमुख चेहरे पर हुई इस कार्रवाई को संगठन के भीतर एक बड़ा संदेश माना जा रहा है।

वीडियो को आधार बनाकर हुई कार्रवाईः इस बीच, निष्कासित नेता जे.पी. यादव ने कार्रवाई पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि जिस वीडियो को आधार बनाकर यह कार्रवाई की गई है, उसमें कई लोग शामिल थे। यादव ने आरोप लगाया कि यह कार्रवाई केवल अतिपिछड़ा वर्ग से जुड़े नेताओं पर ही क्यों की गई, यह समझ से परे है। उनके इस बयान के बाद यह मामला और गरमा गया है। कुल मिलाकर, नववर्ष के पहले ही दिन बसपा की इस सख्त कार्रवाई ने जिले की सियासत में नई चर्चाओं को जन्म दे दिया है। राजनीतिक जानकार इसे संगठन को मजबूत करने की कोशिश के साथ-साथ आगामी चुनावी रणनीति से भी जोड़कर देख रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

शराबी पति पर केस कर पत्नी ने भिजवाया जेल

मसौढ़ी। थाना क्षेत्र के नूरा पंचायत के भीमपुरा गांव निवासी राजेश कुमार की पत्नी मंजूषा देवी ने थाने में आवेदन देकर अपने पति को आरोपित करते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई है.आवेदन में लिखा है कि मंजूषा देवी का पति राजेश कुमार शराब पीकर हमेशा गांव में हो हल्ला हंगामा करते हैं.साथ ही घर में आकर भी हंगामा करते रहते हैं। हमेशा गाली देना व मारपीट करना उनकी आदत बन चुकी है। इनकी आदत में कोई सुधार नहीं हो रहा है. शनिवार की सुबह में भी शराब पीकर हंगामा कर रहे थे तो पत्नी मंजूषा देवी ने 112 पर डायल कर पुलिस को बुलवाई. पुलिस मौके पर पहुंचकर राजेश कुमार को हिरासत में ले लिया और जांच कराने के बाद शराब के नशे की पुष्टि हुई. उसके बाद राजेश कुमार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

स्कूलों में बच्चों को मिलेगी संगीत की औपचारिक शिक्षा, वाद्य यंत्रों से कराया जाएगा परिचय

मसौढ़ी। प्रखंड क्षेत्र के सरकारी विद्यालयों में अब पढ़ाई के साथ-साथ संगीत शिक्षा को भी बढ़ावा दिया जाएगा। इसके तहत प्राथमिक, मध्य और उच्च माध्यमिक विद्यालयों को विभिन्न प्रकार के वाद्य यंत्र उपलब्ध कराए गए हैं, ताकि बच्चों में सांस्कृतिक रुचि विकसित हो सके। प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी श्रीकुमार ने बताया कि शिक्षा विभाग की ओर से विद्यालयों में हारमोनियम, तबला, ढोलक, बांसुरी सहित अन्य पारंपरिक वाद्य यंत्र भेजे गए हैं। इन वाद्य यंत्रों के माध्यम से छात्रों को संगीत की बुनियादी और व्यावहारिक जानकारी दी जाएगी। योजना के तहत प्रत्येक प्रखंड के एक माध्यमिक या उच्च माध्यमिक विद्यालय में बैंड टीम का गठन किया जाएगा। इसका उद्देश्य छात्रों को मंचीय प्रस्तुति और सामूहिक संगीत अभ्यास से जोड़ना है। इससे बच्चों में आत्मविश्वास और टीमवर्क की भावना विकसित होगी। बीईओ ने बताया कि सभी चयनित विद्यालयों में म्यूजिक डेस्क का निर्माण कराया जाएगा, जहां छात्र नियमित रूप से संगीत का अभ्यास कर सकेंगे। यहां उन्हें हारमोनियम, तबला, झाल, करताल जैसे वाद्य यंत्र बजाने का प्रशिक्षण दिया जाएगा। वाद्य यंत्र उपलब्ध होने के बाद सप्ताह में तीन दिन संगीत की कक्षाएं संचालित की जाएंगी। खास तौर पर पारंपरिक और विलुप्त होती लोक विधाओं को बच्चों तक पहुंचाने पर जोर दिया जाएगा। संगीत शिक्षकों द्वारा बिहारी लोक गीतों और सांस्कृतिक धरोहर से जुड़े गीतों को सिखाया जाएगा। इस योजना में बालिकाओं की भागीदारी को विशेष रूप से प्रोत्साहित किया जाएगा। शिक्षा विभाग का मानना है कि संगीत के माध्यम से छात्राओं में आत्मअभिव्यक्ति और रचनात्मकता का विकास होगा। बीईओ ने कहा कि यह पहल बच्चों के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे शिक्षा के साथ संस्कार और संस्कृति भी मजबूत होगी।

नेशनल हेल्थ मिशन कर्मियों को चार माह से नहीं मिला वेतन, भुखमरी

अस्पताल में पदस्थापित गार्ड कर्मियो का भी चार से है बकाया

राजपुर। प्रखंड मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र समेत उपकेन्द्रों पर नेशनल हेल्थ मिशन अंतर्गत पदस्थापित कर्मियों को विगत चार माह से वेतन भुगतान नहीं प्राप्त हुआ है.जिस कारण उनके परिवार के समक्ष भुखमरी की स्थिति बन गई है.मिशन अन्तर्गत कार्यरत अस्पताल मैनेजर, कोआर्डिनेटर समेत अन्य कर्मी परेशानी में हैं. अस्पताल मैनेजर संदीप कुमार ने बताया कि नेशनल हेल्थ मिशन कर्मियों समेत ईलाइट फालकन प्राइवेट लिमिटेड कम्पनी अन्तर्गत कार्यरत अस्पताल के गार्ड कर्मियो को भी चार माह से मानदेय का भुगतान नहीं प्राप्त हुआ है.सभी का परिवार खर्च वहन करने मामले में परेशानी में है. मामले में अस्पताल के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डा सुमित कुमार ने बताया कि वेतन भुगतान के लिए डिमांड प्रत्येक माह जिला कार्यालय को भेजी जाती है.

19 लीटर देसी व विदेशी शराब के साथ तीन धंधेबाज गिरफ्तार

गुप्त सूचना पर पुलिस की छापेमारी, बिहार मद्य निषेध अधिनियम के तहत कार्रवाई

करगहर (रोहतास)। करगहर थाना क्षेत्र के धनेज गांव में शुक्रवार की देर शाम पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर 19 लीटर देसी व विदेशी शराब के साथ तीन शराब धंधेबाजों को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई से अवैध शराब कारोबारियों में हड़कंप मच गया है। इस संबंध में प्रभारी थानाध्यक्ष अभिषेक कुमार ने बताया कि पुलिस को धनेज गांव में अवैध रूप से शराब भंडारण और बिक्री की सूचना मिली थी। सूचना के सत्यापन के बाद पुलिस टीम का गठन कर गांव में छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान धनेज निवासी अबु अंसारी, गुलशन कुमार गुप्ता उर्फ टप्पू गुप्ता तथा पप्पू कुमार गुप्ता के घरों से कुल 19 लीटर शराब बरामद की गई। इसमें 9 लीटर अंग्रेजी शराब तथा 10 लीटर देसी महुआ शराब शामिल है, जिसे घर में छुपाकर रखा गया था। पुलिस ने मौके से तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर थाना लाया। प्रभारी थानाध्यक्ष ने बताया कि तीनों के विरुद्ध बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद संशोधित अधिनियम के तहत थाना कांड संख्या-02/26 दर्ज कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी करते हुए न्यायालय में प्रस्तुत कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि अवैध शराब कारोबार के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और किसी भी सूरत में शराब तस्करी व बिक्री को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

विराट रामायण मंदिर में स्थापित होगा दुनिया का सबसे बड़ा शिवलिंग

निज संवाददाता। पटना

बिहार में हुआ भव्य प्रवेश

दुनिया के सबसे बड़े शिवलिंग की स्थापना पूर्वी चंपारण जिले के मोतिहारी अंतर्गत कल्याणपुर प्रखंड के कैथवलिया गांव स्थित जानकीनगर में निर्माणाधीन विराट रामायण मंदिर में की जाएगी। तमिलनाडु के महाबलीपुरम से रवाना किया गया यह विराट शिवलिंग 38 दिनों की लंबी यात्रा तय कर अब बिहार में प्रवेश कर चुका है। शनिवार को यह विशेष वाहन के माध्यम से गोपालगंज जिले पहुंचा, जहां श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव के साथ इसका भव्य स्वागत किया। शिवलिंग के आगमन की सूचना मिलते ही दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़ पड़े। लोगों ने तिलक लगाकर, आरती उतारकर और फूल-अक्षत अर्पित कर पूजा-अर्चना की। जहां-जहां वाहन रोका गया, वहां श्रद्धालुओं की भीड़ स्वतः जुटती चली गई और पूरा माहौल हर-हर महादेव के जयघोष से गूंज उठा।

महावीर स्थान न्यास समिति के सचिव सायण कुणाल के हवाले से पीआरओ राजीव कुमार ने बताया कि तमिलनाडु से रवाना होने के बाद शिवलिंग आंध्रप्रदेश, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश होते हुए बिहार में प्रवेश कर चुका है। बिहार में प्रवेश के बाद यह आरा, सकड्डी, छपरा, मसरख, मोहम्मदपुर, कजरिया और केसरिया सहित 10 से 15 प्रमुख स्थानों पर श्रद्धालुओं के दर्शन और स्वागत के लिए रुकेगा, इसके बाद इसे विराट रामायण मंदिर लाया जाएगा।

बताया गया कि यह विराट शिवलिंग जनवरी महीने में मोतिहारी पहुंचने की संभावना है। यात्रा के दौरान जिस भी स्थान पर शिवलिंग ले जा रहे वाहन को रोका जा रहा है, वहां श्रद्धालु बड़ी संख्या में पहुंचकर पूजा-अर्चना कर रहे हैं, जिससे धार्मिक उत्साह चरम पर है। गौरतलब है कि इस शिवलिंग का निर्माण तमिलनाडु के महाबलीपुरम स्थित पट्टीकाडु गांव में पिछले दस वर्षों से किया जा रहा था। यह 33 फीट ऊंचा शिवलिंग ब्लैक ग्रेनाइट पत्थर से निर्मित है। 21 नवंबर को इसे 96 चक्कों वाले विशेष ट्रक के माध्यम से सड़क मार्ग से पूर्वी चंपारण के लिए रवाना किया गया था। इस अवसर पर गांव के लोग भी भावुक माहौल में विदाई कार्यक्रम में शामिल हुए थे।

शिवलिंग निर्माण से जुड़ी कंपनी के अनुसार, इसके निर्माण पर करीब तीन करोड़ रुपये की लागत आई है। विराट रामायण मंदिर परिसर में इसकी स्थापना के बाद यह न केवल बिहार बल्कि पूरे देश के लिए आस्था और आकर्षण का बड़ा केंद्र बनेगा। जनवरी में शिवलिंग के मंदिर परिसर में पहुंचते ही विधिवत स्थापना की प्रक्रिया शुरू की जाएगी, जिसे लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है।

डिजिटल तकनीक से दवा आपूर्ति में पारदर्शिता, बिहार देश में शीर्ष पर: मंगल पांडेय

निज संवाददाता। पटना

बिहार में स्वास्थ्य संस्थानों तक दवाओं की आपूर्ति को पूरी तरह डिजिटल तकनीक से जोड़ा गया है, जिससे अब दवा वितरण की हर प्रक्रिया की ऑनलाइन मॉनीटरिंग संभव हो गई है। स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने बताया कि राज्य के 14 हजार 337 स्वास्थ्य संस्थानों को ड्रग्स एंड वैक्सीन डिस्ट्रीब्यूशन मैनेजमेंट सिस्टम (डीवीडीएमएस) से पूरी तरह सूचीबद्ध कर दिया गया है। इस व्यवस्था के तहत दवाओं की आपूर्ति, उपलब्धता और खपत की जानकारी रियल टाइम में प्राप्त की जा रही है।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि डिजिटल तकनीक के माध्यम से दवा आपूर्ति प्रणाली को पारदर्शी, प्रभावी और जवाबदेह बनाया गया है, ताकि किसी भी स्तर पर दवाओं की कमी न हो और जरूरतमंद मरीजों को समय पर मुफ्त दवा उपलब्ध कराई जा सके। उन्होंने बताया कि भारत सरकार के डीवीडीएमएस पोर्टल पर विगत 16 महीनों से बिहार देश में प्रथम स्थान पर बना हुआ है, जो राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था की बड़ी उपलब्धि है।

मंगल पांडेय ने कहा कि डीवीडीएमएस के सफल क्रियान्वयन से अब राज्य में दवाओं की पूरी आपूर्ति श्रृंखला की ऑनलाइन निगरानी की जा रही है। इससे अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, अनुमंडलीय अस्पताल और जिला अस्पतालों तक दवा की उपलब्धता, खपत और मांग का वास्तविक समय में आकलन संभव हो पाया है।

उन्होंने यह भी कहा कि इस डिजिटल व्यवस्था के लागू होने के बाद दवा प्रबंधन में अनियमितताओं की संभावनाएं लगभग समाप्त हो गई हैं। अब यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि जहां जिस दवा की आवश्यकता है, वहां समय रहते उसकी आपूर्ति हो सके। इससे न केवल स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार हुआ है, बल्कि आम लोगों का सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था पर भरोसा भी मजबूत हुआ है।

बिहार की बेटियों पर बयान को लेकर गरमाई राजनीति

राजद महिला मोर्चा का पटना में जोरदार प्रदर्शन

निज संवाददाता। पटना

उत्तराखंड की खेल मंत्री रेखा आर्या के पति द्वारा बिहार की बेटियों को लेकर दिए गए कथित विवादित बयान के बाद प्रदेश की राजनीति में उबाल आ गया है। इस बयान के विरोध में राष्ट्रीय जनता दल की महिला इकाई सड़कों पर उतर आई। शुक्रवार को राजद महिला मोर्चा की ओर से पटना में जोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ता शामिल हुईं। राजद महिला मोर्चा ने प्रदेश कार्यालय से भाजपा कार्यालय तक प्रतिरोध मार्च निकाला। मार्च के दौरान महिला कार्यकर्ताओं ने भाजपा और उत्तराखंड सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और बिहार की बेटियों के सम्मान की रक्षा की मांग की। प्रदर्शन के दौरान भाजपा का पुतला दहन कर अपना विरोध दर्ज कराया गया। प्रदर्शनकारी महिलाओं का कहना था कि इस तरह के बयान पूरे बिहार की महिलाओं का अपमान हैं और इसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। राजद महिला नेत्रियों ने चेतावनी दी कि यदि खेल मंत्री के पति 20 दिनों के भीतर सार्वजनिक रूप से बिहार की बेटियों से माफी नहीं मांगते हैं, तो उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। महिला मोर्चा ने साफ कहा कि जरूरत पड़ी तो इस मामले को लेकर हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया जाएगा। उनका

कहना है कि यह मामला केवल राजनीति तक सीमित नहीं है, बल्कि महिलाओं के सम्मान और आत्मसम्मान से जुड़ा हुआ है। प्रदर्शन कर रही महिला नेताओं ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से भी पूरे मामले में हस्तक्षेप की मांग की। उन्होंने कहा कि बिहार की बेटियों के खिलाफ दिए गए बयान पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि भविष्य में कोई भी इस तरह की टिप्पणी करने से पहले सौ बार सोचे। राजद महिला मोर्चा ने स्पष्ट किया कि महिलाओं के सम्मान से जुड़े मुद्दों पर किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा।

शराब बेचने के मामलों में लंबे समय से फरार चल रहे चार फरार आरोपी गिरफ्तार

निज संवाददाता। नौबतपुर, पटना

नौबतपुर थाना क्षेत्र में शराबबंदी कानून को सख्ती से लागू करते हुए पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। शराब बेचने के मामलों में लंबे समय से फरार चल रहे चार आरोपियों को शनिवार को गिरफ्तार कर लिया गया। सभी आरोपियों को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया के बाद न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार, तिसखोरा गांव निवासी भोला मांझी और भूचर मांझी नौबतपुर थाना कांड संख्या 678/21 के तहत शराब बिक्री के एक मामले में लंबे समय से फरार थे। वहीं, इसी गांव के सतीश मांझी और रामाधार मांझी कांड संख्या 141/25 में शराब कारोबार से जुड़े मामले में वांछित चल रहे थे। इन चारों की गिरफ्तारी को लेकर पुलिस लगातार प्रयास कर रही थी। शनिवार को नौबतपुर थाना पुलिस को गुप्त सूचना मिली, जिसके आधार पर तिसखोरा गांव में विशेष छापेमारी अभियान चलाया गया। पुलिस टीम ने योजनाबद्ध तरीके से गांव के अलग-अलग ठिकानों पर दबिश दी और चारों आरोपियों को धर दबोचा। गिरफ्तारी के बाद उन्हें थाने लाकर पूछताछ की गई और आवश्यक कागजी कार्रवाई पूरी की गई। नौबतपुर थाना प्रभारी संजीत कुमार ने बताया कि बिहार में लागू पूर्ण शराबबंदी कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ पुलिस लगातार अभियान चला रही है। फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम गठित की गई थी, जिसके सतत प्रयासों से यह सफलता मिली। उन्होंने स्पष्ट कहा कि शराब की बिक्री, परिवहन या भंडारण में संलिप्त किसी भी व्यक्ति को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

थाना प्रभारी ने आम लोगों से भी सहयोग की अपील करते हुए कहा कि यदि कहीं भी अवैध शराब से जुड़ी गतिविधि की जानकारी मिले तो तुरंत पुलिस को सूचित करें। पुलिस प्रशासन शराबबंदी कानून को प्रभावी रूप से लागू करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और भविष्य में भी ऐसे अभियानों को और तेज किया जाएगा।

पटना सिटी में बेखौफ अपराधियों की फायरिंग, गैराज को बनाया निशाना, 7 राउंड चली गोलियां

निज संवाददाता। पटना

पटना सिटी के चौक थाना क्षेत्र अंतर्गत बंगाली कॉलोनी में गुरुवार रात उस वक्त अफरातफरी मच गई, जब बाइक सवार अपराधियों ने एक गैराज में घुसकर अंधाधुंध गोलीबारी कर दी। अचानक हुई फायरिंग से इलाके में दहशत फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने घटनास्थल से पांच खोखे बरामद किए हैं, जबकि स्थानीय लोगों का कहना है कि गोलियों की आवाज देर रात तक इलाके में गूंजती रही।

बाइक से पहुंचे बदमाश, गाली-गलौज के बाद शुरू की फायरिंग: गैराज मालिक मोहम्मद पिंटू ने बताया कि 31 जनवरी की रात करीब 10 बजे दो युवक बाइक से उनके गैराज में दाखिल हुए। आते ही दोनों ने गाली-गलौज शुरू कर दी और बिना किसी चेतावनी के फायरिंग करने लगे। पिंटू के अनुसार अपराधियों ने लगातार 6 से 7 राउंड गोलियां चलाईं और फिर तेज रफ्तार में फरार हो गए। घटना के समय गैराज में मौजूद लोग किसी तरह जान बचाकर इधर-उधर छिप गए। गनीमत रही कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ, लेकिन गैराज और आसपास की दीवारों पर गोलियों के निशान देखे गए।

पुराने विवाद में वारदात को अंजाम देने की आशंका: पीड़ित गैराज मालिक ने बताया कि करीब दो महीने पहले उनके छोटे भाई का मोहल्ले के एक टोटो चालक से विवाद हुआ था। उसी विवाद को लेकर पहले भी धमकी मिली थी। पिंटू ने आशंका जताई है कि उसी रंजिश के चलते सुनियोजित तरीके से इस गोलीबारी की घटना को अंजाम दिया गया है।

सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस: चौक थाना प्रभारी राज किशोर कुमार ने बताया कि घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज जुटाए गए हैं। फुटेज में बाइक सवार अपराधियों के भागने की तस्वीरें कैद हुई हैं। पुलिस उनकी पहचान करने में जुटी हुई है। उन्होंने बताया कि पीड़ित की ओर से 1 जनवरी को लिखित आवेदन दिया गया है, जिसके आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।

वाल्मीकिनगर में 150वीं नारायणी गंडकी महा आरती का भव्य आयोजन, गूंजे जयकारे

निज संवाददाता। वाल्मीकिनगर

वाल्मीकिनगर के भारत-नेपाल सीमा पर स्थित बेलवा घाट परिसर में 150वीं नारायणी गंडकी महा आरती कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। अंतरराष्ट्रीय न्यास स्वरांजलि सेवा संस्थान की ओर से आयोजित इस विशेष महा आरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालु, समाजसेवी, कलाकार और पर्यटक शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि ग्राम पंचायत राज जिमरी नौतनवां के मुखिया खूबलाल बड़घडिया तथा विशिष्ट अतिथियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में कहा कि नारायणी गंडकी तट पर आकर मन को अद्भुत शांति और आध्यात्मिक ऊर्जा की अनुभूति होती है। समाजसेवी एवं संस्था के मैनेजिंग डायरेक्टर संगीत आनंद ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और संवर्धन को लेकर जन जागरूकता बढ़ाना संस्था का मुख्य उद्देश्य है। इसी क्रम में कार्यक्रम के दौरान पौधों का वितरण भी किया गया। कुमार फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष आकाश कुमार के सौजन्य से पौष्टिक आहार न्यूट्रिमिक्स का वितरण किया गया। संस्था की ओर से मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथियों को अंगवस्त्रम भेंट कर सम्मानित किया गया। कथा, पूजा और हवन के माध्यम से विश्व शांति की कामना की गई। हरिद्वार कुमार ने कहा कि नूतन वर्ष 2026 की यह पहली महा आरती है और नए साल के दूसरे दिन आयोजित यह कार्यक्रम कई मायनों में विशेष है। रुद्र नेचुरल साबुन एवं शहद निर्माता सत्येंद्र सिंह और सुमन सिंह ने बताया कि वे महिलाओं को शहद निर्माण का प्रशिक्षण देकर उन्हें आत्मनिर्भर बना रहे हैं। अभिनेता सोनू चौधरी ने स्वरांजलि सेवा संस्थान द्वारा संचालित चलंत दरिद्र नारायण भोज और नारायणी गंडकी महा आरती कार्यक्रम की सराहना करते हुए इसे समाज सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। धमाका फिल्म्स के निर्माता अरविंद अकेला ने कहा कि यह महा आरती कार्यक्रम नवोदित कलाकारों के लिए एक सशक्त मंच बनकर उभर रहा है। कार्यक्रम में उपस्थित सभी श्रद्धालुओं ने मानव सेवा और प्राकृतिक धरोहरों की रक्षा का संकल्प लिया। आयोजन को सफल बनाने में जय कुमार, सत्येंद्र-सुमन, खूबलाल बड़घडिया, निर्माता अरविंद अकेला, फौजी चंद्र मोहन तिवारी और फौजी विद्यासागर राणा का योगदान सराहनीय रहा। नूतन वर्ष के दूसरे दिन बड़ी संख्या में बाहरी पर्यटक भी महा आरती में शामिल हुए। महाआरती के दौरान नारायणी गंडकी माता की जय, गंगा मैया की जय, वाल्मीकि धाम की जय और त्रिवेणी धाम की जय के नारों से पूरा क्षेत्र भक्तिमय माहौल में डूबा रहा। आचार्य पंडित अनिरुद्ध द्विवेदी ने पौष पूर्णिमा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संगम तट पर महा आरती, कथा, पूजा और हवन करने से विशेष पुण्य की प्राप्ति होती है। कार्यक्रम का संचालन संगीत आनंद ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन केदार महतो ने किया। विशेष योगदान के लिए नेपाल के धर्मपाल गुरु वशिष्ठ जी महाराज, पवन भट्टराई, समाजसेवी डॉ. संजय कुमार, स्मृति शेष शिक्षाविद राधेश्याम पांडे और संरक्षक विजय कुमार की सराहना की गई। इस अवसर पर गायक-कलाकारों सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। शांति मंत्र के साथ कार्यक्रम का विधिवत समापन किया गया।

जनवरी में सनातन परंपरा के प्रमुख पर्व, शुभ योगों से बढ़ेगा धार्मिक महत्व

निज संवाददाता। पटना

नववर्ष 2026 का पहला महीना जनवरी सनातन धर्मावलंबियों के लिए विशेष धार्मिक महत्व लेकर आ रहा है। इस महीने पौष पूर्णिमा से लेकर बसंत पंचमी तक कई प्रमुख पर्व और व्रत पड़ रहे हैं, जो शुभ नक्षत्रों और विशेष योगों के कारण और भी फलदायी माने जा रहे हैं। जनवरी माह में पौष पूर्णिमा, मकर संक्रांति, मौनी अमावस्या, गुप्त नवरात्र का आरंभ, बसंत पंचमी और अचला सप्तमी जैसे महत्वपूर्ण पर्व मनाए जाएंगे। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार इन पर्वों के दौरान बनने वाले शुभ संयोग साधना, स्नान-दान और पूजा-पाठ के लिए अत्यंत उत्तम हैं।

पौष पूर्णिमा से होगी धार्मिक आयोजनों की शुरुआत: आचार्य राकेश झा के अनुसार पौष मास की पूर्णिमा शनिवार को आर्द्रा नक्षत्र और ब्रह्म योग में मनाई जाएगी। यह तिथि सूर्य और चंद्र के विशेष संयोग का प्रतीक मानी जाती है। पौष मास में सूर्य उपासना का विशेष महत्व है। इस दिन पवित्र नदियों में स्नान, दान-पुण्य और सूर्य को अर्घ्य देने से आध्यात्मिक लाभ मिलता है। मान्यता है कि गंगा स्नान से तन, मन और आत्मा की शुद्धि होती है।

14 जनवरी को मकर संक्रांति, समाप्त होगा खरमास: ज्योतिषाचार्य झा ने बताया कि 14 जनवरी को मकर संक्रांति का पर्व अनुराधा नक्षत्र और सर्वार्थ सिद्धि अमृत योग के शुभ संयोग में मनाया जाएगा। इसी दिन सूर्य का मकर राशि में प्रवेश होगा, जिससे खरमास की समाप्ति के साथ सभी मांगलिक कार्यों का शुभारंभ हो जाएगा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार मकर संक्रांति पर गंगा स्नान से विशेष पुण्य की प्राप्ति होती है और सूर्य के उत्तरायण होने से सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

18 जनवरी को मौनी अमावस्या, दान-पुण्य का विशेष अवसर: माघ कृष्ण अमावस्या को 18 जनवरी रविवार के दिन मौनी अमावस्या मनाई जाएगी। इस दिन पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र के साथ हर्षण, सर्वार्थ सिद्धि और जयद् योग का दुर्लभ संयोग बन रहा है। श्रद्धालु मौन व्रत रखकर पवित्र नदियों में स्नान, पूजा और दान करेंगे। इस तिथि पर तिल, वस्त्र, अन्न, कंबल और फल का दान विशेष फलदायी माना गया है।

19 जनवरी से गुप्त नवरात्र का आरंभ: आचार्य राकेश झा के अनुसार माघ शुक्ल प्रतिपदा से 19 जनवरी सोमवार को गुप्त नवरात्र की शुरुआत होगी। यह नवरात्र देवी साधना का विशेष काल माना जाता है, जिसमें दस महाविद्याओं की आराधना की जाती है। गुप्त नवरात्र मुख्य रूप से माता वैष्णो देवी, पराम्बा देवी और कामाख्या देवी की उपासना के लिए समर्पित होता है।

23 जनवरी को बसंत पंचमी, सरस्वती पूजन: माघ शुक्ल पंचमी को 23 जनवरी शुक्रवार के दिन बसंत पंचमी का पर्व मनाया जाएगा। इस दिन विद्या और ज्ञान की देवी सरस्वती की पूजा की जाएगी। ज्योतिषीय गणना के अनुसार इस तिथि पर परिघ योग, शिव योग और रवियोग का शुभ संयोग बन रहा है, जो शिक्षा और बुद्धि-वृद्धि के लिए अत्यंत मंगलकारी माना गया है।

संक्षिप्त समाचार

झारखंड में बादल और कुहासे से बढ़ी ठंड, अधिकतम तापमान में गिरावट

रांची। झारखंड की राजधानी रांची सहित राज्य के कई जिलों में शनिवार को बादल और कुहासे का असर देखा गया। बादल छाए रहने के कारण एक बार फिर कनकनी भरी ठंड लौट आई है। पिछले 24 घंटों के दौरान रांची समेत कई जिलों में अधिकतम तापमान में 01 से 02 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है। शुक्रवार को रांची का अधिकतम तापमान जहां 24.2 डिग्री सेल्सियस था, वहीं शनिवार को यह गिरकर 22.8 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। इसी तरह जमशेदपुर और डाल्टनगंज में भी अधिकतम तापमान में लगभग एक-एक डिग्री की कमी दर्ज की गई। मौसम विभाग ने 5 जनवरी तक राज्य के उत्तरी, पश्चिमी और मध्यवर्ती जिलों में घने कोहरे की संभावना जताई है। इसे देखते हुए विभाग ने शनिवार को येलो अलर्ट जारी किया है। शनिवार सुबह रांची और आसपास के इलाकों में घने बादल छाए रहे और हल्की गति की हवाएं चलीं, जिससे लोगों को काफी ठंड महसूस हुई। ठंड कम होने की उम्मीद में जिन लोगों ने मोटे जैकेट, कंबल और अन्य गर्म कपड़े समेट लिए थे, उन्हें ठंड की वापसी के कारण फिर से निकालना पड़ा। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान 26.8 डिग्री सेल्सियस चाईबासा में दर्ज किया गया, जबकि सबसे कम तापमान 6.6 डिग्री सेल्सियस गुमला में रिकॉर्ड किया गया। शनिवार को रांची में अधिकतम तापमान वॉइस पॉइंट आठ और न्यूनतम 12.3 जमशेदपुर में 25.4 और 10.5 डिग्री, डालटेनगंज में 25.6 और 8.3 डिग्री, बोकारो में 25.1 और 11.2 डिग्री, चाईबासा में 26.8 डिग्री और 11.1 डिग्री, खूंटी में 24.7 और 9.4 डिग्री, लोहरदगा में 21.7 और 10.1 डिग्री, लातेहार में 18.7 और 9.7 डिग्री और सरायकेला में अधिकतम तापमान 26.६ डिग्री और न्यूगनतम तापमान 10.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

जयपाल सिंह मुंडा जयंती पर जेएसएम मेंटरशिप कार्यक्रम का शुभारंभ

रांची। मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा की जयंती पर एसोसिएशन फॉर परिवर्तन ऑफ नेशन (एपीएनए) की ओर से शुक्रवार को रांची में जयपाल सिंह मुंडा (जेएसएम) मेंटरशिप कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर एपीएनए के सचिव मोहम्मद फैजान ने कहा कि जयपाल सिंह मुंडा शिक्षा, नेतृत्व और सामाजिक न्याय के प्रतीक थे। उन्होंने कहा कि यह मेंटरशिप कार्यक्रम उनके विचारों और संघर्षों को आगे बढ़ाने का प्रयास है, ताकि वंचित पृष्ठभूमि के छात्र वैश्विक शिक्षा के मंच तक पहुंच बना सकें। कार्यक्रम की प्रमुख उषा तिरु ने बताया कि चयनित छात्रों को आवेदन प्रक्रिया, छात्रवृत्ति, स्टेटमेंट ऑफ पर्पज (एसओपी) लेखन और साक्षात्कार की तैयारी में निरंतर मार्गदर्शन और मेंटरशिप प्रदान की जाएगी। कार्यक्रम निदेशक हुनर मलिक ने कहा कि हाशिए पर मौजूद समुदायों के छात्रों को जानकारी और उचित मार्गदर्शन के अभाव में कई तरह की बाधाओं का सामना करना पड़ता है। यह कार्यक्रम ऐसी चुनौतियों को कम करने की दिशा में एक सार्थक पहल है। कार्यक्रम समन्वयक सपना गुप्ता ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य दलित और आदिवासी समुदायों के छात्रों को विदेशों में उच्च शिक्षा के अवसरों तक पहुंचने के लिए मार्गदर्शन और सहयोग प्रदान करना है। उन्होंने यह भी कहा कि पहली पीढ़ी और हाशिए पर मौजूद छात्रों के लिए सफलता को केवल प्रवेश या छात्रवृत्ति तक सीमित नहीं किया जा सकता, बल्कि उन्हें दीर्घकालिक सहयोग और मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है। इस अवसर पर नेशनल ओवरसीज स्कॉलरशिप प्राप्तकर्ता मनीष सुरिन, एसओएएस यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन से जुड़े हर्क्यूलिस मुंडा तथा एपीएनए की जनसंपर्क प्रमुख निधि सुमन सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

मनरेगा कानून व नाम में बदलाव के विरोध में कांग्रेस का राज्यव्यापी आंदोलन, सोमवार को रांची में पैदल मार्च

रांची। महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के कानून और योजना के नाम में प्रस्तावित बदलाव के विरोध में झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी 'मनरेगा बचाओ संग्राम' के तहत राज्यव्यापी आंदोलन शुरू करेगी। इसकी शुरुआत सोमवार को रांची में बापू वाटिका (मोरहाबादी) से लोक भवन तक पैदल मार्च के साथ होगी। यह जानकारी प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने शनिवार को पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में दी। कमलेश ने बताया कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर यह आंदोलन तीन चरणों में संचालित किया जाएगा। प्रथम चरण के तहत 08 जनवरी को राज्य प्रभारी के साथ राज्य स्तरीय कांग्रेस नेताओं की तैयारी बैठक होगी। 10 जनवरी को जिला स्तर पर प्रेस वार्ता और 11 जनवरी को उपवास कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। द्वितीय चरण में 12 से 30 जनवरी तक पंचायत स्तर पर चौपाल का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान ग्राम प्रधानों और मनरेगा कार्यकर्ताओं के बीच कांग्रेस अध्यक्ष के पत्रों का वितरण किया जाएगा। इसके साथ ही विधानसभा स्तरीय नुक्कड़ सभाएं और पंपलेट वितरण कार्यक्रम भी चलाए जाएंगे। 30 जनवरी (शहीद दिवस) को मनरेगा कार्यकर्ताओं और आंदोलनकारियों के साथ विशेष बैठक आयोजित की जाएगी।

15 फरवरी को विधानसभा/लोक भवन का घेराव-

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने बताया कि आंदोलन के तीसरे चरण में 31 जनवरी से 06 फरवरी तक जिला स्तरीय 'मनरेगा बचाओ' धरना, जबकि 07 फरवरी से 15 फरवरी तक विधानसभा अथवा लोक भवन का घेराव किया जाएगा। इसके बाद 16 से 25 फरवरी के बीच देश के विभिन्न क्षेत्रों में मनरेगा बचाओ रैली आयोजित की जाएगी। कमलेश ने कहा कि मनरेगा का नाम बदलना ग्रामीण भारत पर सीधा हमला है। पहले योजनाओं का चयन ग्राम सभा और पंचायत स्तर पर होता था, लेकिन अब केंद्र सरकार के नियंत्रण से गांवों की स्वायत्तता समाप्त की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान वीबी-जीरामजी योजना से क्षेत्रीय असंतुलन बढ़ेगा, जो देशहित में नहीं है।

भाजपा की सोच गांधी के विपरीत : किशोर-

प्रेस वार्ता में वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि भाजपा की विचारधारा महात्मा गांधी के मूल्यों के विपरीत है। इसी मानसिकता के कारण गांधी के नाम को हटाकर नई योजना लाई जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ग्रामीण रोजगार, आर्थिक सशक्तिकरण और क्रय शक्ति बढ़ाने के खिलाफ है, जिससे उसकी पूंजीवादी सोच उजागर होती है। वहीं पूर्व मंत्री रामेश्वर उरांव ने कहा कि मनरेगा लागू होने के समय विपक्ष ने भी इसकी सराहना की थी और यह योजना ग्रामीण भारत की तस्वीर बदलने में सफल रही है। प्रेस वार्ता में मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा, सोनाल शांति, कमल ठाकुर और राजन वर्मा भी उपस्थित थे।

पुलिस हिरासत में युवक की मौत

एजेंसी। पूर्वी सिंहभूम

एमजीएम थाना क्षेत्र में पुलिस हिरासत में युवक की मौत के मामले ने तूल पकड़ लिया है। सांसद बिद्युत बरण महतो ने इसे पुलिस प्रताड़ना से हुई हत्या बताते हुए दोषी पुलिसकर्मियों पर कड़ी कार्रवाई और उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। एमजीएम थाना क्षेत्र के गोकुल नगर निवासी जीत महतो की पुलिस हिरासत में हुई मौत को लेकर सनसनीखेज आरोप सामने आए हैं। पीड़ित परिवार ने दावा किया है कि मामले को दबाने के लिए थाना प्रभारी की ओर से दो लाख रुपये दिए गए। इस घटना को लेकर जमशेदपुर के सांसद बिद्युत बरण महतो ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि यह स्वाभाविक मृत्यु नहीं, बल्कि पुलिस प्रताड़ना के कारण हिरासत में की गई हत्या है। घटना की जानकारी मिलते ही सांसद बिद्युत बरण महतो शुक्रवार देर रात गोकुल नगर पहुंचे और मृतक के परिजनों से मुलाकात की। इस दौरान मृतक की मां पूजा महतो ने गिरफ्तारी से लेकर मौत तक की पूरी घटना का जो विवरण दिया, उसे सांसद ने बेहद दर्दनाक और झकझोर देने वाला बताया। सांसद ने कहा कि जीत महतो की गिरफ्तारी की प्रक्रिया ही कई गंभीर सवाल खड़े करती है। सांसद ने यह भी कहा कि युवक की मौत के बाद जिस तेजी से पोस्टमार्टम कराया गया और तुरंत अंतिम संस्कार कर दिया गया, वह भी संदेह के घेरे में है। उन्होंने आरोप लगाया कि मात्र एक छोटे मोबाइल की चोरी के संदेह में पुलिस ने जीत महतो को जबरन हिरासत में लिया, जहां पुलिस प्रताड़ना के कारण उसकी हालत बिगड़ गई और बाद में उसकी मौत हो गई। इसके बाद मामले को सामान्य दिखाने के लिए उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। दो लाख रुपये दिए जाने के आरोप पर सांसद ने सवाल उठाया कि यह राशि किस मद से दी गई, किस अधिकारी की अनुमति से दी गई और क्या झारखंड में एक युवा की जान की कीमत सिर्फ दो लाख रुपये है। उन्होंने कहा कि यह गंभीर जांच का विषय है। सांसद बिद्युत बरण महतो ने झारखंड के पुलिस महानिदेशक से मांग की कि इस मामले में जिम्मेदार सभी पुलिस पदाधिकारियों पर हत्या का मामला दर्ज किया जाए, उन्हें तत्काल निलंबित किया जाए और पूरे प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए। उन्होंने यह भी कहा कि संबंधित थाना प्रभारी का पूर्व इतिहास भी विवादों से जुड़ा रहा है। सांसद ने राज्य सरकार से मांग की कि मृतक अपने परिवार का एकमात्र सहारा था, इसलिए उसके परिवार और नवजात शिशु के भरण-पोषण के लिए समुचित मुआवजा दिया जाए। साथ ही चेतावनी दी कि यदि प्रशासन की ओर से जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन किया जाएगा। परिजनों से मुलाकात के दौरान विनोद राय, रविंद्र सिंह शिशोदिया, सुशील पांडे, अनिमेष सिंहा, मुन्ना मिश्रा, राकेश प्रसाद, महेश सिंह, सुमन श्रीवास्तव और नवनीत तिवारी मौजूद थे।

बुढ़मू हत्याकांड का 48 घंटे में खुलासा, चार अपराधी हथियारों के साथ गिरफ्तार

एजेंसी। रांची

रांची के बुढ़मू थाना पुलिस ने 48 घंटे के भीतर एक सनसनीखेज हत्याकांड का खुलासा करते हुए चार अपराधियों को हथियारों के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों में समीर अंसारी, साहिल टुडू, राम मुर्मू और नरेश मरांडी शामिल हैं। पुलिस ने उनके पास से मैगजीन युक्त देशी पिस्तौल, एक देशी कट्टा, 7.65 बोर के पांच जिंदा कारतूस, 315 बोर की चार जिंदा कारतूस, पांच मोबाइल फोन और एक अपाचे मोटरसाइकिल (जेएच-01 बीएन 3743) बरामद की है। ग्रामीण पुलिस अधीक्षक (एसपी) प्रवीण पुष्कर ने शनिवार को आयोजित प्रेस वार्ता में बताया कि 30 दिसंबर को मोहम्मद एकराम ने बुढ़मू थाना में लिखित आवेदन देकर सूचना दी थी कि उनके भतीजे पियूष उर्फ इबरार अंसारी की अज्ञात अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी है। हत्या के बाद शव को सरईदाह करमबोहा नदी पर बने रेलवे पुल के पास रेलवे ट्रैक के नजदीक फेंक दिया गया था। आवेदन के आधार पर बुढ़मू थाना में मामला दर्ज किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर, पुलिस उपाधीक्षक, खलारी के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम तकनीकी साक्ष्यों और अन्य स्रोतों से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर गहन अनुसंधान कर रही थी। इसी क्रम में 02 जनवरी को सूचना मिली कि कांड में शामिल अपराधी छापर बरवाटोली गांव में मौजूद हैं। सूचना के आधार पर छापेमारी कर समीर अंसारी और साहिल टुडू को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में दोनों ने अपराध स्वीकार कर लिया।

समीर अंसारी ने अपने बयान में बताया कि करीब छह माह पहले उसने मृतक पियूष उर्फ इबरार अंसारी से ढाई लाख रुपये उधार लिए थे। रुपये वापस मांगने पर मृतक लगातार दबाव बना रहा था और धमकी भी दे रहा था। इसी कारण उसने अपने साथियों साहिल टुडू और राम मुर्मू के साथ मिलकर पियूष की गोली मारकर हत्या कर दी और शव को रेलवे ट्रैक के पास फेंक दिया।

आरोपितों ने यह भी बताया कि वारदात में प्रयुक्त हथियार और गोलियां नरेश मरांडी ने हजारीबाग स्थित अपने घर में छिपाकर रखी थीं। इसके बाद पुलिस ने राम मुर्मू और नरेश मरांडी को भी गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।

श्योर सक्सेस कोचिंग सेंटर में मनी सावित्रीबाई फुले की जयंती

एजेंसी। खूंटी

जिले के मुरहू स्थित श्योर सक्सेस कोचिंग सेंटर में शनिवार को देश की प्रथम महिला शिक्षिका और समाज सेविका सावित्रीबाई फुले की जयंती महिला मुक्ति दिवस के रूप में मनाई गई। कार्यक्रम की शुरुआत उनके चित्र पर पुष्प और माल्यार्पण कर की गई। मौके पर संस्थान के निदेशक सकलदीप भगत ने उनकी जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सावित्रीबाई फुले का जन्म 3 जनवरी 1831 को हुआ था। फुले भारत के पहले बालिका विद्यालय की पहली प्रिंसिपल और पहले किसान स्कूल की संस्थापक थीं, जबकि उस दौर में महिलाओं को स्कूल जाना तो दूर, उन्हें घर से बाहर भी नहीं निकलने दिया जाता था। उनको महिलाओं और दलित जातियों को शिक्षित करने के प्रयासों के लिए जाना जाता है। उन्होंने अपने जीवन को एक मिशन की तरह से जीया जिसका उद्देश्य था। उन्होंने कहा कि विधवा विवाह करवाना, छुआछूत मिटाना, महिलाओं की मुक्ति और दलित महिलाओं को शिक्षित बनाना। उनके संघर्ष ने महिलाओं को आत्मविश्वास, स्वावलंबन और समानता की भावना से परिपूर्ण किया। उन्होंने महिलाओं को अपने अधिकारों के बारे में जागरूक किया और उन्हें स्वतंत्र निर्णय लेने की प्रेरणा दी। उन्होंने स्त्री शिक्षा के माध्यम से समाज में बदलाव की बुनियाद रखी। मौके पर कार्तिक, जिया अविनाशी, हर्ष सहित अन्य उपस्थित थे।

उपायुक्त ने ठंड से जूझ रहे जरूरतमंद लोगों के बीच किया कंबल का वितरण

एजेंसी। रांची

कड़ाके की ठंड और सर्द हवाओं के बीच जब पूरा शहर अपने घरों में सिमटा हुआ था, उसी समय उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ठंड से जूझ रहे जरूरतमंद लोगों की पीड़ा समझने और उन्हें राहत देने के लिए स्वयं सड़कों पर उतरे। शुक्रवार की रात के अंधेरे में खुले आसमान के नीचे जीवन गुजारने को मजबूर लोगों के लिए यह पहल किसी उम्मीद की किरण से कम नहीं थी। कर्बला चौक और रांची रेलवे स्टेशन परिसर में उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी मंजूनाथ भजन्त्री ने स्वयं उपस्थित होकर बेसहारा, वृद्ध, महिला एवं जरूरतमंद लोगों के बीच मुलायम, गुणवत्ता-पूर्ण कंबलों का वितरण किया। कंबल पाकर लोगों के चेहरों पर जो सुकून और राहत दिखाई दी, वह इस मानवीय प्रयास की सार्थकता को स्वयं बयान कर रहा था। कई लोगों की आंखों में संतोष और कृतज्ञता के भाव थे। गुणवत्ता पूर्ण कंबल पाकर लोगों ने राज्य सरकार का हृदय से धन्यवाद दिया। कई जरूरतमंदों ने कहा कि इस भीषण ठंड में सरकार की ओर से की गई यह मदद उनके लिए किसी वरदान से कम नहीं है। उन्होंने जिला प्रशासन की संवेदनशीलता की सराहना करते हुए इसे मानवता की मिसाल बताया। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी मंजूनाथ भजन्त्री ने कहा कि ठंड से बचाव केवल प्रशासनिक दायित्व नहीं, बल्कि मानवीय जिम्मेदारी भी है। कोई भी व्यक्ति ठंड के कारण पीड़ा न सहे, यही जिला प्रशासन का प्रयास है। जिला प्रशासन की ओर से ठंड के मौसम में लगातार कंबल वितरण के कार्य किए जा रहे हैं, ताकि समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक भी सरकार की चिंता और संवेदना पहुंचे। यह कंबल वितरण केवल एक सहायता नहीं, बल्कि सरकार और प्रशासन की मानवीय सोच और संवेदनशील दृष्टिकोण का जीवंत उदाहरण है।

जयंती ब्रिज पर दो ट्रकों की आमने-सामने टक्कर में चालक की मौत

एजेंसी। पश्चिमी सिंहभूम

पश्चिमी सिंहभूम जिले में लगातार पड़ रहे घने कोहरे और तेज रफ्तार वाहनों में मानक के अनुरूप एंटी फॉग लैंप नहीं होने के कारण सड़क दुर्घटनाओं का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। इसी कड़ी में शनिवार तड़के करीब 3 बजे चाईबासा–हाता मुख्य सड़क पर जयंती ब्रिज के पास दो मालवाहक ट्रकों के बीच आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। हादसा इतना भीषण था कि दोनों ट्रकों के परखच्चे उड़ गए और एक ट्रक चालक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। इस दुर्घटना में मृतक की पहचान विजय कुमार राय (45) के रूप में हुई है, जो बिहार के छपरा जिले का निवासी था। जानकारी के अनुसार, विजय कुमार राय कोलकाता से ट्रक में माल लेकर चाईबासा की ओर आ रहा था, तभी घने कोहरे के कारण सामने से आ रहे दूसरे मालवाहक ट्रक से उसकी टक्कर हो गई। टक्कर की आवाज इतनी तेज थी कि आसपास के लोग अपने घरों से बाहर निकल आए। हादसे में एक ट्रेलर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, जबकि सड़क पर वाहनों के टूटे हुए पाट्र्स बिखर गए। स्थानीय लोगों ने बताया कि दुर्घटना के समय दोनों गाड़ियों की रफ्तार काफी तेज थी और कोहरे के कारण दृश्यता बेहद कम थी, जिससे चालक एक-दूसरे को समय पर देख नहीं सके। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है और बताया कि जांच के बाद दोषी वाहन चालक के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। लगातार हो रही ऐसी घटनाओं ने एक बार फिर कोहरे के मौसम में यातायात नियमों और सुरक्षा मानकों के पालन पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

सड़क दुर्घटना में एक जवान घायल

एजेंसी। पूर्वी सिंहभूम

पूर्वी सिंहभूम जिला स्थित पोटका थाना क्षेत्र में शुक्रवार देर रात हुए सड़क हादसों ने प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए। मुसाबनी एक ओर ड्यूटी से लौट रहे सीटीसी के जवान सड़क दुर्घटना में घायल हो गए, तो दूसरी ओर तेज रफ्तार डंपर की चपेट में आने से झामुमो नेता की कार क्षतिग्रस्त हो गई। इन घटनाओं के बाद इलाके में देर रात अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। जानकारी के अनुसार, सीटीसी मुसाबनी में प्रशिक्षण ले रहे जवानों को खरसावां में आयोजित एक कार्यक्रम में ड्यूटी के लिए भेजा गया था। कार्यक्रम से लौटते समय शुक्रवार रात करीब 11 बजे पोटका थाना क्षेत्र में एक तेज रफ्तार हाईवा ने जवानों से भरी बस और कार को टक्कर मार दी। इस हादसे में बस में सवार लगभग 15 से 20 जवान आंशिक रूप से जख्मी हो गए। दुर्घटना के बाद जवानों ने तुरंत अपने वरीय अधिकारियों को सूचना दी। कुछ समय बाद सीटीसी मुसाबनी से एक बस मौके पर भेजी गई, जिससे सभी घायल जवानों को सीटीसी परिसर लाया गया। आरोप है कि जवानों की ओर से तत्काल इलाज की मांग किए जाने पर उन्हें सुबह इलाज कराने की बात कही गई। इससे नाराज जवानों ने रात करीब 12 बजे सीटीसी परिसर में हंगामा शुरू कर दिया। जवानों का कहना था कि हादसे के बाद न तो कोई वरीय पदाधिकारी घटनास्थल पर पहुंचा और न ही उनकी स्थिति की जानकारी ली गई। करीब एक घंटे तक चले हंगामे के बाद प्रशासन हरकत में आया और सभी घायल जवानों को बस से एमजीएम अस्पताल भेजा गया। फिलहाल सभी जख्मी जवानों का एमजीएम अस्पताल में इलाज चल रहा है। इस दौरान झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेता बिरजू त्रिपाठी अपने परिवार के साथ कार से पोटका के रायपुर स्थित ससुराल जा रहे थे। कार में उनकी सास, पत्नी, बेटा और बेटी सवार थे। तभी तेज रफ्तार डंपर की चपेट में आने से उनकी कार के साथ एक पुलिस बस भी क्षतिग्रस्त हो गई। हालांकि इस घटना में झामुमो नेता और उनके परिवार के सभी सदस्य बाल-बाल बच गए।

रांची में लापता मासूम भाई-बहन अंश और अंशिका का अब तक नहीं मिला सुराग

रांची। रांची के धुर्वा थाना क्षेत्र अंतर्गत मौसीबाड़ी खटल से लापता हुए दो मासूम भाई-बहन अंश और अंशिका का अब तक कोई सुराग नहीं मिल पाया है। पुलिस उनकी तलाश में लगातार जुटी हुई है। परिजनों के अनुसार, दोनों बच्चे शुक्रवार दोपहर करीब तीन बजे घर से कुछ सामान लेने के लिए निकले थे, लेकिन देर शाम तक वापस नहीं लौटे।

रांची में द्वितीय ऑल इंडिया जजेज बैडमिंटन टूर्नामेंट 2026 का शुभारंभ

एजेंसी। रांची

राजधानी रांची में द्वितीय ऑल इंडिया जजेज बैडमिंटन टूर्नामेंट 2026 का शनिवार को भव्य शुभारंभ हुआ। यह प्रतिष्ठित राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता 03 से 04 जनवरी 2026 तक रांची के खेलगांव स्थित ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव इंडोर स्टेडियम में आयोजित की जा रही है। प्रतियोगिता का उद्घाटन झारखंड उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति तरलोक सिंह चौहान, न्यायमूर्ति रोंगोन मुखोपाध्याय, न्यायमूर्ति अनुभा रावत चौधरी तथा भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान निक्की प्रधान ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।n उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति तरलोक सिंह चौहान ने कहा कि खेल न केवल शरीर को स्वस्थ रखते हैं, बल्कि अनुशासन, टीम भावना और आपसी सहयोग की भावना भी विकसित करते हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन न्यायपालिका के सदस्यों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं और आपसी सौहार्द को भी बढ़ावा देते हैं। इस टूर्नामेंट में देश के नौ विभिन्न उच्च न्यायालयों से आए 31 न्यायाधीश भाग ले रहे हैं। प्रतियोगिता में मेंस सिंगल्स, मेंस डबल्स, विमेंस सिंगल्स और मिक्स्ड डबल्स कुल चार श्रेणियों में मुकाबले खेले जा रहे हैं। इस अवसर पर प्रतियोगिता के सफल आयोजन और बेहतर प्रशासनिक व्यवस्था के लिए जिला प्रशासन, रांची की सराहना की गई। वहीं, न्यायमूर्ति रोंगोन मुखोपाध्याय द्वारा रांची के उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी मंजूनाथ भजंत्री को जिला प्रशासन के सहयोग के लिए सम्मानित किया गया।

कार्यालय, उपायुक्त–सह–जिला द.डाधिकारी, पलामू
(समाज कल्या-ा शाखा)
Email ID - dswopalamau@gmail-com

ज्ञापांक ..../जि0स0क0, पलामू/दिनांक .------------------------------

सूचना पट्ट प्रकाशन के माध्यम से
इच्छा की अभिव्यक्ति

सरकार के अवर सचिव, महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग, झारखंड, रांची के पत्र संख्या–1903, दिनांक–08.08.2024 के }ारा ट्रांसजेण्डर व्यक्ति के लिए गरिमा गृह के संचालन हेतु इच्छुक अर्हता प्राप्त स्वयंसेवी संस्था/गैर सरकारी संस्था से अभिरुचि इच्छा की अभिव्यक्ति (EOI) आमंत्रित की जाती है।

इच्छुक स्वयंसेवी संस्था/गैर सरकारी संस्था दिनांक–15.01.2026 को अपराह्न 04:30 बजे तक प्रस्ताव जिला समाज कल्याण कार्यालय, पलामू में जमा करेंगे। प्राप्त प्रस्ताव दिनांक–16.01.2026 को निर्धारित शर्तो के अधीन तुलनात्मक विवरणी तैयार की जायेगी।

स्वयं सेवी संस्था/गैर सरकारी संस्था द्वारा आवेदन प्रस्तुत करते समय निम्नलिखित शर्तों का पालन अनिवार्य होगा :–

1.Annual Report of last three financial years of Application CBO
2.Audit Report of last three financial years of Application CBO
3.Certified copy of list of beneficiaries of last three financial years (Year wise)
4.Certified copy of applicant NGO Darpan ID as registered on Darpan Portal NITI Ayog.
5.Certified copy of certificate of applicant NGO registration certificate.
6.Certified copy of Memorandum of Association of applicant NGO
7.Certified copy of applicant NGO bank account Mandate form
8.गैर सरकारी संस्था का काली सूची में दर्ज नहीं होने के संबंध में शपथ पत्र के साथ FCRA अनुपालन का शपथ पत्र देना होगा।
9गैर सरकारी संस्थाओं का चयन करने एवं बिना कारण बताए इच्छा अभिव्यक्ति की प्रक्रिया रद्द करने का अधिकार उपायुक्त के पास सुरक्षित होगा।

जिला समाज कल्याण पदाधिकारी,
पलामू

PR 369986 (District)25-26*D

युवती को भगा ले जाने वाले युवक पर ग्रामीणों का हमला

जोधपुर, एजेंसी। राजस्थान के जोधपुर के लूनी इलाके में युवती को भगा ले जाने के आरोपी युवक पर शुक्रवार को ग्रामीणों ने हमला कर उसका हाथ-पांव तोड़ दिया और धारदार हथियार से उसकी नाक काट दी। साथ ही मारपीट कर वाहन तोड़ दिया, इसके बाद हमलावर भाग गए।

लहूलुहान हालत में युवक को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सहायक पुलिस आयुक्त (बोरानाडा) आनंदसिंह राजपुरोहित ने बताया कि पीड़ित दिनेश बिश्नोई आठ दिन पूर्व पड़ोसी गांव की एक युवती को भगा ले गया था। पुलिस व ग्रामीणों के दबाव में उसने गुरुवार को युवती को सौंप दिया।

शुक्रवार दोपहर दिनेश गाड़ी से गांव पहुंचा। उसी समय ग्रामीणों ने उस पर हमला कर दिया। बुरी तरह पिटाई होने से उसके हाथ-पांव में फ्रैक्चर हो गए। आक्रोशित ग्रामीणों ने धारदार हथियार से उसकी नाक भी काट दी। थानाधिकारी सुरेश चौधरी ने बताया कि घायल दिनेश के खिलाफ 26 दिसंबर को युवती को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने की गुमशुदगी दर्ज कराई गई थी। पुलिस के दबाव के बाद युवती गुरुवार शाम थाने पहुंच गई। इससे पहले दिनेश को एनडीपीएस एक्ट में गिरफ्तार किया गया था। परोल पर छूटने के बाद वह फरार हो गया था। वह पाक्सो एक्ट में भी आरोपी है और जमानत पर छूटने के बाद कोर्ट में पेश नहीं हो रहा था।

अंडरवियर छेड़छाड़ केस में 36 साल बाद आएगा फैसला, केरल के विधायक से जुड़ा है मामला

तिरुअनंतपुरम , एजेंसी। बहुचर्चित अंडरवियर छेड़छाड़ केस में 36 साल बाद शनिवार को फैसला आएगा। केरल के वाम मोर्चा विधायक और पूर्व परिवहन मंत्री एंटनी राजू के लिए यह फैसला बेहद खास है। यह फैसला सुप्रीम कोर्ट द्वारा नवंबर 2024 में केरल हाई कोर्ट के उस आदेश को रद करने के लगभग एक साल बाद आ रहा है, जिसमें राजू के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही को निरस्त कर दिया गया था।

सुप्रीम कोर्ट ने पुलिस चार्जशीट का संज्ञान लेने के ट्रायल कोर्ट के फैसले को बहाल कर दिया और निर्देश दिया कि लंबित मुकदमे को एक वर्ष के भीतर पूरा किया जाए। यह मामला 1990 का है, जब ऑस्ट्रेलियाई नागरिक एंड्रयू साल्वाटोर सेर्वेली को तिरुअनंतपुरम हवाई अड्डे पर कथित तौर पर अपने अंडरवियर में 61.5 ग्राम प्रतिबंधित सामग्री छिपाकर तस्करी करने के प्रयास के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। राजू उस समय सेर्वेली के वकील के रूप में पेश हुए थे। ट्रायल कोर्ट ने सेर्वेली को दोषी ठहराया और 10 साल के कारावास की सजा सुनाई। हालांकि, केरल हाई कोर्ट ने सेर्वेली को बरी कर दिया, क्योंकि साक्ष्य के रूप में प्रस्तुत अंडरवियर उसके नाप का नहीं था। सेर्वेली आस्ट्रेलिया लौट गया। वर्षों बाद, आस्ट्रेलियाई राष्ट्रीय केंद्रीय ब्यूरो से प्राप्त जानकारी के आधार पर जांच अधिकारी ने साक्ष्य में कथित छेड़छाड़ की जांच के लिए हाई कोर्ट से संपर्क किया। इसके परिणामस्वरूप 1994 में राजू और एक अदालत क्लर्क के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया गया। 12 साल तक चली लंबी जांच के बाद, सहायक पुलिस आयुक्त ने 2006 में तिरुअनंतपुरम के अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट न्यायालय के समक्ष आरोप पत्र दायर किया, जिसमें राजू पर आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी, बेईमानी से संपत्ति सौंपने के लिए प्रेरित करने और सबूतों को गायब करने का आरोप लगाया गया।

तहसीलों में अवैध रजिस्ट्रियों पर रोक लगेगी

गुड़गांव, एजेंसी। गुरुग्राम। जिले के तहसीलों में अवैध कॉलोनियों की ऑनलाइन रजिस्ट्री पर रोक लगाने और निगरानी के लिए सरकार नए सॉफ्टवेयर लागू किया है, ताकि मिलीभगत से होने वाली अवैध रजिस्ट्रियों को रोका जा सके। सिर्फ वैध कॉलोनियों की रजिस्ट्रियां ही होंगी। गुरुग्राम तहसील में 17 अवैध कॉलोनियों की ऑनलाइन रजिस्ट्री पर नजर रखने के लिए आवश्यक सूचना के बोर्ड लगाया गया है। राजस्व विभाग की ओर से अवैध कॉलोनियों में होने वाली धांधली और फर्जी रजिस्ट्रियों पर अंकुश लगाना है। इसमें पहले डीड राइटर और अधिकारियों की मिलीभगत से अवैध फीस लेकर रजिस्ट्री की जाती थी। इसके लिए ऑनलाइन सॉफ्टवेयर सिस्टम लागू किया गया है, जो सिर्फ वैध कॉलोनियों की रजिस्ट्रियां को ही होने देगा। गुरुग्राम तहसील में लगाए गए आवश्यक बोर्ड में कहा गया है कि गुरुग्राम तहसील के सभी गांव, नगर तथा ग्राम आयोजना विभाग के द्वारा घोषित शहरी क्षेत्र व नियंत्रित क्षेत्र में पड़ते हैं। तहसील गुरुग्राम में नगर तथा ग्राम आयोजना विभाग द्वारा जारी किए गए लाइसेंस जो इस विभाग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। इस क्षेत्र के अलावाद अन्य क्षेत्र बचता है उसमें जो भी अवैध कॉलोनियां विकसित हो रही है।

अलोकतांत्रिक थी आरजी कर पीड़िता को न्याय दिलाने की प्रक्रिया

आंदोलन का प्रमुख चेहरा रहे अनिकेत महतो ने लगाया गंभीर आरोप

कोलकाता, एजेंसी। बंगाल के सरकारी आरजी कर अस्पताल में एक प्रशिक्षु महिला डॉक्टर से दुष्कर्म और हत्या के विरोध में हुए आंदोलन का प्रमुख चेहरा रहे अनिकेत महतो ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि पीड़िता को न्याय दिलाने के लिए गठित वेस्ट बंगाल जूनियर डॉक्टर्स फोरम (डब्ल्यूबीजेडीएफ) के गठन की प्रक्रिया अलोकतांत्रिक व अनुचित थी क्योंकि न्यास के सभी सदस्यों को विश्वास में नहीं लिया गया था।

यह आरजी कर पीड़िता के स्वजन के साथ अन्याय था। मालूम हो कि महतो ने डब्ल्यूबीजेडीएफ के न्यासी मंडल से इस्तीफा दे दिया है। इसका गठन नौ अगस्त, 2024 को महिला डॉक्टर से दरिंदगी की घटना के एक दिन बाद हुआ था।

महतो ने पत्रकारों को बताया कि 37 सदस्यीय डब्ल्यूबीजेडीएफ कार्यकारी समिति के गठन को लेकर उनके और अन्य न्यासियों के बीच मतभेदों के कारण उन्होंने इस्तीफा देने निर्णय लिया है।

जमानत की रकम लौटाने में सहायता के लिए अनुरोधउन्होंने आरोप लगाया कि जिस तरह आरजी कर पीड़िता की दुष्कर्म के बाद हत्या हुई, उसी तरह राज्य राजनीतिक प्रतिशोध के लिए मेरे चिकित्सा पेशे को खत्म करने की कोशिश कर रहा है। मुझे नहीं लगता कि मैं इस राज्य के अधीन काम कर सकता हूं।

अनिकेत का कहना है कि सरकार को एसआर-शिप बांड छोड़ने के लिए 30 लाख रुपये देने होंगे। उन्होंने आम जनता से इस राशि को जुटाने में मदद करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि जूनियर डाक्टर्स फ्रंट छोड़ने पर भी वे आंदोलन और अपने रुख से पीछे नहीं हटेंगे।

सत्तारूढ़ दल प्रतिशोध की भावना वाला न्याय आंदोलन में अहम भूमिका निभाने वालों के प्रति सत्तारूढ़ दल और प्रतिष्ठान को प्रतिशोध की भावना रखने वाला बताते हुए अनिकेत ने कहा कि यह मंच अपने शुरुआती संघर्ष की गति को बरकरार नहीं रख सका।

सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त मेडिकल कॉलेजों तथा अन्य उच्च शिक्षण संस्थानों में व्याप्त धमकी भरे माहौल का मुद्दा अब प्रासंगिक नहीं रह गया है। मुझे मौजूदा मंच में कोई खास प्रासंगिकता नहीं दिखती, जहां मैंने कई बार अपने विचार और चिंताएं व्यक्त की हैं। फिर आरोप लगाया कि महिला चिकित्सक के साथ दरिंदगी की घटना के सुबूत नष्ट कर दिए गए हैं।

तमिलनाडु में खौफनाक वारदात, अज्ञात लोगों ने 53 वर्षीय व्यक्ति को लिव-इन पार्टनर के साथ जिंदा जलाया

तिरुवनमलाई , एजेंसी। तमिलनाडु के तिरुवनमलाई जिले से एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है, जिसमें अज्ञात लोगों ने एक 53 वर्षीय व्यक्ति और उसकी लिव-इन पार्टनर को झोंपड़ी में बंद करके आग लगा दी। इस हादसे में झोंपड़ी में बंद दोनों लोगों की मौत हो गई।

इस खौफनाक वारदात में मृतकों की पहचान चेंगम के पास पक्कीरिपालयम गांव के निवासी किसान पी शक्तिवेल और उसकी लिव-इन पार्टनर 40 वर्षीय एस अमृतम के रूप में हुई है।

तमिलनाडु में गांव वालों ने वारदात को दिया अंजाम: चेंगम इंस्पेक्टर एम सेल्वराज ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि पक्कीरिपालयम में एक झोंपड़ी पूरी तरह जलकर खाक हो गई है। सूचना मिलते ही एक टीम मौके पर पहुंची। टीम को वहां दो शव मिले, जो बुरी तरह जल चुके थे और उनकी पहचान करना मुश्किल था। पुलिस के साथ ही एक फोरेंसिक टीम भी वारदात की जगह पर पहुंची और सुराग जुटाने के लिए घटनास्थल की छानबीन की। इस जांच में एक खोजी कुत्ते की मदद भी ली गई।

पुलिस ने बताया कि शवों का पोस्टमार्टम मौके पर ही किया गया। शुरुआती जांच में पता चला है कि शक्तिवेल तीन साल पहले अपनी पत्नी एस तमिलारसी से अलग हो गए थे। दंपति के दो बेटे और एक बेटी है। उनकी पत्नी अब अपने बच्चों के साथ बेंगलुरु में रहती हैं। सेल्वराज ने बताया कि अमृतम के तीन साल पहले रिश्ता शुरू हुआ था। अमृतम भी अपने पति से अलग रह रही थीं और उनके भी दो बेटे और एक बेटी है। इंस्पेक्टर ने बताया, हमने दो लोगों की संदिग्ध मौत का मामला दर्ज किया है। पति-पत्नी, जो अपने-अपने जीवनसाथी से अलग हो चुके थे, पिछले तीन साल से साथ रह रहे थे। हम दोनों के जीवनसाथियों की इस मामले से जुड़े होने की भी सभी पहलुओं से जांच कर रहे हैं।

महाराष्ट्र में सिर्फ मराठी अनिवार्य: फडणवीस

सीएम बोले- हमें अपनी मातृभाषा का सम्मान करना चाहिए

मुंबई , एजेंसी। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को स्पष्ट किया कि राज्य में केवल मराठी भाषा अनिवार्य होगी, जबकि अन्य भारतीय भाषाएं वैकल्पिक रहेंगी। उन्होंने कहा कि मराठी सिर्फ संवाद का माध्यम नहीं है, बल्कि यह महाराष्ट्र की आत्मा है।

मराठी को बढ़ावा देने का संकल्प: फडणवीस ने कहा कि सरकार मराठी भाषा के संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध है और इसे पूरे भारत में लोकप्रिय बनाने के लिए काम करेगी। उन्होंने कहा कि पंतप्रधान नरेंद्र मोदी ने मराठी को अभिजात भाषा का दर्जा दिया है, और अब इसे व्यापक लोकमान्यता दिलाने का समय है।

विदेशी भाषाओं का स्वागत, भारतीय भाषाओं का सम्मान: फडणवीस ने कहा कि हम अंग्रेजी, फ्रांसिसी और जर्मन जैसी विदेशी भाषाओं का स्वागत करते हैं, लेकिन हमें अपनी मातृभाषा का सम्मान करना चाहिए और अन्य भारतीय भाषाओं को भी बढ़ावा देना चाहिए।

शिक्षा में मराठी की भूमिका: फडणवीस ने कहा कि मराठी शिक्षा में अनिवार्य होगी, और अन्य भाषाओं को वैकल्पिक रूप से पढ़ाया जाएगा। उन्होंने कहा कि डॉ. नरेंद्र जाधव की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया गया है, जो यह तय करेगी कि अन्य भाषाएं किस कक्षा से शुरू की जाएंगी।

एनआइए ने कसा शिकंजा

तीन और आरोपियों के खिलाफ फाइल हुई चार्जशीट; आतंकी हमले का बना रहे थे प्लान

बेंगलुरु , एजेंसी। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) ने पाकिस्तानी आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े 2023 के मामले में एक मनोचिकित्सक सहित तीन आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है।

अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि गुरुवार को बेंगलुरु की एक अदालत में दाखिल दूसरी सहायक चार्जशीट में एनआइए ने अनीस फातिमा, चान पाशा ए. और नागराज एस पर भारतीय दंड संहिता (आइपीसी), अवैध गतिविधियां रोकथाम अधिनियम, विस्फोटक पदार्थ अधिनियम, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम और कर्नाटक जेल अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत आरोप लगाए हैं।

एनआईए ने बेंगलुरु आतंकी मामले में तीन पर चार्जशीट दाखिल की: मामले में जांच कर रही स्थानीय पुलिस से लेकर यह मामला अक्टूबर 2023 में एनआइए को सौंपा गया था। एनआइए ने फरार जुनैद अहमद समेत नौ आरोपितों के खिलाफ इससे पूर्व आरोप पत्र दाखिल किए गए थे।?

अपराधियों से हथियार, गोला-बारूद और डिजिटल उपकरण बरामद होने से जुड़ा यह मामला बेंगलुरु सिटी पुलिस ने जुलाई 2023 में दर्ज किया था। इन अपराधियों ने बेंगलुरु में आतंक फैलाने की साजिश रची थी। उनका इरादा भारत की संप्रभुता एवं सुरक्षा को नुकसान पहुंचाना था। ये गतिविधियां बड़ी साजिश का हिस्सा थीं।

मनोचिकित्सक अनीस फातिमा सहित अन्य आरोपी शामिल हैं: इसका मकसद टी. नसीर के जेल से अदालत जाते समय भागने में सहायता करना था। नसीर उस समय 2008 के बेंगलुरु सिलसिलेवार बम धमाका मामलों में विचाराधीन कैदी था। एनआइए के बयान में कहा है कि चार्जशीट में नामित तीन आरोपितों में से एक अनीस फातिमा की पहचान जुनैद अहमद की मां के रूप में हुई है। उ

सने बेंगलुरु की केंद्रीय जेल में नसीर को रसद संबंधी सहायता और धन उपलब्ध कराया था।जांच में यह भी सामने आया कि उसने मुख्य आरोपित सलमान खान को छिपाने में भूमिका निभाई और उसके यात्रा दस्तावेज की व्यवस्था करके उसे दुबई भागने में मदद की।

जेल में बंद आतंकी टी. नसीर को सहायता प्रदान की गई: सलमान को बाद में रवांडा गणराज्य से भारत प्रत्यर्पित किया गया। पाशा बेंगलुरु सिटी के सिटी आर्म्ड रिजर्व-साउथ में सहायक सब इंस्पेक्टर था।

उसने सलमान से नसीर के बारे में जानकारी साझा करने के लिए अवैध रूप से लाभ प्राप्त किया।नागराज जो परप्पना अग्रहारा, केंद्रीय जेल अस्पताल में डिप्यूटेशन पर मनोचिकित्सक था।

महाराष्ट्र में बड़े साइबर फ्रॉड का पर्दाफाश

1400 की आबादी वाले गांव में बना दिए 27 हजार फर्जी जन्म प्रमाणपत्र

यवतमाल , एजेंसी। महाराष्ट्र के यवतमाल जिले में एक चौंकाने वाला साइबर अपराध का मामला सामने आया है। आर्णी तहसील के शेंदुरसनी गांव की ग्राम पंचायत के सिविल रजिस्ट्रेशन सिस्टम को हैक कर हजारों फर्जी जन्म प्रमाणपत्र जारी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ हुआ है। इस गांव की कुल आबादी मात्र 1400 के आसपास है, लेकिन पिछले कुछ महीनों में यहां 27,000 से अधिक जन्म प्रमाणपत्र और 7 मृत्यु प्रमाणपत्र दर्ज कर लिए गए।

मामले का खुलासा जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सुभाष धोले की जांच से हुआ। जांच में पता चला कि ये रजिस्ट्रेशन गांव की वास्तविक आबादी से पूरी तरह असंगत हैं। शिकायत मिलते ही पुलिस ने कार्रवाई शुरू की।

पुलिस अधीक्षक कुमार चिंता के निर्देश पर साइबर सेल और उपविभागीय पुलिस अधिकारी दिनेश बैसाने की टीम ने तकनीकी जांच की। डिजिटल फुटप्रिंट्स का पीछा करते हुए टीम बिहार पहुंची और वहां से गिरोह के कथित मास्टरमाइंड 20 वर्षीय आदर्श कुमार दुबे को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस जांच से पता चला कि आरोपी ने सरकारी सीआरएससर्वर में सेंध लगाकर देश के विभिन्न हिस्सों के लिए फर्जी प्रमाणपत्र जारी किए थे। ये प्रमाणपत्र आधार कार्ड, पासपोर्ट या अन्य सरकारी योजनाओं के लिए दुरुपयोग किए जा सकते थे। पुलिस का मानना है कि यह कोई छोटा फ्रॉड नहीं, बल्कि एक बड़ा अंतरराज्यीय नेटवर्क हो सकता है, जिसमें बिहार से मजबूत तार जुड़े हैं।

आरोपी आदर्श कुमार दुबे को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे 12 जनवरी तक पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया है। आगे की जांच में गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश जारी है। इस मामले ने सरकारी डिजिटल सिस्टम की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। अधिकारियों ने सभी ग्राम पंचायत सचिवों और रजिस्ट्रारों को अलर्ट जारी किया है कि अपना क्रेडेंशियल लॉगिन, पासवर्ड या ह्यूक्क किसी के साथ शेयर न करें। इस तरह के फर्जीवाड़े से राष्ट्रीय सुरक्षा और पहचान प्रणाली को खतरा हो सकता है।

गाजियाबाद में ऑफिस में हीटर जलाकर बैठे एसीपी हुए बेहोश

रूम का ऑक्सीजन घटने बिगड़ी तबीयत

गाजियाबाद , एजेंसी। गाजियाबाद में अपने ऑफिस में हीटर जलाकर बैठे एसीपी ट्रैफिक की तबीयत बिगड़ गई। वह बेहोश होकर कुर्सी से नीचे गिर पड़े। सुरक्षाकर्मी अंदर गया तो घटना का पता चला, जिसके बाद एसीपी को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया। बताया जा रहा है कि हीटर से ऑक्सीजन की कमी होने की वजह से एसीपी की तबीयत बिगड़ी।

उन्हें देर रात अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया। जानकारी के मुताबिक, एसीपी ट्रैफिक जियाउद्दीन अहमद शुक्रवार को पुलिस लाइन स्थित अपने दफ्तर में बैठे थे। सर्दी से बचाव के लिए उन्होंने दफ्तर में हीटर जलाया हुआ था। बताया जा रहा है कि सर्दी के कारण उनके ऑफिस रूम का दरवाजा और खिड़की बंद थे। इसके चलते उनके कमरे का तापमान बढ़ गया। इस दौरान काम करते वक्त अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई और वह बेहोश होकर कुर्सी से नीचे गिर पड़े। जिस समय यह घटना घटी उस समय उनके दफ्तर में कोई पुलिसकर्मी मौजूद नहीं था। कुछ समय बाद उनका सुरक्षाकर्मी अंदर गया तो उसने एसीपी जियाउद्दीन अहमद को बेहोश देखा और शोर मचाया। इसके बाद पुलिसकर्मियों में हड़कंप मच गया। आनन-फानन में उन्हें नेहरू नगर स्थित यशोदा अस्पताल में भर्ती कराया गया। सूचना मिलने पर डीसीपी और पुलिस के अन्य अधिकारी भी अस्पताल पहुंचे और डॉक्टर से एसीपी के स्वास्थ्य की जानकारी ली। देखते ही देखते ट्रैफिक इंस्पेक्टर, कार्यालय से जुड़े पुलिस कर्मचारियों का भी अस्पताल पर तांता लग गया।

नोएडा में 2 दिन में 35 करोड़ रुपये की शराब गटक गए लोग

ग्रेटर नोएडा , एजेंसी। नए साल के जश्न में लोगों ने इस बार भी जमकर जाम छलकाए। 31 दिसंबर की रात और 01 जनवरी को गौतमबुद्ध नगर जिले में लोग करीब 7 लाख लीटर से अधिक शराब गटक गए। इसकी कीमत करीब 35 करोड़ रुपये से अधिक है। शराब पीने के मामले में पिछले वर्षों की तुलना में यह आंकड़ा दोगुना से अधिक है।

वर्ष 2025 में इन दोनों दिनों में 14 करोड़ रुपये की 3 लाख लीटर तक शराब बिकी थी। जिला आबकारी अधिकारी सुबोध कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि जिले में कुल 544 शराब की दुकानें हैं। करीब 150 क्लब और बार हैं। क्लबों में रात 11 बजे और बार में रात 2 बजे तक नव वर्ष का जश्न मना। इस दौरान 31 दिसंबर की रात जिलेभर में करीब 4 लाख लीटर से अधिक शराब की बिक्री हुई। इसकी अनुमानित कीमत 23 करोड़ है। आबकारी विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक, 01 जनवरी को तीन लाख लीटर से अधिक शराब बिकी। दोनों दिनों में आबकारी विभाग को शराब की बिक्री से करीब 35 करोड़ से अधिक का राजस्व प्राप्त हुआ। वहीं, बात करें क्रिसमस की तो 24 और 25 दिसंबर को जिले में करीब 18 करोड़ की शराब बिक्री हुई थी। विभाग के मुताबिक, ज्यादा राजस्व अंग्रेजी शराब से प्राप्त हुआ है। सर्दी के कारण बीयर की बिक्री कम हुई। हालांकि नव वर्ष के जश्न में लोगों ने बियर भी जमकर पी है।

दिल्ली समेत आसपास के जिलों से आए लोग: नववर्ष का जश्न मनाने के लिए गौतमबुद्ध नगर जिले के क्लब और बार में दिल्ली समेत गाजियाबाद, मेरठ, बागपत, सोनीपत समेत कई जिलों के लोग पहुंचते हैं। इसके साथ ही लोगों में साल के पहले दिन बाहर जाकर खाने वाले और जश्न मनाने का शौक होता है। नए साल पर क्लब और बार ही नहीं बल्कि होटलों व रेस्तरां में भी भारी भीड़ होती है।

कांग्रेस 'मिया मुस्लिम' बहुल सीट की उम्मीदवारी के लिए तीन-चार करोड़ रुपये वसूल रही: हिमंत

गुवाहाटी, एजेंसी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस विधानसभा चुनाव में 'मिया-मुस्लिम' (बांग्ला भाषी मुस्लिम) बहुल निर्वाचन क्षेत्रों से उम्मीदवारी चाहने वाले पार्टी सदस्यों से तीन से चार करोड़ रुपये वसूल रही है। उन्होंने दावा किया कि विपक्षी पार्टी की 'प्रणाली' पैसे पर आधारित है।

सरमा ने सोनितपुर जिले में आयोजित एक आधिकारिक कार्यक्रम से इतर संवाददाताओं के साथ बातचीत में आरोप लगाया, ''जिन सीटों पर 'मिया-मुस्लिम' अधिक हैं, उनके लिए कांग्रेस अपने उम्मीदवारों से तीन से चार करोड़ रुपये लेगी। पिछले चुनावों में भी उसने लगभग इतनी ही रकम ली थी।''

'मिया' मूल रूप से असम में बांग्ला भाषी मुसलमानों के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला शब्द है,

और गैर-बांग्ला भाषी लोग आमतौर पर उन्हें बांग्लादेशी अप्रवासी मानते हैं। हाल के वर्षों में, इस समुदाय के कार्यकर्ताओं ने विरोध के प्रतीक के रूप में इस शब्द को अपनाना शुरू कर दिया है। असम की 126 सदस्यीय विधानसभा के लिए 2023 में परिसीमन प्रक्रिया हुई थी और लगभग 25 सीट 'मिया-मुस्लिम' बहुल मानी जाती हैं। मुख्यमंत्री ने दावा किया, ''कुछ उम्मीदवारों ने अग्रिम भुगतान भी किया है।''

सरमा ने टिकट के इच्छुक प्रत्येक आवेदक से 50,000 रुपये का आवेदन शुल्क लेने के लिए कांग्रेस की आलोचना भी की। उन्होंने कहा, ''पार्टी (कांग्रेस) ने उन सीटों पर अपने सदस्यों को आवेदन शुल्क तक वापस नहीं किया, जहां उसकी सहयोगियों ने पिछली बार चुनाव लड़ा था। उनकी व्यवस्था पैसे पर आधारित है। लेकिन भाजपा में, हम पार्टी टिकट के लिए आवेदन करने के लिए अपने सदस्यों से कोई पैसा या शुल्क नहीं लेते हैं।''

कांग्रेस ने इस साल मार्च-अप्रैल में प्रस्तावित विधानसभा चुनाव के लिए शुक्रवार को आवेदन प्रक्रिया शुरू की। कांग्रेस के सूत्रों ने बताया कि टिकट के इच्छुक आवेदकों को बैंक ड्राफ्ट के माध्यम से 50,000 रुपये जमा करने होंगे। फॉर्म 5 से 20 जनवरी तक प्रदेश पार्टी मुख्यालय में जमा कराए जा सकते हैं।

विचार-मंथन

संपादकीय

फरीदाबाद कांड से फिर शर्मसार हुआ सिस्टम

निर्भया कांड की दिल दहला देने वाली घटना ने सामाजिक संवेदनाओं को पूरी तरह झकझोर दिया था। उसके बाद इस तरह के घिनौने अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए कानून को और सख्त किया गया, लेकिन जमीन पर उसका प्रभावी असर कम ही नजर आता है। हरियाणा के फरीदाबाद जिले में सोमवार की रात चलती कार में एक विवाहिता से सामूहिक बलात्कार की घटना ने एक बार फिर कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।इस वारदात में भी विकृत मानसिकता का बर्बर चेहरा सामने आया है। आरोपियों ने विरोध करने पर न सिर्फ पीड़ित महिला की बेरहमी से पिटाई की, बल्कि बाद में उसे चलती कार से सड़क के किनारे फेंक दिया, जिससे उसके सिर में गंभीर चोटें आई हैं। इस मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, मगर सवाल है कि आपराधिक प्रवृत्ति वाले लोगों के मन में कानून का खौफ क्यों नहीं है? क्या आम नागरिकों की सुरक्षा का जिम्मा संभाल रही सुरक्षा एजेंसियां अपने कर्तव्य का निष्ठा से पालन नहीं कर रही हैं? गौरतलब है कि फरीदाबाद में दो आरोपियों ने देर रात किसी वाहन का इंतजार कर रही एक महिला को लिफ्ट देने के बहाने अपनी कार में बैठा लिया और उसे उसके गंतव्य तक ले जाने के बजाय गुरुग्राम की ओर ले गए तथा कार के अंदर ही उसके साथ मारपीट कर बलात्कार किया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी पीड़ित महिला को कई घंटे कार में घुमाते रहे और करीब तीन बजे राजा चौक के पास तेज रफ्तार कार से उसे बाहर धकेल दिया। हैरत की बात है कि आरोपी रातभर इस कार को सड़कों पर दौड़ाते रहे, लेकिन पुलिस के किसी गश्ती दल ने इस पर ध्यान नहीं दिया और न ही किसी नाके पर उसे रोका गया। इससे पुलिस की सजगता और सतर्कता का अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है। चलते वाहन में इस तरह की वारदात के कई मामले सामने आ चुके हैं, लेकिन ऐसा लगता है कि पुलिस ने इनसे कोई सबक नहीं लिया है। वह घटना के बाद आरोपियों की गिरफ्तारी पर अपनी पीठ थपथपाने में लगी रहती है, लेकिन अपराध को रोकने का दायित्व बोध कोसों दूर रह जाता है।

बांग्लादेश में –अराजकता, साजिश या शासन की नाकामी?

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों को निशाना बनाने की हिंसक घटनाओं का सिलसिला थम नहीं रहा है। पिछले दो सप्ताह में वहां तीन हिंदू नागरिकों की हत्या कर दी गई। इससे हिंदू समुदाय के भीतर सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। ये हमले ऐसे समय में हो रहे हैं, जब बांग्लादेश में आए दिन विरोध प्रदर्शनों से अराजक स्थिति पैदा हो रही है। सवाल है कि ऐसे हमले अचानक हो रहे हैं या फिर किसी गहरी साजिश के तहत इस तरह की हिंसा का जाल बुना जा रहा है! ऐसे में वहां की अंतरिम सरकार और सुरक्षा एजेंसियों की कार्यप्रणाली भी सवालों के घेरे में है।हालांकि, सरकार का दावा है कि इन घटनाओं को सांप्रदायिकता से नहीं जोड़ा जाना चाहिए, क्योंकि इनके पीछे व्यक्तिगत कारण हो सकते हैं। अगर यह सही है, तो फिर क्या वजह है कि अल्पसंख्यकों को ही लक्षित तरीके से निशाना बनाया जा रहा है? कानून व्यवस्था बनाए रखने और आम नागरिकों की सुरक्षा की जिम्मेदारी आखिर किसकी है? जाहिर है कि जिस तरह की अराजक स्थिति पैदा हो रही है, उसके लिए शासन एवं प्रशासन ही जवाबदेह हैं।बांग्लादेश में अगस्त 2024 में तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शनों के बाद हिंसा का सिलसिला शुरू हुआ था। अंतरिम सरकार बनने के बाद वहां माहौल थोड़ा शांत और स्थिर हुआ था, लेकिन हाल के दिनों में हिंसा फिर से जोर पकड़ने लगी है। खासकर अब हिंदू समुदाय के लोगों को निशाना बनाया जा रहा है। इसी क्रम में पिछले दो सप्ताह के भीतर तीन हिंदू नागरिकों की हत्या कर दी गई। पहले भालुका इलाके में भीड़ ने ईशनिंदा के आरोप में एक हिंदू व्यक्ति को पीट-पीट कर मार डाला और फिर उसे आग के हवाले कर दिया गया। इसके कुछ दिन बाद मैमनसिंह जिले में एक हिंदू नागरिक की हत्या कर दी गई। हाल ही में कपड़े के कारखाने में एक हिंदू कर्मी को गोली मार दी गई, जिससे उसकी मौत हो गई।

गांव-गांव में पशु मर रहे थे और जनता त्रस्त थी, लेकिन राज्य का पूरा प्रशासनिक तंत्र जोगी महल में प्रधानमंत्री की मेहमाननवाजी में लगा था। तब सोनिया गांधी के इतालवी रिश्तेदारों की उपस्थिति ने विपक्ष को यह कहने का मौका दिया था कि देश की सुरक्षा और संवेदनशील जंगलों के साथ विदेशी प्रभाव के कारण समझौता किया जा रहा है। आरोप लगे कि प्रधानमंत्री के मित्रों और परिवार के लिए भारतीय वायुसेना के हेलीकॉप्टरों और सरकारी वाहनों का बेजा इस्तेमाल हुआ। रणथंभौर के ऐतिहासिक जोगी महल को आम जनता और पर्यटकों के लिए पूरी तरह बंद कर दिया गया था। तब पत्रकारों ने इसे लोकतंत्र में राजशाही का उदय करार दिया।

रणथंभौर और गांधी-नेहरू परिवार- ये रिश्ता क्या कहलाता है?

(विनोद पाठक)

रणथंभौर के साथ गांधी-नेहरू परिवार का औपचारिक परिचय प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के कार्यकाल में हुआ। वर्ष 1961 में जब ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ द्वितीय भारत की राजकीय यात्रा पर आईं, तब नेहरू उन्हें राजस्थान की वीरता और वैभव दिखाने के लिए जयपुर ले गए थे। राजस्थान के सवाई माधोपुर में स्थित रणथंभौर नेशनल पार्क केवल बाघों का संरक्षण केंद्र नहीं है, बल्कि यह भारतीय राजनीति के सबसे शक्तिशाली परिवार गांधी-नेहरू परिवार की तीन पीढ़ियों के निजी और सार्वजनिक जीवन का गवाह रहा है। अरावली और विंध्य की पहाड़ियों के मिलन स्थल पर बसा यह जंगल कभी जयपुर के महाराजाओं का निजी शिकारगाह था, लेकिन आज यह गांधी-नेहरू परिवार का सबसे पसंदीदा प्राइवेट रिट्रीट बन चुका है। प्रियंका गांधी मां सोनिया गांधी और भाई राहुल गांधी समेत पूरे परिवार के साथ पुत्र रेहान वाड्रा व अवीवा बेग की सगाई का उत्सव यहां मनाने पहुंची हैं। इस जंगल और इस परिवार के दशकों पुराने जटिल संबंधों की कहानी कूटनीति से शुरू होकर संरक्षण के रास्ते होते हुए विलासिता के विवादों से गुजरी तथा आज एक गहरी भावनात्मक विरासत पर आकर टिकी है। रणथंभौर के साथ गांधी-नेहरू परिवार का औपचारिक परिचय प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के कार्यकाल में हुआ। वर्ष 1961 में जब ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ द्वितीय भारत की राजकीय यात्रा पर आईं, तब नेहरू उन्हें राजस्थान की वीरता और वैभव दिखाने के लिए जयपुर ले गए थे। उस समय रणथंभौर एक नेशनल पार्क नहीं, बल्कि जयपुर राजघराने की संपत्ति था। नेहरू के लिए रणथंभौर एक कूटनीतिक मंच था। महारानी के सम्मान में वहां एक भव्य टाइगर हंट आयोजित किया गया था। ऐतिहासिक संस्मरणों के अनुसार नेहरू स्वयं शिकार के विरोधी थे, लेकिन उस समय के अंतरराष्ट्रीय प्रोटोकॉल और शाही परंपराओं के आगे वे मौन रहे। यह वह दौर था, जब रणथंभौर का उपयोग दुनिया के सामने भारत की रॉयल छवि पेश करने के लिए किया जाता था। रणथंभौर को विनाश से बचाने और उसे आज के वैभवशाली रूप में लाने का श्रेय निर्विवाद रूप से इंदिरा गांधी को जाता है। नेहरू के दौर में जहां यह शिकारगाह था तो इंदिरा गांधी के समय में यह अभयारण्य बना। इंदिरा गांधी का प्रकृति प्रेम सर्वविदित था। उनके कार्यकाल में वर्ष 1972 में वन्यजीव संरक्षण अधिनियम आया और वर्ष 1973 में ऐतिहासिक प्रोजेक्ट टाइगर की शुरुआत हुई। रणथंभौर के विकास में उनका सबसे बड़ा योगदान टाइगर मैन कैलाश सांखला को पूर्ण समर्थन देना था। इंदिरा गांधी अक्सर यहां बाघों की स्थिति जानने आती थीं। उन्होंने वर्ष 1980 में इसके कोर एरिया को नेशनल पार्क घोषित किया। उनके लिए रणथंभौर पिकनिक का स्थान नहीं, अपितु एक इकोलॉजी मिशन था। आज जो पर्यटक यहां बाघ देखते हैं, वे अनजाने में इंदिरा गांधी के उस विजन का लाभ उठा रहे हैं, जिसने शिकार पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया था। हालांकि, गांधी-नेहरू परिवार और रणथंभौर के संबंधों में सबसे काला तथा विवादित अध्याय दिसंबर 1987 में लिखा गया। तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी अपनी पत्नी सोनिया गांधी, बच्चों राहुल व प्रियंका, बॉलीवुड के सुपरस्टार अभिताभ बच्चन के परिवार तथा सोनिया गांधी के इतालवी रिश्तेदारों के साथ यहां नया साल मनाने पहुंचे थे। यह यात्रा भारतीय राजनीति में विपक्षी प्रहार का सबसे बड़ा हथियार बनी। वरिष्ठ पत्रकार तवलीन सिंह ने अपनी पुस्तक दरबार में इस यात्रा का आंखों देखा हाल लिखा। उन्होंने लिखा कि उस समय राजस्थान भीषण सूखे और अकाल से जूझ रहा था। गांव-गांव में पशु मर रहे थे और जनता त्रस्त थी, लेकिन राज्य का पूरा प्रशासनिक तंत्र जोगी महल में प्रधानमंत्री की मेहमाननवाजी में लगा था। तब सोनिया गांधी के इतालवी रिश्तेदारों की उपस्थिति ने विपक्ष को यह कहने का मौका दिया था कि देश की सुरक्षा और संवेदनशील जंगलों के साथ विदेशी प्रभाव के कारण समझौता किया जा रहा है। आरोप लगे कि प्रधानमंत्री के मित्रों और परिवार के लिए भारतीय वायुसेना के हेलीकॉप्टरों और सरकारी वाहनों का बेजा इस्तेमाल हुआ। रणथंभौर के ऐतिहासिक जोगी महल को आम जनता और पर्यटकों के लिए पूरी तरह बंद कर दिया गया था। तब पत्रकारों ने इसे लोकतंत्र में राजशाही का उदय करार दिया। उस समय बोफोर्स कांड की आहट सुनाई दे रही थी और अमिताभ बच्चन की राजीव गांधी के साथ इस पिकनिक में मौजूदगी ने क्रोनी कैपिटलिज्म के नैरेटिव को और हवा दी। इसी दौर में राजीव गांधी की लक्षद्वीप यात्रा और आईएनएस विराट के उपयोग का मामला भी उछला था। इन दोनों घटनाओं, रणथंभौर और लक्षद्वीप, ने मिलकर राजीव गांधी की छवि एक मॉर्डन रिफॉर्मर से बदलकर एक ऐसे नेता की कर दी जो जनता की पीड़ा से कटा हुआ था। वैसे, राजीव गांधी की उस विवादित यात्रा के दौरान प्रियंका गांधी एक किशोरी थीं। जहां दुनिया के लिए वह एक विवादित पिकनिक थी, वहीं प्रियंका गांधी के लिए वह अपने पिता के साथ बिताए गए अंतिम सुखद पलों में से एक था। देखा जाए तो प्रियंका गांधी का रणथंभौर के प्रति बार-बार खिंचाव एक इमोशनल रिट्रीट है। बकौल प्रियंका, उनके लिए रणथंभौर का हर मोड़ और हर बाघिन की दहाड़ उनके पिता की याद दिलाती है। उन्होंने अक्सर साक्षात्कारों में कहा है कि प्रकृति उन्हें हीलिंग का अहसास देती है। वे रणथंभौर में एक सामान्य पर्यटक की तरह नहीं, बल्कि एक वन्यजीव विशेषज्ञ की तरह समय बिताती हैं। उन्हें रणथंभौर की मशहूर बाघिनों के वंश के विषय में पूरी जानकारी है। दिल्ली की सत्ता और राजनीति के शोर से दूर, रणथंभौर का जंगल उन्हें वह एकांत प्रदान करता है, जहां वे केवल 'प्रियंका' हो सकती हैं, 'गांधी' नहीं। अब रणथंभौर के एक निजी और सुरक्षित परिवेश में प्रियंका के पुत्र रेहान वाड्रा और अवीवा बेग की सगाई का आयोजन हो रहा है। रेहान की सगाई के लिए इस स्थान को चुनना यह दर्शाता है कि गांधी-नेहरू परिवार की नई पीढ़ी भी अपने पूर्वजों की उस जंगली विरासत को सहेज कर रखना चाहती है। हालांकि, रणथंभौर और गांधी-नेहरू परिवार का रिश्ता केवल छुट्टियों का रिश्ता नहीं है। यह भारत के एक सबसे शक्तिशाली परिवार के उतार-चढ़ाव, उनकी व्यक्तिगत रुचियों और उनके राजनीतिक जीवन की संवेदनशीलता का एक जीवंत दस्तावेज है। बाघों की दहाड़ के बीच, इस परिवार ने यहां शांति भी पाई है और विवादों के तूफान भी झेले हैं। निश्चित रूप से वर्ष 2025 के अंतिम दिन की यह सगाई इसी लंबी और जटिल कहानी का एक नया और सुखद अध्याय है। यह लेखक के निजी विचार हैं।

जापान छूट गया पीछे, '3 -धुरंधरों' में कब शामिल होगा भारत, जर्मनी कितने साल दूर?

(अमित शुक्ला)

भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है, जिसने जापान को पीछे छोड़ दिया है। यह लगातार ग्रोथ, मजबूत घरेलू ताकत और बेहतर मैक्रोइकॉनॉमिक मैनेजमेंट का नतीजा है। भारत का अगला लक्ष्य जर्मनी को पीछे छोड़ना है, जिसके लिए ऊंची ग्रोथ बनाए रखना और स्ट्रक्चरल रिफॉर्म्स को गहरा करना महत्वपूर्ण होगा। भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। यह एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। भारत की नॉमिनल जीडीपी 4.18 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गई है। इससे भारत जापान को पीछे छोड़कर चौथे स्थान पर आ गया है। अमेरिका, चीन और जर्मनी अब भारत से आगे हैं। यह भारत के लिए महत्वपूर्ण पड़ाव है। 2022 में भारत ने ब्रिटेन को पीछे छोड़ा था और पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना था। यह दिखाता है कि भारत लगातार तरक्की कर रहा है। भारत का दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना लगातार ग्रोथ, मजबूत घरेलू ताकत और बेहतर मैक्रोइकॉनॉमिक मैनेजमेंट का नतीजा है। जापान को पीछे छोड़ना एक प्रतीकात्मक और वास्तविक बदलाव है। अगला लक्ष्य जर्मनी को पीछे छोड़ना है। यह भारत की क्षमता को परखेगा कि वह ऊंची ग्रोथ को कैसे बनाए रखता है, स्ट्रक्चरल रिफॉर्म्स को कैसे गहरा करता है और स्थिरता कैसे बनाए रखता है। अगर मौजूदा रफ्तार बनी रहती है और रिफॉर्म्स ग्रोथ के आधार को और बढ़ाते हैं तो भारत तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बहुत जल्द बन सकता है। यह बदलाव दुनिया की अर्थव्यवस्था में हो रहे बड़े बदलावों को दिखाता है। तेजी से बढ़ रही उभरती अर्थव्यवस्थाएं आगे बढ़ रही हैं। वहीं, कुछ विकसित देशों की ग्रोथ धीमी हो गई है। जापान को पीछे छोड़ने की कहानी भारत और जापान की आर्थिक रफ्तार के अंतर को बताती है। जापान में जनसंख्या बूढ़ी हो रही है। लोगों की खरीदारी कम हो रही है। महंगाई कम होने का नाम नहीं ले रही है। इन वजहों से जापान की ग्रोथ धीमी है। वहीं, भारत में युवा आबादी है, शहरों का विकास हो रहा है और उत्पादकता बढ़ रही है। यह सब भारत की ग्रोथ को बढ़ा रहा है। हाल के महीनों में भारत की आर्थिक रफ्तार काफी तेज रही है। वित्त वर्ष 2025-26 की जुलाई-सितंबर तिमाही में भारत की रियल जीडीपी ग्रोथ 8.2 प्रतिशत रही। पिछली तिमाही में यह 7.8 प्रतिशत थी। यह ग्रोथ तब हुई जब दुनिया भर में व्यापार को लेकर अनिश्चितता बनी हुई थी। यह दिखाता है कि भारत की अपनी घरेलू ताकतें कितनी मजबूत हैं। लोगों की खरीदारी बढ़ी है, रोजगार बढ़ा है और महंगाई भी काबू में है। बैंकों से भी कंपनियों को आसानी से कर्ज मिल रहा है। इन सब वजहों से भारत की ग्रोथ जापान से कहीं ज्यादा रही और भारत नॉमिनल जीडीपी के मामले में आगे निकल गया। भारत की एक खास बात यह है कि यहां ग्रोथ भी अच्छी है और महंगाई भी कम है। महंगाई भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के तय किए गए स्तर से नीचे है। इससे लोगों के पास ज्यादा पैसे हैं। वे ज्यादा खरीदारी कर पा रहे हैं। इसी को देखते हुए आरबीआई ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत की ग्रोथ का अनुमान बढ़ाकर 7.3 प्रतिशत कर दिया है। ग्रोथ के साथ रोजगार की स्थिति भी सुधरी है। नवंबर 2025 में 15 साल से ज्यादा उम्र के लोगों में बेरोजगारी दर घटकर 4.8 प्रतिशत रह गई। यह अप्रैल के बाद सबसे कम है। खासकर ग्रामीण और शहरी इलाकों में महिलाओं की बेरोजगारी में कमी आई है। बेरोजगारी का कम होना, काम करने वालों की संख्या का बढ़ना और काम करने लायक लोगों का ज्यादा होना, यह सब एक अच्छे साइकिल को दिखाता है।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5963

	5			2	9			
						1	7	
7	9	6			3	2		
				1	5		9	
3	6						2	1
	4		6	9				
		2	8			3	1	4
	1	8						
			2	7			5	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5962

5	7	3	6	9	2	1	4	8
2	1	9	3	4	8	6	5	7
8	4	6	7	1	5	2	9	3
9	2	5	4	8	6	3	7	1
7	3	4	2	5	1	8	6	9
6	8	1	9	3	7	5	2	4
1	5	7	8	6	9	4	3	2
3	9	8	5	2	4	7	1	6
4	6	2	1	7	3	9	8	5

आज का राशिफल

मेष
आज आपका ध्यान नई योजनाओं में लगेगा। किसी देवस्थान की यात्रा से मन को सुकून मिलेगा। कानूनी विवाद में विजय, स्थान परिवर्तन की योजना सफल हो सकती है। दिन के उत्तरार्ध में उलझनों के बावजूद पराक्रम में वृद्धि होगी। परिवार में हर्ष मंगलमय परिवर्तन व मनोरथ सिद्धि होगी। कार्यालय में भी आपके अनुकूल वातावरण बनेगा तथा आपके साथी आपका सहयोग करेंगे।

वृष
आज का दिन काफी सृजनात्मक है, जो भी काम लगन के साथ करेंगे आज उसका फल उसी समय मिल सकता है। अधूरे काम निपट जाएंगे, महत्वपूर्ण चर्चाएं होंगी। ऑफिस में अपने विचारों के मुताबिक माहौल बन जाएगा और आपके साथी भी आपका सहयोग करेंगे। रात्रि में विवाह शादी में जाने का अवसर मिल सकता है।

मिथुन
आज आपको मंगलोत्सवों में सम्मिलित होने का अवसर प्राप्त होगा। समाज में शुभ व्यय से आपकी कीर्ति बढ़ेगी। आज तृतीय प्रमुख पराक्रम भाव में चन्द्रमा का प्रबल योग बन रहा है। शाम 5 बजे तक कोई खास डील फाइनल हो जाएगी। राज्य से विशेष सम्मान प्राप्त हो सकता है।

तुला
आज का दिन आपके लिए लाभकारक है। कार्य-व्यवहार से जुड़े सभी विवाद आज सुलझ सकते हैं। नए प्रोजेक्ट पर भी कुछ काम शुरू हो सकता है। राज्य से विशेष सम्मान प्राप्त हो सकता है। ज़मीन जायदाद के मामले में पारिवारिक और आस-पास के लोग कुछ परेशानी पैदा करने की कोशिश करेंगे।

वृश्चिक
आज का दिन काफी मजबूत है। दिनभर लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। ऐसे में कार्यशील रहें। परिवार में सुख शांति और स्थिरता का आनंद उठाएं। नौकरी या व्यापार में कुछ नवीनता ला सकें तो आगे चलकर लाभ होगा। काम में नई जान आएगी। भौतिक विकास का योग अच्छा है। राज्य से विशेष सम्मान प्राप्त हो सकता है।

धनु
आज का दिन सामान्य है। भागीदारी में साझे में किया व्यापार काफी फायदा पहुंचायेगा। रोजमर्रा के घरेलू कामों को निपटाने का आज सुनहरा मौका है। हो सकता है आज आपको पुत्र-पुत्री के संबंध में कोई बड़ा फैसला लेना पड़े। ईमानदारी और निर्धारित नियमों का ध्यान रखें। कई प्रकार के काम एक साथ हाथ में आने से व्यग्रता बढ़ सकती है।

कर्क
आज का दिन वैसे तो काफी व्यस्त रखने वाला है, लेकिन धर्म अध्यात्म के मामले पढ़ाई लिखाई के लिए थोड़ा समय निकाल लेना ही अच्छा होगा। अपनी बुद्धि का प्रयोग करके आप वह सब कुछ पा सकते हैं, कार्यक्षेत्र में वरिष्ठ अधिकारी आपके कार्यों में रूकावट डालने की कोशिश करेंगे। रात्रि का समय मंगलमय कार्यों में व्यतीत होगा।

सिंह
आज आपसी वार्ता व्यवहार में संयम व सावधानी बरतें। आस-पास के लोगों से टकराव की नौबत न आये इस बात का ध्यान रखें। किसी शुभ मंगल कार्य की चर्चा हो सकती है। भाग्य पर भरोसा रखें और आत्म विश्वास के साथ कार्य करें। रात्रि के समय स्थिति में और भी सुधार होगा।

कन्या
आज का दिन काफी रचनात्मक है। किसी रचनात्मक और आर्टिस्ट काम को पूरा करने में आप दिन बिता सकते हैं। जो काम आपको सबसे ज्यादा प्रिय है आज वही करने को मिलेगा। आज आपको रिलैक्स करने में मदद मिलेगी। नई योजनाएं भी दिमाग में आयेंगी।

मकर
आज का दिन सावधानी और सतर्कता का है। बिजनेस के मामले में थोड़ा सा जोखिम उठायें तो बड़ा लाभ होने की आशा है। रोजमर्रा के कामों से परे कुछ नए कामों में हाथ आजमाएं। किसी अपने के लिए कुछ पैसों का इंतजाम करना पड़ सकता है। नया मौका आपके आसपास है, उसे पहचानना आपके हाथ में है।

कुंभ
आज का दिन अपने स्वास्थ्य के प्रति सावधानी बरतने का है। मौसम परिवर्तन से शीतोष्ण विकार उत्पन्न हो सकते हैं। खानपान में लापरवाही बिल्कुल न बरतें। व्यापार के मामले में दिन सुखद व्यतीत होगा। अपनी बुद्धि का प्रयोग करके आप वह सब कुछ पा सकते हैं, जल्दबाजी में कोई भूल हो सकती है, इसलिए हर काम सोच समझ कर करें।

मीन
आज का दिन लाभकारी रहेगा। व्यापार में जोखिम उठाने का परिणाम आज हितकर रहेगा। परेशानियों को धैर्य और अपने मृदु व्यवहार से सुधार कर ठीक किया जा सकता है। अपनी बुद्धि का प्रयोग करके आप वह सब कुछ पा सकते हैं, जिसकी आपको अभी तक कमी रही है। किसी संकटग्रस्त व्यक्ति की सहायता कर सकें तो शुभ रहेगा।

वर्ग पहेली 5963

1	2	3	4	5		6	
7							
					8		9
10		11					
				12		13	
14	15		16				
17					18		19
20							

संकेतः बाएं से दाएं
1. भारतीय संसद में पहुंचने वाले नेत्रहीन सदस्य जो मध्यप्रदेश के रीवा संसदीय क्षेत्र से चुनकर 1977 में भेजे गए (8)
7. सहनिवास, साथ उठना-बैठना (5)
8. पुरूष, मानव, मनुज (3)
10. वर्तमान दौर का एक न्यूज चैनल (4)
12. विवश, लाचार, बेबस (4)
14. संगीतकार लक्ष्मीकांत प्यारेलाल ने अपनी सरगमी शुरूआत इस फिल्म से की थी (1963)(5)
17. दौड़ प्रतियोगिता यह कहलाती है (2)
18. यह बहरीन देश की राजधानी है (4)
20. फद-फद की आवाज (4)

ऊपर से नीचे
1. एक सर्वनाम जिसका प्रयोग वक्ता और श्रोता के अतिरिक्त निकटवर्ती सभी बातों के लिए होता है (2)
2. हिंदी फिल्मों की एक जानी मानी अभिनेत्री जिन्हें 1996 में लाइफटाइम एचीवमेंट एवार्ड दिया गया (1960-1980)(4)
3. तंदूर में पकाई जाने वाली मोटी खमीरी रोटी (2)
4. इस अंग्रेजी में फ्रीजर कहते है, श्यानित्र हिमकारी, हिमित्र (4)
5. समकक्ष (2)
6. कदाचित इस फिल्म की शूटिंग इंदौर के एमवाय हॉस्पिटल में भी हुई थी विजयेंद्र घाटगे, नसीरउ्दीन शाह आदि ने भूमिकाएं की थी (1979)(3)
8. प्रारंभ, शुरूआत (3)
9. प्रशस्ति स्तंभ, धौलहरा, लाट (3)
10. सेंसर बोर्ड की चेयरमेन रह चुकी है ये अभिनेत्री (कार्यकाल 1990 से 2001 तक)(5)
11. भीष्म साहनी का प्रसिद्ध उपन्यास (3)
12. रत्न, नगीना, जवाहर (2)
13. बुझौवल करना, बोध करना, सुलझाना (3)
15. बिना पकी भोजन सामग्री (3)
16. सहायता, सहयोग (3)
18. आनंदित निश्चित (2)
20. मछली (2)

वर्ग पहेली 5962 का हल

गो	पा	ल	कृ	ष्ण	गो	ख	ले
आ	ल	य			पा	त	क
ग		ही	न	कु	ल		
म	हा	न		शा		प	र्थ
न	र		अ	ग्र	स	र	
स	ना	त	न		दा	व	त
म			ब	दा		रि	
य	ज	मा	न		य	श	स्वी

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, (डी वी कार्पो. लि.) उड़ान टोला, दानापुर कैंट, शिवाला रोड, खगौल, पटना में मुद्रित एवं सोन वर्षा वाणी बिल्डिंग, क्लब रोड, औरंगाबाद (बिहार) से प्रकाशित
संपादक- श्रीराम अम्बष्ट, उप संपादक- **साकेत अम्बष्ट** फोन/फैक्स-०6186-226116 मो.-9934957121, E-mail : sonevershavani@gmail.com, **RNI-BIHHIN/1998/03009**

14 साल के वैभव सूर्यवंशी ने रचा इतिहास

पाक क्रिकेटर का रिकॉर्ड तोड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने साउथ अफ्रीका अंडर-19 के खिलाफ यूथ वनडे सीरीज के पहले मुकाबले में ऐसा इतिहास रच दिया, जिसने उन्हें विश्व क्रिकेट में खास पहचान दिला दी है। महज 14 साल की उम्र में वैभव ने न सिर्फ भारत अंडर-19 टीम की कप्तानी की, बल्कि 2007 से चला आ रहा पाकिस्तान के अहमद शहजाद का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया।

यूथ वनडे में सबसे युवा कप्तान बने वैभव

3 जनवरी को बेनोनी के विलोमूर पार्क में खेले गए मुकाबले में वैभव सूर्यवंशी ने भारत अंडर-19 टीम का नेतृत्व किया। इसके साथ ही वह यूथ वनडे इतिहास में कप्तानी करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए। यह पहली बार था जब वैभव ने किसी भी स्तर पर भारतीय राष्ट्रीय टीम की कप्तानी की।

क्यों सौंपी गई वैभव को कप्तानी – नियमित कप्तान आयुष म्हात्रे और उपकप्तान विहान मल्होत्रा के चोटिल होकर बाहर होने के बाद वैभव सूर्यवंशी को यह जिम्मेदारी सौंपी गई। शुरुआत में यह फैसला अस्थायी माना जा रहा था, लेकिन यह निर्णय ऐतिहासिक बन गया। उम्मीद है कि आयुष और विहान 15 जनवरी से जिम्बाब्वे और नामीबिया में शुरू होने वाले अंडर-19 वर्ल्ड कप के लिए फिट होकर लौटेंगे।

अहमद शहजाद का 2007 का रिकॉर्ड टूटा – इस मुकाबले के साथ वैभव सूर्यवंशी न केवल यूथ वनडे के सबसे युवा कप्तान बने, बल्कि 16 साल की उम्र से पहले किसी भी अंडर-19 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में राष्ट्रीय टीम की कप्तानी करने वाले सबसे कम उम्र के क्रिकेटर भी बन गए। उन्होंने पाकिस्तान के अहमद शहजाद का वह रिकॉर्ड तोड़ा, जो 2007 से कायम था।

एलीट क्लब में शामिल हुए वैभव – वैभव अब उन चुनिंदा खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गए हैं, जिन्हें बेहद कम उम्र में कप्तानी का मौका मिला। इस सूची में मेहदी हसन मिराज, फरहान जाखिल, एम्बिशस मुदुमा और साद बैग जैसे नाम शामिल हैं। दुनिया भर में अब तक सिर्फ पांच खिलाड़ी ही 16 साल से पहले यूथ इंटरनेशनल में अपनी टीम की कप्तानी कर पाए हैं।

विजय हजारे ट्रॉफी हार्दिक, देवदत्त और शॉ मचा रहे घरेलू क्रिकेट में तूफान

पांड्या ने लगातार 5 छक्के और 1 चौका लगाकर पूरा किया शतक

राजकोट, एजेंसी। न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम के चयन से पहले विजय हजारे ट्रॉफी में हार्दिक पांड्या ने तूफानी शतक लगाया है। हार्दिक ने लगातार 5 छक्के और 1 चौका लगाकर अपना शतक पूरा किया। निरंजन शाह स्टेडियम, खंडेरी, राजकोट में बड़ौदा की तरफ से खेलते हुए हार्दिक पांड्या ने विदर्भ के खिलाफ विस्फोटक शतक लगाया। हार्दिक ने अपनी पारी की शुरुआत धीमे अंदाज में की थी। उन्होंने 44 गेंद पर अपना अर्धशतक पूरा किया था। अर्धशतक पूरा करने के बाद उनकी रन बनाने की गति अचानक बढ़ गई। पारी के 39वें ओवर में हार्दिक तूफान लेकर आए। 62 गेंद पर 66 रन बनाकर खेल रहे हार्दिक के सामने गेंदबाजी के लिए बाएं हाथ के स्पिनर पार्थ रेखड़े आए। हार्दिक ने पार्थ के ओवर की शुरुआती 5 गेंदों पर 5 छक्के लगाए और आखिरी गेंद पर चौका लगाकर अपना शतक पूरा किया। 62 गेंद पर 66 रन बनाकर खेल रहे हार्दिक ने अगली 6 गेंदों पर अपना शतक पूरा कर लिया।

हार्दिक 92 गेंद पर 11 छक्कों और 8 चौकों की मदद से 133 रन बनाकर आउट हुए। हार्दिक की इस शतकीय पारी की बदौलत टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी बड़ौदा ने 9 विकेट पर 293 रन बनाए। हार्दिक के अलावा किसी भी अन्य बल्लेबाज की तरफ से बड़ी पारी नहीं आई। विष्णु सोलंकी ने 26, कप्तान क्रुणाल पांड्या ने 23 और अतित सेठ ने 21 रन बनाए।

IPL से पहले ही दहाड़ रहे पृथ्वी शॉ

विजय हजारे में एक्स टीम मुंबई को जमकर धोया

नई दिल्ली, एजेंसी। विजय हजारे ट्रॉफी 2025–26 में मुंबई और महाराष्ट्र के बीच खेले गए मुकाबले में भारत के लिए तीनों फॉर्मेट खेल चुके पृथ्वी शॉ का बल्ला जमकर बोला है। बता दें कि शॉ पहले मुंबई के लिए ही खेलते थे। लेकिन, वह पिछले साल ही महाराष्ट्र चले गए थे। अब उन्होंने महाराष्ट्र के लिए खेलते हुए अपनी एक्स टीम मुंबई के खिलाफ शानदार बल्लेबाजी की। मुंबई के खिलाफ पृथ्वी शॉ ने शानदार बल्लेबाजी की। उन्होंने ओपनिंग करते हुए 75 बॉल में 71 रन की पारी खेली। शॉ ने 94.67 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए अपनी पारी में 10 चौके और 1 छक्का लगाया। बता दें कि महाराष्ट्र ने निर्धारित 50 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 366 रन बनाए। शॉ के ओपनिंग जोड़ीदार अर्शिन कुलकर्णी ने शतक ठोका और 114 गेंद में 114 रन बनाए। कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने भी तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए फिफ्टी ठोकी। उन्होंने 66 रन बनाए।

पडिक्कल का चौथा शतक आगामी वनडे सीरीज में चयन की जागी उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी। कर्नाटक के युवा बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल ने विजय हजारे ट्रॉफी 2025–26 में अपनी शानदार फॉर्म जारी रखी। त्रिपुरा के खिलाफ खेले गए ग्रुप ए मैच में पडिक्कल ने 108 रनों की धाकड़ पारी खेलते हुए टीम को 332/7 तक पहुंचाया। यह उनके इस सीजन में केवल पांच मैचों में चौथा शतक है और आगामी न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत की ह्रष्ट्ढ टीम में उनके चयन की संभावनाओं को और मजबूत करता है।

मैच की शुरुआत और कर्नाटक की मुश्किलें त्रिपुरा ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। कर्नाटक की शुरुआत अच्छी नहीं रही और पहले तीन ओवरों में 6/2 पर पहुंच गई। मयक अग्रवाल और करुण नायर जल्दी आउट हो गए, जिससे टीम को शुरुआती झटका लगा।

पडिक्कल की संघर्षपूर्ण पारी

देवदत्त पडिक्कल ने शांत और नियंत्रित अंदाज में पारी संभाली और टीम को मुश्किल स्थिति से बाहर निकाला। उन्होंने 136 रन की साझेदारी कर टीम की स्थिति मजबूत की। इसके बाद पडिक्कल ने ज्ञ्रुराहुल (35 रन) के साथ मिलकर 65 रन और जोड़कर कर्नाटक को पूरी तरह से नियंत्रण में ला दिया। स्मरण ने भी 60 रन बनाकर योगदान दिया। पडिक्कल ने 38वें ओवर में अपना शतक पूरा किया और टीम को 50 ओवर में 332/7 तक पहुंचाया।

विजय हजारे ट्रॉफी में पडिक्कल का शानदार प्रदर्शन

इस सीजन में पडिक्कल ने लगातार बेहतरीन प्रदर्शन किया है। उन्होंने झारखंड के खिलाफ 147 रन (118 गेंद), केरल के खिलाफ 124 रन (137 गेंद) बनाए। तमिलनाडु के खिलाफ उन्होंने सिर्फ 22 रन बनाए, लेकिन इसके बाद पुडुचेरी के खिलाफ उन्होंने फिर से 113 रन (116 गेंद) की शतकीय पारी खेलकर अपनी बेहतरीन फॉर्म का सबूत दिया।त्रिपुरा के अभिजीत के. सरकार ने कर्नाटक के शीर्ष क्रम को खासा परेशान किया और चार महत्वपूर्ण विकेट लिए। उन्होंने मईंक अग्रवाल, देवदत्त पडिक्कल, करुण नायर और विद्यार्धर पाटिल को पवेलियन भेजा। हालांकि पडिक्कल की शतकीय पारी ने कर्नाटक को संकट से उबारा और मैच में टीम को मजबूती प्रदान की।

भारतीय फुटबॉल को बचा लो

स्टार खिलाड़ियों की FIFA से भावुक अपील

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय फुटबॉल इस वक्त अपने सबसे बड़े संकट के दौर से गुजर रहा है. हालात की गंभीरता को देखते हुए दिग्गज सुनील छेत्री समेत भारतीय और विदेशी खिलाड़ियों ने फीफा से सीधे हस्तक्षेप करने की भावुक अपील की है. सुनील छेत्री, गुरप्रीत सिंह संधू, संदेश झिंगन और राहुल भेके उन भारतीय खिलाड़ियों में शामिल थे, जिन्होंने एक वीडियो संदेश के जरिए दुनिया की शीर्ष फुटबॉल संस्था से भारतीय फुटबॉल को बचाने की गुहार लगाई.

खिलाड़ियों ने कहा कि यह वह समय है जब वे आमतौर पर इंडियन सुपर लीग के लिए मैदान पर उतरते हैं, लेकिन मौजूदा अनिश्चितता ने पूरे फुटबॉल तंत्र को ठप कर दिया है. खिलाड़ियों ने साफ तौर पर कहा कि ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने में नाकाम रहा है, जिसका सीधा असर खिलाड़ियों, क्लबों, स्टाफ और फैन्स पर हो रहा है.

खिलाड़ियों के अनुसार जनवरी का महीना चल रहा है और इस वक्त उन्हें प्रतिस्पर्धी फुटबॉल खेलते हुए दर्शकों के सामने होना चाहिए था. इसके बजाय खिलाड़ी डर, असमंजस और अनिश्चित भविष्य के साए में खड़े हैं. भारतीय फुटबॉल का प्रशासन अब अपने दायित्व निभाने में सक्षम नहीं दिख रहा है और खेल स्थायी ठहराव की कगार पर पहुंच चुका है. यह भारतीय फुटबॉल को बचाने की आखिरी कोशिश है, इसलिए खिलाड़ी फीफा से हस्तक्षेप की अपील कर रहे हैं. खिलाड़ियों ने यह भी स्पष्ट किया कि उनकी यह अपील किसी राजनीतिक उद्देश्य या टकराव से प्रेरित नहीं है, बल्कि मौजूदा हालात की मजबूरी है.

ट्रिस्टन स्टब्स बाहर, ब्रेविस-मफाका को मिला मौका

साउथ अफ्रीका की 15 सदस्यीय टीम घोषित

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका ने आगामी टी20 विश्व कप (भारत और श्रीलंका में आयोजित) के लिए 15 सदस्यीय संभावित टीम की घोषणा की जिसमें विस्फोटक बल्लेबाज ट्रिस्टन स्टब्स का चयन नहीं किया गया है। एडेन मार्कराम की अगुआई वाली इस टीम में 2024 चरण के फाइनल में खेलने वाले सात खिलाड़ियों को बरकरार रखा है। एडेन मार्कराम के अलावा अनुभवी सलामी बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक, तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा, मार्को यानसेन, एनरिक नॉर्खिया, आक्रामक बल्लेबाज डेविड मिलर और अनुभवी स्पिनर केशव महाराज मौजूदा टीम का हिस्सा हैं। ये सातों खिलाड़ी 2024 के उस फाइनल में खेले थे जिसमें दक्षिण अफ्रीका को रोहित शर्मा की अगुआई वाली भारतीय टीम से हार का सामना करना पड़ा था।टी20 विश्व कप 2026 के लिए चुनी गई साउथ अफ्रीकी टीम में शामिल नए चेहरों में युवा बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस, तेज गेंदबाज क्वेना मफाका, ऑलराउंडर कॉर्बिन बॉश, बल्लेबाज टोनी डिजोर्जी, जेसन स्मिथ और डोनोवन फरेरा तथा स्पिनर जॉर्ज लिंडे शामिल हैं। जेसन स्मिथ को घरेलू टी20 चैलेंज के साथ एसए20 लीग में शानदार प्रदर्शन का इनाम मिला है। दक्षिण अफ्रीका को ग्रुप डी में अफगानिस्तान, कनाडा, न्यूज़ीलैंड और संयुक्त अरब अमीरात के साथ रखा गया है।

टी20 विश्व कप 2026 के लिए नामीबिया टीम का ऐलान

दुबई, एजेंसी। भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में फरवरी–मार्च में होने वाले टी20 विश्व कप 2026 के लिए नामीबिया क्रिकेट टीम की घोषणा कर दी गई है। 15 सदस्यीय टीम की कप्तानी ऑलराउंडर गेरहार्ड इरास्मस करेंगे। टीम में विकेटकीपर बल्लेबाज जेन ग्रीन, जेजे स्मिट, जान फ्राइलिंक और बर्नार्ड शोल्ट्ज शामिल हैं। इन खिलाड़ियों के पास अनुभव है। इसके अलावा, निकोल लॉफ्टी–ईटन, मायबर्ग और मालन क्रूगर नामीबिया की बल्लेबाजी क्रम को मजबूत करेंगे। तेज गेंदबाज रूबेन ट्रम्पेलमैन और बेन शिकोंगो भी टीम का हिस्सा हैं। क्रिकेट नामीबिया ने एक्स पर लिखा, 'हमारी टीम भारत और श्रीलंका में होने वाले आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के लिए तैयार है। टीम और मैनेजमेंट को शुभकामनाएं क्योंकि वे वैश्विक मंच पर नामीबिया का झंडा फहराएंगे। फैंस, तैयार हो जाइए। लड़कों का समर्थन करने के लिए ट्रैवल पैकेज जल्द ही घोषित किए जाएंगे।'

विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26:

पंत के छक्के और सैमसन का शतक, टीम सलेक्शन में विकेटकीपर के मुद्दे पर उलझेंगे पेंच

नई दिल्ली, एजेंसी। न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम के सलेक्शन से पहले विकेटकीपर बदलने को लेकर जबरदस्त चर्चा चल रही है। मेन विकेटकीपर की भूमिका लगातार केएल राहुल ही निभा रहे हैं, लेकिन बैकअप विकेटकीपर बनकर रह गए ऋषभ पंत को इस

पोजीशन से भी हटाकर दूसरा विकेटकीपर लाए जाने की बात कही जा रही है। इस चर्चा को पंत की बल्ले से असफलता ने और ज्यादा उलझा दिया था, लेकिन शनिवार को उन्होंने अपना रौद्र रूप दिखाया है। विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 मैच में दिल्ली की कप्तानी कर रहे पंत ने सर्विसेज के खिलाफ टारगेट का पीछा करते हुए जबरदस्त बल्लेबाजी की है। टारगेट पूरा हो जाने के कारण वह शतक नहीं बना सके, लेकिन उनकी इस पारी को शतक से कम नहीं आंका जा सकता है। पंत ने 37 गेंद में 67 रन बनाए हैं। उधर, टी20 टीम इंडिया के विकेटकीपर संजू सैमसन वनडे में भी दावा पक्का करने की कमर कस रखी है। इसके लिए उन्होंने भी शनिवार को झारखंड के खिलाफ 90 गेंद में जोरदार शतक बनाया है। इसी मैच में झारखंड के कप्तान व विकेटकीपर पोजीशन के दूसरे दावेदार ईशान किशन फेल रहे हैं।

पंत ने चौके कम और छक्के लगाए ज्यादा

सर्विसेज की तरफ से मिले 179 रन के टारगेट के सामने पंत जब पिच पर आए तो दिल्ली का स्कोर 2 विकेट पर 97 रन था। उनके पिच पर आने के बाद दिल्ली ने 85 रन जोड़े, जिसमें से 67 रन अकेले पंत ने ही ठोक दिए। ऐसा तब हुआ, जब उनके साथ दूसरे छोर पर प्रियांश आर्य जैसा धुरंधर बल्लेबाज मौजूद था, जो 45 गेंद में 9 चौके और 3 छक्के लगाकर 72 रन बनाने के बाद नॉटआउट वापस लौटा है। पंत ने 37 गेंद की पारी में ऐसी धुआंधार बल्लेबाजी की कि उनके बल्ले से चौके कम और छक्के ज्यादा निकलते दिखाई दिए। पंत ने नॉटआउट 67 रन की पारी में 4 चौके और 6 छक्के लगाए हैं।

पंत अब तक विजय हजारे ट्रॉफी के इस सीजन में ज्यादा सफल नहीं रहे हैं। इस मैच से पहले उन्होंने 4 मैच में 121 रन ही बनाए थे, जिसमें 70 रन की एक पारी भी शामिल है। इसके उलट उनकी जगह लेने के दावेदार ध्रुव जुरैल ने 101 गेंद में 160 रन की पारी खेली है, जबकि टी20 टीम इंडिया में वर्ल्ड कप के लिए वापस लौटे ईशान किशन ने सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी में रनों के पहाड़ खड़े किए हैं। ऐसे में पंत पर बढ़िया बल्लेबाजी का दबाव लगातार बढ़ रहा है और इस दबाव में उन्होंने जोरदार पारी खेली है।

तिलक वर्मा ने खेली कप्तानी पारी और लगाया शतक, अक्षर पटेल ने इतने गेंदों पर ठोक दिए 130 रन

नई दिल्ली, एजेंसी। तिलक वर्मा ने विजय हजारे ट्रॉफी टूर्नामेंट के 5वें चरण के मुकाबले में हैदराबाद के लिए कप्तानी पारी खेली और शतक लगाया। वहीं भारतीय ऑलराउंडर अक्षर पटेल ने गजब की बैटिंग करते हुए आंध्रा के खिलाफ 130 रन की तूफानी पारी खेली।

तिलक वर्मा ने खेली कप्तानी पारी – तिलक वर्मा ने हैदराबाद के लिए कप्तानी पारी खेलते हुए शतक लगाया और उन्होंने चंडीगढ़ के खिलाफ 3 छक्के और 6 चौकों की मदद से 118 गेंदों पर 109 रन बनाए। कप्तान तिलक वर्मा की इस पारी के दम पर हैदराबाद ने चंडीगढ़ के खिलाफ 50 ओवर में 9 विकेट पर 286 रन बनाए। तिलक के अलावा इस टीम के लिए अभिरथ रेड्डी ने 71 रन की पारी खेली। चंडीगढ़ के लिए जगजीत सिंह ने सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए।

अक्षर पटेल ने खेली 130 रन की पारी – गुजराज के ऑलराउंडर अक्षर पटेल ने आंध्रा के खिलाफ तूफानी बैटिंग की। इंजरी से वापसी के बाद अक्षर पहली बार मैदान पर उतरे थे और उन्होंने अपने बल्ले का दम दिखाते हुए इस टीम के विरुद्ध 111 गेंदों पर 130 रन ठोक दिए। अक्षर ने अपनी इस पारी के दौरान 5 छक्के और 10 चौके भी जड़े। गुजरात के लिए रवि बिश्नोई ने भी आखिरी पलों में 20 गेंदों पर नाबाद 31 रन का पारी खेली जबकि विशाल जायसवाल ने 60 गेंदों पर 70 रन की बेहतरीन पारी खेली। गुजरात ने 50 ओवर में 9 विकेट पर 318 रन बनाए। आंध्रा के लिए कप्तान नितीश रेड्डी ने 2 विकेट लिए जबकि सत्यनारायण राजू ने 4 बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा।

14 साल के वैभव सूर्यवंशी ने रचा इतिहास

पाकिस्तानी क्रिकेटर का बड़ा रिकॉर्ड तोड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने साउथ अफ्रीका अंडर-19 के खिलाफ यूथ वनडे सीरीज के पहले मुकाबले में ऐसा इतिहास रच दिया, जिसने उन्हें विश्व क्रिकेट में खास पहचान दिला दी है। महज 14 साल की उम्र में वैभव ने न सिर्फ भारत अंडर-19 टीम की कप्तानी की, बल्कि 2007 से चला आ रहा पाकिस्तान के अहमद शहजाद का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया।

यूथ वनडे में सबसे युवा कप्तान बने वैभव

3 जनवरी को बेनोनी के विलोमूर पार्क में खेले गए मुकाबले में वैभव सूर्यवंशी ने भारत अंडर-19 टीम का नेतृत्व किया। इसके साथ ही वह यूथ वनडे इतिहास में कप्तानी करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए। यह पहली बार था जब वैभव ने किसी भी स्तर पर भारतीय राष्ट्रीय टीम की कप्तानी की।

क्यों सौंपी गई वैभव को कप्तानी – नियमित कप्तान आयुष म्हात्रे और उपकप्तान विहान मल्होत्रा के चोटिल होकर बाहर होने के बाद वैभव सूर्यवंशी को यह जिम्मेदारी सौंपी गई। शुरुआत में यह फैसला अस्थायी माना जा रहा था, लेकिन यह निर्णय ऐतिहासिक बन गया। उम्मीद है कि आयुष और विहान 15 जनवरी से जिम्बाब्वे और नामीबिया में शुरू होने वाले अंडर-19 वर्ल्ड कप के लिए फिट होकर लौटेंगे।

अहमद शहजाद का 2007 का रिकॉर्ड टूटा – इस मुकाबले के साथ वैभव सूर्यवंशी न केवल यूथ वनडे के सबसे युवा कप्तान बने, बल्कि 16 साल की उम्र से पहले किसी भी अंडर-19 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में राष्ट्रीय टीम की कप्तानी करने वाले सबसे कम उम्र के क्रिकेटर भी बन गए। उन्होंने पाकिस्तान के अहमद शहजाद का वह रिकॉर्ड तोड़ा, जो 2007 से कायम था।

एलीट क्लब में शामिल हुए वैभव – वैभव अब उन चुनिंदा खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गए हैं, जिन्हें बेहद कम उम्र में कप्तानी का मौका मिला। इस सूची में मेहदी हसन मिराज, फरहान जाखिल, एम्बिशस मुदुमा और साद बैग जैसे नाम शामिल हैं। दुनिया भर में अब तक सिर्फ पांच खिलाड़ी ही 16 साल से पहले यूथ इंटरनेशनल में अपनी टीम की कप्तानी कर पाए हैं।

भारत के सबसे युवा यूथ वनडे कप्तानों में नया नाम – भारतीय क्रिकेट में इससे पहले सबसे युवा यूथ वनडे कप्तान का रिकॉर्ड अभिषेक शर्मा के नाम था, जिन्होंने 2016 में 16 साल 105 दिन की उम्र में टीम की कप्तानी की थी। इसके अलावा तन्मय श्रीवास्तव, ध्रुव जुरेल और पार्थिव पटेल ही 17 साल से पहले भारत अंडर-19 टीम की कमान संभाल चुके हैं।

न्यूज बाइट्स

14वीं पुण्यतिथि पर याद किए गए कॉलेज के संस्थापक

हसपुरा (औरंगाबाद) (नि. सं.)। हसपुरा प्रखंड के ईटवां स्थित गिरधारी प्रसाद गुप्ता महाविद्यालय परिसर में कॉलेज संस्थापक स्व. गिरधारी प्रसाद गुप्ता की 14वीं पुण्यतिथि शनिवार को मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज के प्रभारी प्राचार्य जयकुमार ने की। इस मौके पर उपस्थित गणमान्य लोगों ने स्व. गिरधारी प्रसाद गुप्ता की प्रतिमा पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।कार्यक्रम में लोजपा (रामविलास) के प्रदेश सचिव विजय कुमार अकेला ने कहा कि कॉलेज के संस्थापक स्व. गिरधारी प्रसाद गुप्ता कम पढ़े लिखे थे। इसके बावजूद उनका शिक्षा के प्रति काफी लगाव था। इसी कारण उन्होंने ईटवां जैसे सुदूर गांव में कालेज की स्थापना की। उनकी सोंच थी कि इस गांव के अलावा अन्य गांव के छात्र, छात्राओं को बेहतर शिक्षा मिले। वक्ताओं ने कहा कि राजनीतिक हैसियत के बल पर विधायक, सांसद बन सकते है, लेकिन चीर काल तक समाज उनका स्मरण नहीं करता। कार्यक्रम में प्रमुख श्रीनिवास सिंह, पूर्व मुखिया राजेंद्र सिंह, परीखा सिंह, लक्ष्मण प्रसाद सिंह, रमेंद्र कुमार, जयराम प्रसाद, राजकुमार, गोविंद प्रसाद सोनी ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि दिवंगत गिरधारी बाबू सभी वर्ग के लोगों में लोकप्रिय थें।सरल स्वभाव व मृदुभाषिता उनकी पहचान थी।

राजू पाठक जदयू खेल प्रकोष्ठ के जिला उपाध्यक्ष बने

औरंगाबाद (नि. सं.)। जदयू कला-संस्कृति एवं खेल प्रकोष्ठ के औरंगाबाद जिलाध्यक्ष संजीव कुमार ने पार्टी नेता आशुतोष कुमार उर्फ राजू पाठक को प्रकोष्ठ का जिला उपाध्यक्ष मनोनीत किया है। इसके बाद उन्होने राजू पाठक को प्रकोष्ठ के शहर के श्रीकृष्ण नगर स्थित जिला कार्यालय में मनोनयन पत्र प्रदान किया। उन्हे मनोनयन पत्र देते हुए संजीव कुमार ने कहा कि प्रकोष्ठ के जिला उपाध्यक्ष के रूप में उनसे पार्टी को काफी उम्मीदें है। वे प्रकोष्ठ के कार्यों को विस्तार देने के साथ ही पार्टी के लिए भी बढ़ चढ़कर काम करेंगे। उनसे उम्मीद है कि वें जदयू के सदस्यता अभियान में अहम भूमिका निभाते हुए अधिक से अधिक लोगों को संगठन का सदस्य बनाएंगे। वही प्रकोष्ठ के नव मनोनीत जिला उपाध्यक्ष ने कहा कि संजीव जी ने मुझे जिस उम्मीद से यह जिम्मेवारी दी है, उसका सम्यक निर्वहन करुंगा तथा प्रकोष्ठ और पार्टी के लिए उनकी उम्मीदों से बढ़कर काम करूंगा।

डीएम ने की विभिन्न विभागों द्वारा क्रियान्वित की जा रही महत्वपूर्ण योजनाओं की समीक्षा

कार्यों को ससमय पूरा करने का दिया निर्देश

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

समाहरणालय सभाकक्ष में शनिवार को जिलाधिकारी अभिलाषा शर्मा की अध्यक्षता में तकनीकी विभागों, नीति आयोग, एससीए, डीओसी, सीएसआर एवं डीएमएफटी की योजनाओं की समीक्षात्मक बैठक संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने सरकार की महत्त्वाकांक्षी योजना पंचायत सरकार भवन निर्माण कार्य की गहनतापूर्वक समीक्षा की तथा कार्यपालक अभियंता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमंडल एवं कार्यपालक अभियंता, एलएईओ को निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण तरीके से कार्य पूर्ण कराने का निर्देश दिया। कार्यपालक अभियंता, एलएईओ को आकांक्षी जिला कार्यक्रम एवं डीएमएफटी योजनान्तर्गत कार्यान्वित अपूर्ण योजनाओं का कार्य गुणवत्तापूर्ण तरीके से निश्चित समय सीमा के भीतर पूर्ण कराने हेतु निर्देश दिया। कार्यपालक अभियंता, लोक स्वास्थ्य प्रमंडल को सामुदायिक विकास कार्यक्रम अन्तर्गत चापाकलों का अधिष्ठापन निश्चित समय-सीमा के अन्दर गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूर्ण कराने हेतु निर्देश दिया।

कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, औरगाबाद/दाउदनगर के कार्यपालक अभियंता, पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमंडल एवं कार्यपालक अभियता, राष्ट्रीय उच्च पथ प्रमंडल को उनके क्षेत्रान्तर्गत पड़ने वाले सभी सडको को नियमानुसार मरम्मत कराने का निर्देश दिया। बीएमएसआईसीएल अन्तर्गत कार्यान्चित योजनओं को सवेदक से समन्वय स्थापित करते हुए ससमय गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूर्ण कराने हेतु निर्देश दिया। कार्यपालक अभियंता, विद्युत आपूर्ति प्रगंडल, औरंगाबाद एवं दाउदनगर को विद्युत व्यवस्था को निर्बाध रूप से आपूर्ति करने का निर्देश दिया। साथ ही पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना एवं पीएम कुसुम जैसी महत्वाकांक्षी योजनाओं का प्रखंड स्तर पर कैम्प लगाकर कर प्रचार प्रसार एवं जागरूकता अभियान के माध्यम से आम जन को इन योजनाओं का लाभ लेने हेतु प्रोत्साहित किये जाने का निर्देश दिया। बिहार महादलित विकास मिशन अन्तर्गत सामुदायिक विकास भवन-सह-वर्कशेड के निर्माण कार्य हेतु जिला कल्याण पदाधिकारी, कार्यपालक अभियता, स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन, कार्य प्रमंडल से समन्वय स्थापित करते हुए योजना कार्य को पूर्ण कराने का निर्देश दिया।

बैठक के अंत में विभिन्न कार्यकारी एजेंसियों के माध्यम से कराए जाने वाले योजनाओं के कार्यान्वयन में किसी प्रकार की समस्या होने की स्थिति में अविलम्ब सूचना देते हुए समन्वय स्थापित करते हुए उसका निकराकरण करने का निर्देश दिया। बैठक में उप विकास आयुक्त अनन्या सिंह, सिविल सर्जन, जिला पंचायत राज पदाधिकारी, जिला योजना पदाधिकारी, जिला प्रोग्राम पदाधिकारी आईसीडीएस/ जिला कल्याण पदाधिकारी/ खनिज विकास पदाधिकारी / सहायक योजना पदाधिकारी / कार्यपालक अभियंता, स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन, कार्य प्रमडल / कार्यपालक अभियता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमडल, औरंगाबाद / कार्यपालक अभियता, पीएचईडी/ कार्यपालक अभियंता, पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमंडल/कार्यपालक अभियंता, राष्ट्रीय उच्च पथ प्रमंडल/ कार्यपालक अभियंता, लघु सिंचाई प्रमंडल/कार्यपालक अभियंता, सोन स्तरीय उच्च प्रमंडल, नहर प्रमंडल/ कार्यपालक अभियता, विद्युत आपूर्ति प्रमडल, औरंगाबाद एवं दाउदनगर कार्यपालक अभियता, उत्तर कोयल नहर प्रमंडल, औरंगाबाद, अग्बा एवं मदनपुर/कार्यपालक अभियंता, बटाने शीर्ष कार्य प्रमंडल, अम्बा / सहायक अभियंता, विद्युत भवन प्रमडल, गया / सहायक अभियंता, भवन प्रमंडल, औरंगाबाद मौजूद रहे।

अग्नि सुरक्षा को लेकर रफीगंज में जागरूकता अभियान, गांव-गांव पहुंची अग्निशमन टीम

निज संवाददाता | रफीगंज (औरंगाबाद)

आगजनी की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए रफीगंज प्रखंड अग्निशमन विभाग ने अग्नि सुरक्षा को लेकर व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाया। अग्निशमन विभाग की एमटी वाहन टीम ने गांव-गांव और मोहल्लों में पहुंचकर लोगों को आग से बचाव और आपात स्थिति में अपनाए जाने वाले जरूरी उपायों की जानकारी दी।

अभियान के दौरान आम घरेलू आग, एलपीजी सिलेंडर और चूल्हे से लगने वाली आग, झुग्गी-झोपड़ियों में आग की आशंका तथा बिजली के शॉर्ट सर्किट से होने वाली घटनाओं पर विशेष रूप से लोगों को सतर्क किया गया। अग्निशमन कर्मियों ने बताया कि छोटी-सी लापरवाही भी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है, इसलिए आग लगने की स्थिति में घबराने के बजाय सूझबूझ से काम लेना जरूरी है। लोगों को आपात स्थिति में तुरंत अग्निशमन सेवा और पुलिस से संपर्क करने की सलाह दी गई। इस दौरान आपातकालीन नंबर 101 और 112 की जानकारी देते हुए जागरूकता पंपलेट भी बांटे गए, ताकि जरूरत पड़ने पर लोग समय पर सहायता ले सकें। जन-जागरूकता अभियान के तहत ग्राम पंचायत चरकावा पचार के वार्ड संख्या 15, 10, 13 और 6 के साथ-साथ कासमा रोड स्थित वार्ड संख्या 16 में मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। मॉक ड्रिल के माध्यम से आग लगने की स्थिति में बचाव, आग पर नियंत्रण और सुरक्षित तरीके से लोगों को बाहर निकालने की प्रक्रिया का लाइव प्रदर्शन किया गया। मॉक ड्रिल को लेकर ग्रामीणों में खासा उत्साह देखा गया। लोगों ने अग्निशमन टीम से सवाल पूछे और व्यवहारिक जानकारी प्राप्त की। मौके पर मौजूद अग्नि चालक नीरज पासवान, अग्निक सौरव कुमार और अग्निक अमीषा कुमारी ने लोगों को आग से जुड़ी सावधानियों के बारे में विस्तार से समझाया।

डीएम ने लगाया जनता दरबार 11 मामलों की सुनवाई, दिए निर्देश

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

आम नागरिकों की समस्याओं को सीधे सुनकर उनके त्वरित, निष्पक्ष और प्रभावी समाधान के उद्देश्य से जिलाधिकारी अभिलाषा शर्मा ने शनिवार को जनता दरबार का आयोजन किया। जनता दरबार में जिले के विभिन्न प्रखंडों से पहुंचे नागरिकों ने अपनी समस्याओं से संबंधित कुल 11 लिखित परिवाद डीएम के समक्ष प्रस्तुत किए। जनता दरबार में आए मामलों में अतिक्रमण हटाने, भूमि विवाद, जमाबंदी रद्दीकरण, आपदा राहत राशि भुगतान, इंदिरा आवास योजना में अनियमितता, पैक्स द्वारा धान खरीद में गड़बड़ी, मुख्यमंत्री कन्या विवाह मंडप निर्माण, दाखिल-खारिज, भूमि मापी एवं परिमार्जन, विद्यालयों में मनमानी और सरकारी राशि के दुरुपयोग जैसे गंभीर विषय शामिल रहे। प्रमुख परिवादों में रफीगंज थाना क्षेत्र के खरोखर गांव निवासी भरत सिंह ने भूमि विवाद की शिकायत रखी। नबीनगर प्रखंड के पड़रिया गांव निवासी बद्री नारायण सिंह ने राजकीय मध्य विद्यालय पड़रिया के प्रभारी प्रधानाध्यापक और शिक्षकों पर मिलीभगत से सरकारी राशि के दुरुपयोग का आरोप लगाया। बारुण प्रखंड के वैधाही गांव निवासी अजय कुमार राय सहित अन्य ग्रामीणों ने इंदिरा आवास योजना में अनियमितता की निष्पक्ष जांच की मांग की।

बेला गांव की कौशल्या कुंवर ने जमाबंदी रद्दीकरण से संबंधित मामला रखा, जबकि पोखराहों गांव के अम्बिका पाठक सहित अन्य लोगों ने मुख्यमंत्री कन्या विवाह मंडप का निर्माण पंचायत मुख्यालय में कराने की मांग की। इसके अलावा उपहारा थाना क्षेत्र के शलीग्राम पंडित ने आपदा राहत राशि भुगतान न होने की शिकायत की। रफीगंज प्रखंड के बीबीपुर गांव निवासी मुकुल कुमार ने भदवा पैक्स अध्यक्ष पर किसानों से धान नहीं खरीदकर बिचौलियों और परिजनों से अनियमित तरीके से धान खरीदने का आरोप लगाया। अन्य फरियादियों ने भी जनसुविधाओं से जुड़ी विभिन्न समस्याएं जिलाधिकारी के सामने रखीं। जिलाधिकारी अभिलाषा शर्मा ने सभी परिवादों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक जांच कर समयबद्ध और निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

युवक नें रक्तदान कर महिला की जीवनरक्षा में दिया योगदान

निज संवाददाता | हसपुरा (औरंगाबाद)

हसपुरा बाजार निवासी रक्तवीर मो.सद्दाम हुसैन नें आपातकालीन स्थिति में शनिवार को रक्तदान कर मानवता की मिसाल पेश की। जानकारी के मुताबिक कनाप गांव के जयकरण विश्वकर्मा की पत्नी देवमुनी देवी(60) को किडनी में कुछ परेशानी है।

डॉक्टर ने शरीर में हीमोग्लोबिन की कमी भी बताई। इसकी जानकारी मिलते ही रक्तवीर सद्दाम ने रक्तदान कर महिला की जीवन रक्षा में योगदान दिया। सद्दाम ने बताया कि यह उनका 17वां रक्तदान है। कहा कि किसी जरूरतमंद की रक्त की जरूरत पूरा करना उसे अच्छा लगता है। जीवन में पहली बार पढ़ाई के दौरान पटना में ब्लड डोनेट किया था। इस मौके पर जयनंदन शर्मा, सतीश शर्मा, दीपक राज, मनीष कुमार, पप्पू यादव, राकेश शर्मा, रवि रंजन एवं चुन्नू आदि मौजूद रहे।

जिले में अलग-अलग थाना क्षेत्रों में हिंसक झड़पें, चार घटनाओं में 19 लोग घायल

- मुफस्सिल थाना क्षेत्र के डबुरा गांव में बच्चों के विवाद से शुरू हुआ झगड़ा हिंसक हो गया, जिसमें कई लोग गंभीर रूप से जख्मी हुए।

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

जिले के विभिन्न इलाकों में आपसी विवादों ने हिंसक रूप ले लिया। अलग-अलग थाना क्षेत्रों में हुई चार मारपीट की घटनाओं में तीन महिलाओं समेत कुल 19 लोग घायल हो गए। सभी घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि पुलिस ने मामलों की जांच शुरू कर दी है। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के डबुरा गांव में बच्चों के विवाद से शुरू हुआ झगड़ा देखते ही देखते दो पक्षों के बीच हिंसक टकराव में बदल गया। इस घटना में एक पक्ष से उदय पासवान, गनौरी पासवान, मुन्नी देवी, भीम पासवान, श्रवण कुमार, ललन कुमार और अमरेंद्र कुमार समेत नौ लोग जख्मी हो गए, जबकि दूसरे पक्ष से उपेंद्र पासवान और संजन कुमार घायल हुए।

इनमें उदय पासवान और भीम पासवान की हालत गंभीर बताई जा रही है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को सदर अस्पताल पहुंचाया। गंभीर रूप से जख्मी लोगों को बेहतर इलाज के लिए रेफर किया गया है। पुलिस ने इस मामले में कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है और दोनों पक्षों से आवेदन प्राप्त किए गए हैं। दूसरी घटना ओबरा थाना क्षेत्र के चपरा गांव की है, जहां पुराने जमीन विवाद को लेकर मारपीट हुई।

इस घटना में सरयू यादव के पुत्र रंजीत कुमार घायल हो गए। रंजीत कुमार का आरोप है कि क्रिकेट खेल के दौरान व्यंग्य करने को लेकर विवाद बढ़ा और उनके साथ मारपीट की गई। पुलिस इस मामले में भी शिकायत के आधार पर जांच कर रही है। तीसरी घटना रिसीयप थाना क्षेत्र के घेउरा गांव में सामने आई, जहां दो पक्षों के बीच हुए संघर्ष में एक पक्ष से संगीता देवी और अमरजीत पासवान घायल हुए, जबकि दूसरे पक्ष से बॉबी देओल, सनी देओल और सत्येंद्र पासवान को चोटें आईं। आरोप है कि विवाद के दौरान बाहर से लोगों को बुलाकर हमला किया गया। पुलिस ने सभी पहलुओं की जांच शुरू कर दी है। चौथी घटना नगर थाना क्षेत्र के मिनी बिगहा वार्ड संख्या 13 की है। यहां बच्चों के विवाद ने पारिवारिक झगड़े का रूप ले लिया, जिसमें पिंटू राम, उनकी पत्नी रूपा देवी, पुत्री ईशा कुमारी और पुत्र प्रकाश कुमार घायल हो गए। पीड़ित पक्ष ने अपने ही परिजनों पर मारपीट का आरोप लगाया है। चारों घटनाओं को लेकर संबंधित थानों में सूचना दर्ज कर ली गई है। पुलिस का कहना है कि सभी मामलों की जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

मदनपुर के खेसर गांव में खलिहान में भीषण आग, एक हजार धान के बोझे जलकर राख

निज संवाददाता | मदनपुर(औरंगाबाद)

मदनपुर थाना क्षेत्र के खेसर गांव में शुक्रवार देर रात उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक किसान के खलिहान में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और खलिहान में रखे करीब एक हजार धान के बोझे जलकर पूरी तरह राख हो गए। इस हादसे में पीड़ित किसान को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। आग की लपटें उठती देख आसपास के ग्रामीण बड़ी संख्या में मौके पर जुट गए। ग्रामीणों ने बाल्टी और तीन मोटर पंप की मदद से आग बुझाने की भरपूर कोशिश की, लेकिन धान के सूखे बोझों में लगी आग इतनी तेजी से फैली कि उस पर काबू पाना मुश्किल हो गया।

कुछ ही देर में पूरा खलिहान आग की चपेट में आ गया। स्थिति बिगड़ती देख ग्रामीणों ने मदनपुर थाना को सूचना दी। सूचना मिलते ही थाना के एसआई श्रीकांत पांडे पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और तत्काल अग्निशमन विभाग को सूचित किया गया। इसके बाद दमकल विभाग की टीम दो दमकल वाहनों के साथ मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने ग्रामीणों की मदद से कई घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक खलिहान में रखा सारा धान और पशुओं के लिए रखा चारा पूरी तरह जल चुका था। आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है। पुलिस और प्रशासन मामले की जांच में जुटे हुए हैं।

पीड़ित किसान जितेंद्र राम ने बताया कि उनके खलिहान में रखे करीब एक हजार धान के बोझे पूरी तरह जल गए हैं। उन्होंने कहा कि वे बटाई पर खेती करते हैं और यही धान उनकी आजीविका का मुख्य साधन था। आग लगने से न सिर्फ अनाज बल्कि पशुओं का चारा भी नष्ट हो गया है, जिससे उनके सामने गंभीर आर्थिक संकट खड़ा हो गया है।

एसपी अंबरीश राहुल ने सिमरा थाना में लगाया जनता दरबार, कई मामलों का हुआ ऑनस्पॉट समाधान

- जनता दरबार में सरकारी जमीन पर अतिक्रमण, पर्चा भूमि पर कब्जा न मिलने और गांवों में रास्ता बंद किए जाने जैसी शिकायतें प्रमुख

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

जिले के पुलिस अधीक्षक अंबरीश राहुल ने शनिवार को सिमरा थाना परिसर में जनता दरबार लगाकर आम लोगों की समस्याएं सुनीं। जनता दरबार में बड़ी संख्या में फरियादी पहुंचे और अपनी-अपनी शिकायतें रखीं। इस दौरान कुल 68 मामले सामने आए, जिनमें अधिकांश भूमि विवाद से जुड़े थे। एसपी ने फरियादियों की बातों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित थाना, अंचल और प्रशासनिक अधिकारियों को निष्पक्ष जांच कर त्वरित समाधान के निर्देश दिए। कई मामलों में आपसी सहमति के आधार पर मौके पर ही समाधान कराकर लोगों को राहत दी गई।जनता दरबार की सूचना मिलते ही सिमरा थाना के अलावा रिसियप थाना क्षेत्र से भी ग्रामीण अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। एसपी ने सभी मामलों को एक-एक कर सुना और नियमानुसार कार्रवाई का भरोसा दिलाया।

जमीन और रास्ते के विवाद प्रमुख

बहादुरपुर गांव निवासी कृष्ण सिंह ने शिकायत की कि गांव के ही एक व्यक्ति द्वारा उनकी जमीन पर अवैध कब्जे का प्रयास किया जा रहा है, जबकि सभी वैध दस्तावेज उनके नाम पर हैं। इस मामले में एसपी ने अंचल और थाना स्तर पर जांच कराने का निर्देश दिया। ढिबरा गांव निवासी उदय गिरि ने गांव में रास्ता बंद किए जाने की शिकायत की। उन्होंने बताया कि पास की जमीन पर निर्माण हो जाने से उनका आवागमन बाधित हो गया है।

एसपी ने स्पष्ट किया कि निजी भूमि से जुड़े मामलों में राजस्व विभाग की भूमिका अहम है और उसी स्तर पर जांच कराई जाएगी। रिसियप थाना क्षेत्र के सत्यनारायण राम ने वर्ष 1976 में उनके पिता को मिली पर्चा भूमि पर अब तक कब्जा नहीं मिलने की शिकायत रखी। इस मामले को भी संबंधित अधिकारियों को अग्रसारित किया गया।

सरकारी जमीन पर अतिक्रमण की शिकायत

जनता दरबार में सिमरा बाजार क्षेत्र में सरकारी जमीन पर अवैध निर्माण की शिकायत भी सामने आई। एसपी ने मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। कर्मा बसंतपुर गांव निवासी शैलेंद्र कुमार सिंह ने आसपास के थाना क्षेत्रों में अवैध शराब बिक्री को लेकर शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि सिमरा थाना क्षेत्र में स्थिति सामान्य है, लेकिन रिसियप और मुफस्सिल थाना क्षेत्रों में खुलेआम शराब बेचे जाने से सामाजिक माहौल खराब हो रहा है। इस पर एसपी ने संबंधित थानों को कड़ी निगरानी और कार्रवाई के निर्देश दिए।

जनता दरबार से मजबूत होता है भरोसा

एसपी अंबरीश राहुल ने कहा कि जनता दरबार आम जनता और पुलिस के बीच विश्वास का मजबू त माध्यम है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जनसमस्याओं के समाधान में संवेदनशीलता और पारदर्शिता बरती जाए। इस मौके पर एसडीपीओ सदर-1 संजय कुमार पांडेय ने कहा कि जनता दरबार का मुख्य उद्देश्य लोगों को सरल और सुलभ न्याय उपलब्ध कराना है। कार्यक्रम में सरपंच, मुखिया, पैक्स अध्यक्ष सहित कई जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

नाबालिग अपहरण मामले में आरोपी को पांच साल का कैद

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

स्पेशल पोक्सो कोर्ट के न्यायाधीश लक्ष्मीकांत मिश्रा की अदालत ने शादी की नीयत से एक नाबालिग किशोरी का अपहरण करने के मामले में आरोपी को दोषी करार देते हुए कड़ी सजा सुनाई है। अदालत ने आरोपी सोनू कुमार को कुल पांच साल का कारावास और तीस हजार रुपये जुर्माने की सजा दी है। कोर्ट के विशेष लोक अभियोजक शिवलाल मेहता ने बताया कि यह घटना 28 फरवरी 2023 की है। औरंगाबाद के एक गांव में बारात आई थी। बारातियों की विदाई के बाद उसी परिवार की एक नाबालिग किशोरी को शादी की नीयत से बहला-फुसलाकर अगवा कर लिया गया। इस घटना से पीड़ित परिवार में हड़कंप मच गया।

घटना के बाद पीड़िता के पिता ने बारूण थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने मामले की जांच कर आरोप पत्र न्यायालय में समर्पित किया। सुनवाई के दौरान अदालत ने उपलब्ध साक्ष्य और गवाहों के बयान के आधार पर आरोपी को दोषी पाया। अदालत ने आरोपी को भारतीय दंड संहिता की धारा 363 के तहत पांच वर्ष का सश्रम कारावास और बीस हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। इसके अलावा पोक्सो एक्ट की धारा 12 के तहत तीन वर्ष का कारावास और दस हजार रुपये जुर्माना लगाया गया है। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि दोनों सजाएं साथ-साथ चलेंगी।